खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | मंगलवार, 04 मार्च, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु.| वर्ष-7 | अंक-62

तमिलनाडु के सीएम स्टालिन ने की अजीबोगरीब अपील

परिसीमन से बचना है तो ताबड़तोड़ बच्चे पैदा करो

चेन्नई, 03 मार्च (एजेंसियां)।

जनसंख्या के आधार पर होने वाले परिसीमन में लोकसभा सीटों की संख्या कम होने की आशंका से तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने अपना वैचारिक संतुलन खो दिया है। स्टालिन ने तमिलनाडु के लोगों को तुरंत खूब बच्चे पैदा करने की सलाह देनी शुरू कर दी है। जबकि तमिलनाडु समेत पूरे देश में अगले ही साल यानि 2026 में ही परिसीमन होना है। स्टालिन ने कहा, परिवार नियोजन कार्यक्रम में तमिलनाडु का बहुत नुकसान किया है। दूसरी तरफ आरक्षण का फायदा उठाने के लिए तमिलनाडु में हजारों की तादाद में अनुसूचित जाति का फर्जी प्रमाणपत्र बन रहा है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने गहरी चिंता जताई है और कहा है कि फर्जी प्रमाणपत्र मामले में कोई गहरा षडयंत्र है। तमिलनाडु के राज्यपाल ने प्रदेश के लोगों को भाषा और नस्ल भेद का भाव भरने वाले तत्वों से बचने की सलाह दी है।

भारत में अगले साल 2026 को निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन होना है। इसके तहत जनसंख्या के आधार पर लोकसभा और विधानसभा सीटों की संख्या और निर्वाचन क्षेत्रों की सीमा को फिर से निर्धारित किया जाएगा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने इस पर सस्ती राजनीति शुरू कर दी है। स्टालिन को आशंका है कि जनसंख्या के आधार पर होने वाले परिसीमन में तमिलनाडु लोकसभा की सीटें घट जाएंगी। तमिलनाडु में इस समय लोकसभा की 39 सीटें हैं। स्टालिन अपनी आशंका से इतने बेचैन हो गए कि उन्होंने प्रदेश के लोगों से अधिक बच्चे पैदा करने की सलाह देनी शुरू कर दी। जबकि परिसीमन एक साल बाद ही होना है। सीएम स्टालिन ने तमिलनाडु के लोगों से तुरंत बच्चे पैदा करने की अपील और कहा कि इससे अगले साल होने वाले

परिसीमन से संसदीय सीटें घटने की आशंका से बौखलाए सीएम

2026 में होगा परिसीमन, खूब बच्चे पैदा करवाके बचाएंगे सीटें

आरक्षण के लिए बेतहाशा बन रहे हैं एससी के फर्जी प्रमाणपत्र

आर्य एवं द्रविड़ के भेद में न पड़ें तमिलनाडु के लोग: राज्यपाल

जनसंख्या आधारित परिसीमन के प्रभाव का मुकाबला किया जा सकेगा। स्टालिन ने कहा, मैं यह नहीं कहूंगा कि आप अपना समय लें, बल्कि मैं यह कहूंगा कि आप तुरंत बच्चा पैदा करें। स्टालिन ने कहा, परिवार नियोजन कार्यक्रम ने तमिलनाडु को नुकसान में डाल दिया है। उन्होंने तमिलों को डराते हुए कहा कि जनसंख्या आधारित परिसीमन तमिलनाडु का केंद्र में प्रतिनिधित्व कम हो जाएगा।

तमिलाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने राज्य के लोगों से जल्द से जल्द बच्चे पैदा करने की अपील करते हुए कहा, सफलतापूर्वक जनसंख्या नियंत्रण करने का राज्य को खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। पहले हम कहते थे कि आप आराम से बच्चे पैदा करें, लेकिन अब हालात बदल गए हैं और अब हमें कहना चाहिए कि तुरंत बच्चे पैदा करें। जनसंख्या के आधार पर परिसीमन होता है तो इससे तमिलनाडु में लोकसभा सीटों की संख्या कम हो सकती है और संसद में राज्य का प्रतिनिधित्व घट सकता है। स्टालिन ने परिसीमन के मुद्दे पर 5 मार्च को सभी पार्टियों की बैठक भी बुलाई है। सीएम ने सभी राजनीतिक दलों से आपसी मतभेद भुलाकर बैठक में शामिल होने की अपील की और कहा कि परिसीमन का मुद्दा तमिलनाडु के लिए बेहद अहम है।

इससे पहले अपने 72वें जन्मदिवस के मौके पर तमिलनाडु सीएम ने अपनी पार्टी के कैडर से अपील करते हुए कहा, आज तमिलनाडु दो अहम चुनौतियों से जूझ रहा है। इनमें से एक है भाषा की लड़ाई, जो हमारी जीवनरेखा है। वहीं दूसरी लड़ाई है परिसीमन की, जो हमारा अधिकार है। मैं आपसे अपील करता हूं कि इस लड़ाई के बारे में लोगों को बताया जाए। परिसीमन का सीधा असर राज्य के आत्म सम्मान, सामाजिक न्याय और लोगों की कल्याणकारी योजनाओं पर होगा। आपको इस संदेश को लोगों तक लेकर जाना होगा ताकि राज्य का हर नागरिक राज्य को बचाने के लिए एकजुट हो सके। ▶10पर

नेशनल बोर्ड फॉर वाइल्ड लाइफ की बैठक में पीएम मोदी ने कहा

वन्यजीवों की हिफाजत में भारत के योगदान पर गर्व है

अहमदाबाद, 03 मार्च (एजेंसियां)।

इसी साल मई में होगी एशियाई शेरों की गणना

प्रोजेक्ट लायन के लिए 2,900 करोड़ रुपए मंजूर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेशनल बोर्ड फॉर वाइल्ड लाइफ (एनबीडब्ल्यूएल) की बैठक की अध्यक्षता करते हुए यह घोषणा की कि एशियाई शेरों की गणना इस वर्ष मई में की जाएगी। प्रधानमंत्री ने कहा, वन्यजीवों को बचाने में भारत के योगदान पर मुझे गर्व है। पीएम मोदी ने जूनागढ़ में वन्यजीवों के लिए नेशनल रेफरल सेंटर की आधारशिला रखी। एनबीडब्ल्यूएल में 47 सदस्य हैं, जिनमें सेना प्रमुख, विभिन्न राज्यों के सदस्य, इस क्षेत्र में काम करने वाले गैर सरकारी संगठनों के प्रतिनिधि, मुख्य वन्यजीव वार्डन और विभिन्न राज्यों के सचिव शामिल हैं। देश के प्रधानमंत्री एनबीडब्ल्यूएल के पदेन अध्यक्ष होते हैं।

केंद्र सरकार ने एशियाई शेरों के संरक्षण के लिए प्रोजेक्ट लायन के तहत 2,900 करोड़ रुपए से अधिक की राशि मंजूर दी है। इन शेरों का एकमात्र निवास स्थान गुजरात है। वर्तमान में एशियाई शेर गुजरात के नौ जिलों के 53 तालुकाओं में लगभग 30,000 वर्ग किलोमीटर में निवास करते हैं। इसके अलावा एक राष्ट्रीय परियोजना के तहत जूनागढ़ जिले के न्यू पिपल्या में 20.24 हेक्टेयर से अधिक भूमि पर वन्यजीवों के चिकित्सीय निदान एवं रोग से बचाव के लिए एक राष्ट्रीय रेफरल केंद्र स्थापित किया जा रहा है। संरक्षण प्रयासों को मजबूत करने के लिए सासण में वन्यजीव निगरानी के लिए उच्च तकनीक से युक्त निगरानी केंद्र और एक अत्याधुनिक अस्पताल भी स्थापित किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीन दिवसीय गुजरात दौरे पर हैं। उन्होंने विश्व वन्यजीव दिवस के अवसर पर सोमवार की सुबह गुजरात के जूनागढ़ स्थित गिर वन्यजीव अभयारण्य में जंगल सफारी की। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव, प्रदेश के अन्य मंत्री और वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी उनके साथ थे। इसके बाद प्रधानमंत्री गिर वन्यजीव अभयारण्य के मुख्यालय सासण गिर में राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड की सातवीं बैठक की अध्यक्षता करने पहुंचे। बैठक के बाद पीएम मोदी ने गिर नेशनल पार्क की महिला कर्मचारियों से भी मुलाकात की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, इस धरती की जैव विविधता और वन्यजीवों को बचाने की जरूरत है। आज विश्व वन्यजीव दिवस के मौके पर हम इस धरती की अतुल्य जैव विविधता के संरक्षण ▶10पर

यूनेस्को की रिपोर्ट

40% आबादी मातृभाषा में पढ़ाई से वंचित

नई दिल्ली, 03 मार्च (एजेंसियां)।

दुनिया की 40 फीसदी आबादी अपनी मातृभाषा में पढ़ाई से वंचित है। यूनेस्को की ग्लोबल एजुकेशन मॉनिटरिंग (जीईएम) एक रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है। इसे अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस की 25वीं वर्षगांठ पर जारी किया गया। रिपोर्ट मातृभाषाओं के संरक्षण और उन्हें बढ़ावा देने के कोशिशों को मान्यता देती है।

यह रिपोर्ट ऐसे समय में आई है जब भारत बहुभाषी

गुलामी में रहे भारत जैसे देशों में मुश्किलें

शिक्षा को बढ़ावा देने वाली नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) लागू कर रहा है। हालांकि, स्कूलों में तीन-भाषा नीति को लेकर कुछ राज्यों में विरोध हो रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, विभिन्न देशों में मातृभाषा में शिक्षा के लिए उपयुक्त नीतियां नहीं हैं। रिपोर्ट के अनुसार, करीब 3.1 करोड़ विस्थापित युवा भाषाई समस्या से पढ़ाई में मुश्किलों का सामना कर रहे हैं। कुछ गरीब और मध्यम-आय वाले देशों में 90 फीसदी विद्यार्थी अपनी भाषा में पढ़ाई नहीं कर पाते। ▶10पर

भारत-भूटान संबंधों पर बोले भूटान के प्रधानमंत्री

इतने अच्छे रिश्ते पहले कभी नहीं थे

थिम्पू (भूटान), 03 मार्च (एजेंसियां)।

भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे ने भारत और भूटान के संबंधों पर बड़ी बात कही है। शेरिंग तोबगे ने कहा, भारत और भूटान के बीच आज जितने मैत्रीपूर्ण और घनिष्ठ संबंध हैं, उतने पहले कभी नहीं थे। ये संबंध हमारे नेताओं और भारत के नेताओं के बीच परस्पर सौहार्द और प्रेम पर स्थापित हैं।

भूटान में पर्यटन को लेकर भी प्रधानमंत्री तोबगे ने कहा, हम भारत समेत अन्य सभी देशों के साथ पर्यटन तो चाहते हैं, लेकिन जरूरत से ज्यादा या भीड़ नहीं चाहते हैं। भूटान के पीएम ने कहा कि यह असामान्य भी और हमारे लिए गौरव की बात भी है कि भारत जैसा बड़ा, शक्तिशाली और जटिल देश, एक छोटे पड़ोसी के साथ इतने करीबी संबंध रखता है। एक छोटी आबादी और दुनिया की सबसे बड़ी आबादी, एक छोटी अर्थव्यवस्था और दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। इसके बावजूद दोनों के बीच अच्छे संबंध हैं। उन्होंने कहा कि बिना किसी संदेह, किसी निहित स्वार्थ के इतने करीबी संबंध रखना, आज की दुनिया में बहुत ही असामान्य है। दुनिया को इसकी और जरूरत है।

पीएम मोदी को लेकर प्रधानमंत्री तोबगे ने कहा, मुझे सौभाग्य मिला कि मुझे 2014 में प्रधानमंत्री मोदी के शपथ ग्रहण के दौरान एक सेवारत प्रधानमंत्री के रूप में आमंत्रित किया गया, और फिर पिछले साल, मुझे उनके तीसरे कार्यकाल के शपथ ग्रहण के दौरान आमंत्रित किया गया। हमारे बीच बहुत करीबी दोस्ती है। उन्होंने मुझे सोल लीडरशिप कॉन्क्लेव के उद्घाटन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया, जो उनके दिमाग की उपज है। कॉन्क्लेव के दौरान भूटान एकमात्र विदेशी प्रतिनिधि था।

भूटान के पीएम ने कहा, मैं प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व का बहुत सम्मान करता हूं, लेकिन साथ ही उनसे मुझे मिले स्नेह का मैं आभारी भी हूं। उन्होंने मुझे वास्तव में एक छोटे भाई के रूप में स्वीकार किया है। मैं उन्हें अपना गुरु मानता हूं और उन्हें अपना मार्गदर्शक कहता हूं। भारत की पड़ोसी प्रथम (नेबर फर्स्ट) की नीति पर भूटानी पीएम ने कहा, मैंने वैश्विक नेताओं को यह कहते सुना है कि उनका देश पहले स्थान पर है। मैंने इतिहास में कभी भी दुनिया में कहीं भी इतने बड़े देश के नेता को पड़ोस पहले कहते नहीं सुना। यह एक शानदार अवसर है। मैं अन्य पड़ोसी देशों के लिए नहीं बोल सकता, लेकिन भूटान के लिए, पड़ोसी प्रथम का अर्थ दो देशों के बीच और भी गहरी दोस्ती और भारत से और भी अधिक समर्थन और सहायता है। इसने हमें अपनी अर्थव्यवस्था को बढ़ाने और अपने विकास लक्ष्यों को पूरा करने में सक्षम बनाया है।

भारत के भूटान में योगदान को लेकर भूटानी पीएम ने कहा, हमारी बढ़ती अर्थव्यवस्था, जल-शक्ति पर आधारित है, और सामाजिक प्रगति के साथ संतुलित रही है। इस भूमिका में, हमें भारत सरकार और भारत के लोगों से मित्रता, समर्थन और सहायता का लाभ मिला है। चाहे वह आर्थिक विकास के मामले में हो, जलविद्युत क्षेत्र में निवेश के मामले में हो या व्यापार के मामले में। पीएम तोबगे ने कहा, हमारा लगभग 80 प्रतिशत व्यापार भारत के साथ है। पर्यटन के लिए भूटान की नीति उच्च मूल्य, कम मात्रा की है, और यद्यपि हमें पर्यटकों की आवश्यकता है, जिनमें भारत से आने वाले पर्यटक भी शामिल हैं, तथापि हम मानते हैं कि हम भूटान को पर्यटकों से भर नहीं सकते।

साइबर ठगी का सनसनीखेज खुलासा

क्लाउड स्पेस के नाम पर ठगे 3500 करोड़

चंडीगढ़, 03 मार्च (एजेंसियां)।

पंजाब में क्लाउड स्पेस के नाम 3,500 करोड़ की साइबर ठगी का सनसनीखेज खुलासा हुआ है। पुलिस को महीनों चकमा देने के बाद ठग जोड़े सुखविंदर सिंह खरौर और डिंपल खरौर को पकड़ा गया। फिलहाल, दोनों प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की हिरासत में हैं। जालंधर की पीएमएलए अदालत ने पति सुखविंदर सिंह खरौर को 10 दिन और उसकी पत्नी डिंपल खरौर को 5 दिन के ईडी रिमांड में भेज दिया है, जहां उनसे सघन पूछताछ की जा रही है।

खरौर दंपत्ति लोगों को क्लाउड स्पेस खरीदने और उसे वापस लीज पर देने के नाम पर धोखा देता था। इस फर्जी योजना से इन्होंने 3,500 करोड़ रुपए की कमाई की। पिछले महीने ईडी ने उनके ठिकानों पर छापा मारकर 80 करोड़ रुपए की 26 लग्जरी कारें जब्त की थीं। इसके अलावा पंजाब में उनकी 178 करोड़ रुपए की सम्पत्ति भी जब्त की गई। इस जोड़े ने काला धन सफेद करने के लिए कई फर्जी कंपनियां बना रखी थीं। डिंपल के बैंक खातों और उनकी कंपनियों मसलन खारौर फिल्म्स एलएलपी, फ्रूटचैट एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड और अवनी आईटी इन्फ्रा वेंचर्स लिमिटेड के जरिए पैसे निकाले गए। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 35^{0}

न्यूनतम : 21^{0}

अवैध प्रवासियों को ग्रीस से बाहर निकालने की मांग

अब अवैध प्रवासियों को बाहर निकालेंगे हर देश

एथेंस, 03 मार्च (एजेंसियां)।

अवैध प्रवासियों को देश से बाहर निकालने की अमेरिकी पहल के बाद अब कई अन्य देशों से भी अवैध प्रवासियों को बाहर निकालने की मुहिम तेज हो गई है। अवैध प्रवासियों की अराजकता से ऊबे हुए ग्रीस के लोगों ने उन्हें तत्काल बाहर निकालने की मांग शुरू कर दी है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि अवैध प्रवासियों की बढ़ती संख्या से आए दिन समस्याएं पैदा हो रही हैं। उनके लिए संसाधन कम पड़ रहे हैं क्योंकि वे उन्हें ऐसे लोगों से साझा करने पड़ रहे हैं जो देश और देश के लोगों के प्रति दुर्भावना से भरे हैं। इतना ही नहीं, नागरिकों को अपनी सुरक्षा की चिंता सताने लगी है। प्रदर्शनों की वजह से अब ग्रीस सरकार की स्थिरता पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। ग्रीस इन दिनों उबल रहा है। उबाल का कारण वही अवैध प्रवासी हैं जिन्होंने

यूरोप में भयंकर अमानवीयता बरपा रखी है। फ्रांस, जर्मनी, नार्वे, ब्रिटेन जैसे देश इस दंश को रोज भुगत रहे हैं, लेकिन इसे रोकने के प्रयास भी कर रहे हैं तो वह आधे-अधूरे मन से। इन देशों के नागरिक अब भर चुके हैं इनकी अराजकता देखकर। सीरिया, पश्चिम एशिया और पाकिस्तान से आकर उक्त देशों में कानूनों को ताक पर रखकर शरिया की मांग कर रहे हैं। ग्रीस भी अब ऐसे ही विरोध प्रदशनों का साक्षी बन रहा है। हाल के दिनों में ग्रीस में बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर उतरकर सरकार को झकझोर रहे हैं। वे मांग कर रहे हैं कि बस, बहुत हुआ, सरकार आप्रवासन नीति में सुधार करे। नागरिक इस बारे में ग्रीस सरकार के नरम रवैये से गुस्साए हुए हैं। ग्रीस की आप्रवासन नीति ने पिछले कुछ वर्षों में कई विरोधाभासों को जन्म दिया है। मुख्य विरोधाभास यह है कि सरकार ने प्रवासियों को शरण देने की नीति अपनाई हुई है। ▶10पर

50 लाख लेकर 80 भारतीयों को भेजा कनाडा-नीदरलैंड

मुंबई, 03 मार्च (एजेंसियां)।

मुबंई पुलिस ने आव्रजन प्रणाली में खामियों का फायदा उठाकर मानव तस्करी करने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ किया है। साथ ही मुख्य आरोपी रोशन भास्कर दुधवाडकर को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, दुधवाडकर और उसके साथी राजेश पंचाल ने जाली यात्रा दस्तावेजों का इस्तेमाल करके 80 भारतीय नागरिकों को कनाडा, नीदरलैंड, तुर्की और पोलैंड जैसे देशों में अवैध रूप से भेजने में मदद की। मुंबई पुलिस को 28 फरवरी को विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण अधिकारी (एफपीआरओ) के माध्यम से दुधवाडकर की संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिली थी। मुंबई पुलिस की टीम ने हवाई अड्डे पर दुधवाडकर को हिरासत में लिया। वह अंधेरी पूर्व में रहता है। जांच में पता चला है कि राजेश पंचाल जाली पासपोर्ट और वीजा बनाने का काम करता था ▶10पर

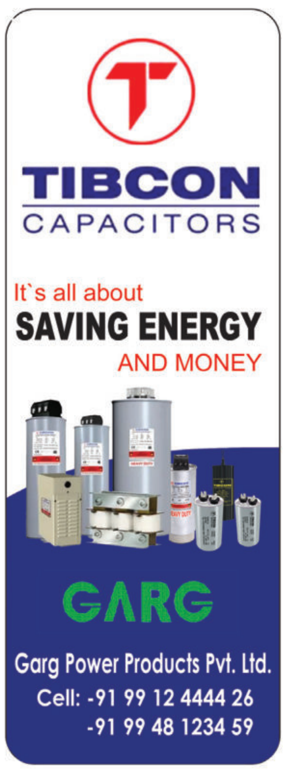

शुभ लाभ — खबरें जो सोच बदल दे

नेपाल में सत्तारूढ़ कांग्रेस के नेताओं ने किया अध्यादेश और विधेयक का विरोध

काठमांडू, 03 मार्च (एजेंसियां)।

नेपाल की केपी शर्मा ओली सरकार लाए गए छह अध्यादेशों और तीन विधेयकों पर फंसती नजर आ रही है। सरकार में शामिल सबसे बड़े घटक दल नेपाली कांग्रेस के नेता खुलकर इसके विरोध में आ गए हैं। अध्यादेश एक माह होने के बाद भी संसद में पेश नहीं किया जा सके हैं।

अगर अगले 30 दिनों में इनको संसद के दोनों सदनों से पारित नहीं कराया गया तो ये स्वत: खारिज हो जाएंगे।

इन अध्यादेश का सरकार को बाहर से समर्थन दे रही जनता समाजवादी पार्टी ने भी समर्थन नहीं करने का फैसला कर लिया है। इस वजह से ऊपरी सदन में सरकार बहुमत नहीं जुटा पाई है।

तीन विधेयकों का भी सत्तारूढ़ घटक दल नेपाली कांग्रेस विरोध कर रही है। इनमें सोशल मीडिया को नियंत्रण करने के लिए लाया गया विधेयक, सुरक्षा बलों के मर्जर संबंदी विधेयक और सशस्त्र प्रहरी बल से संबंधी विधेयक शामिल है।

ओली सरकार में शामिल गृहमंत्री नेपाली कांग्रेस के नेता रमेश लेखक हैं। उनकी पार्टी का एक बड़ा गुट इन विधेयकों के खिलाफ बोलने लगा है।

पिछले दो दिनों में कांग्रेस के कई दिग्गज नेताओं ने एक साथ सरकार के खिलाफ और इन विधेयकों के खिलाफ सार्वजनिक बयान दिया है। काठमांडू में आयोजित एक कार्यक्रम में नेपाली कांग्रेस के महामंत्री गगन थापा ने कहा कि ओली सरकार ने विधेयक लाने में मनमानी की है।

ओली दाएं-बाएं करेंगे तो समर्थन वापसी पर विचार करना होगा। थापा ने कहा कि जिस तरह से सोशल मीडिया बिल से लेकर सिक्योरिटी संबंधी बिल लाया गया है उसमें बदलाव किए बिना पारित नहीं कराया जा सकता।

पोखरा में आयोजित एक कार्यक्रम में नेपाली कांग्रेस के नेता और पूर्व विदेशमंत्री एनपी साउद ने कहा कि सरकार को दो तिहाई का दंभ दिखाना बंद करना चाहिए। सुरक्षाबलों से संबंधित बिल इसी दंभ के कारण लाया गया है। इसका समर्थन नहीं किया जा सकता है।

नेपाली कांग्रेस के बड़े नेता और पूर्व उप प्रधानमंत्री तथा गृहमंत्री बालकृष्ण खांड ने रविवार को भैरहवा में कहा कि गठबंधन अपने मूल उद्देश्य से भटक कर विवादास्पद विषयों पर विधेयक ला रहा है।

नेपाली कांग्रेस इस देश की सभी बड़ी पार्टी है। खांड ने आरोप लगाया कि ओली अपनी नीतियां कांग्रेस पर थोप रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिकी घोषणा से कनाडा बेचैन किंग चार्ल्स से मुलाकात करेंगे पीएम ट्रूडो

ओटावा। अमेरिका पूरी दुनिया के लिए संकट खड़े कर रहा है। उसने कनाडा को 51वां राज्य बनाने की घोषणा कर दी। इससे कनाडा के लोग चिंतित हुए हैं। ऐसे ही मुद्दों पर चर्चा करने के लिए पीएम जस्टिन ट्रूडो किंग चार्ल्स से मुलाकात करेंगे।कनाडा के पीएम फिलहाल ब्रिटेन दौरे पर हैं और रविवार को उन्होंने यूक्रेन मुद्दे पर यूरोपीय नेताओं की अहम बैठक में शिरकत की थी। ब्रिटेन के राजा चार्ल्स तृतीय ने भी ट्रूडो को सोमवार को स्कॉटलैंड राजकीय यात्रा पर आने को आमंत्रित किया है। बता दें कि किंग चार्ल्स ही कनाडा के भी राष्ट्र प्रमुख हैं। हालांकि ट्रंप ने कनाडा के अमेरिका में विलय की धमकी पर अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है, जिसे लेकर कनाडा में किंग चार्ल्स के प्रति नाराजगी भी है। ट्रूडो ने रविवार को लंदन में कहा कि वह किंग चार्ल्स के साथ कनाडाई लोगों के लिहाज से जरूरी मुद्दों पर चर्चा करेंगे। उन्होंने कहा कि कनाडाई लोगों के लिए इस समय हमारी संप्रभुता और एक राष्ट्र के रूप में हमारी स्वतंत्रता के लिए खड़े होने से अधिक महत्वपूर्ण कुछ नहीं है। कनाडा के संवैधानिक मामलों के वकील लाइल स्किनर ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि, बहुत अच्छी खबर है कि प्रधानमंत्री कनाडा के राजा से मिलेंगे। उम्मीद है कि इसके बाद राजा अपने कनाडाई क्षेत्र के बारे में कोई बयान देंगे। मॉन्ट्रियल में मैकगिल विश्वविद्यालय में राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर डैनियल बेलैंड ने कहा कि कई कनाडाई लोग, राजा से ट्रंप के बयान के मुद्दे पर सार्वजनिक बयान चाहते हैं और अगर ऐसा नहीं होता है तो वे नाराज हो सकते हैं।

पोप की सेहत में सुधार, वेंटिलेटर हटाया, पर खतरा बना हुआ है

वेटिकन। लंबे समय से बीमार चल रहे पोप फ्रांसिस की हालत फिलहाल स्थिर है और अब उन्हें किसी भी तरह के वेंटिलेशन की जरूरत नहीं है। यह संकेत है कि उन्होंने शुक्रवार को आई सांस की तकलीफ को सफलतापूर्वक पार कर लिया है और उनकी फेफड़ों की स्थिति में सुधार हो रहा है।हालांकि डॉक्टरों का मानना है कि अभी खतरा पूरी तरह टला नहीं है। पोप फिलहाल निमोनिया के दोहरे वार से उबर रहे हैं। जानकारी के मुताबिक पोप अभी भी हाई-फ्लो ऑक्सीजन सपोर्ट पर हैं, लेकिन शुक्रवार को आए तेज खांसी के दौरे के बाद उनके स्वास्थ्य को लेकर जो चिंता थी, वह अब कुछ हद तक कम हो गई है। डॉक्टरों ने रविवार को उनकी सेहत के बारे में बताया कि वे स्थिर हैं, लेकिन अभी भी पूरी तरह खतरे से बाहर नहीं हैं।पोप की बीमारी के कारण दुनिया भर से उनके लिए दुआएं और प्रार्थनाएं की जा रही हैं। इस समय वेटिकन में पवित्र वर्ष मनाया जा रहा है, जिसके कारण बड़ी संख्या में श्रद्धालु रोम आ रहे हैं।पोप फ्रांसिस 14 फरवरी से रोम के जेमेली अस्पताल में भर्ती हैं। रविवार को उन्होंने सुबह वेटिकन के सेक्रेटरी ऑफ स्टेट कार्डिनल पिएत्रो पैरोलिन और उनके चीफ ऑफ स्टाफ आर्चबिशप एडगर पेना पार्रा से मुलाकात की। हालांकि, उनकी बातचीत का विषय सार्वजनिक नहीं किया गया। पूरे दिन पोप ने आराम किया, अपनी निजी चैपल में प्रार्थना की और मास में हिस्सा लिया। वे वेटिकन से बाहर होने के कारण हर रविवार को दिए जाने वाले दोपहर के आशीर्वाद में भी शामिल नहीं हो पाए। इसके बजाय, वेटिकन ने जेमेली अस्पताल से ही उनका एक संदेश जारी किया, जिसमें उन्होंने अपने डॉक्टरों और शुभचिंतकों का धन्यवाद किया। पोप ने अपने संदेश में यूक्रेन और दुनिया भर में शांति की प्रार्थना की और कहा कि अस्पताल में रहकर उन्हें महसूस हो रहा है कि युद्ध कितनी बेतुकी चीज है।

24 मोज़े खा गया पपी, करना पडा ऑपरेशन

वाशिंगटन। क्या आपने सुना है कि किसी जानवर ने कुछ जुराबें या मोजे खा लिए हों और उसने बचाने के लिए उसका ऑपरेशन करना पड़ा हो। ऐसा ही कुछ एक प्यारे से पपी के साथ हुआ, जिसने एक नहीं बल्कि 24 मोज़े खा लिए थे। यह मामला अमेरिका के कैलिफोर्निया का है। सोशल मीडिया पर यहां के कोरोना एनिमल इमेरजेंसी सेंटर ने अपनी पोस्ट में इसकी जानकारी दी। इसमें बताया गया कि लूना नाम की 7 महीने के बर्नीज़ माउंटेन कुतिया ने अपने मालिक के एक नहीं बल्कि 24 मोज़े के साथ कुछ और भी चीजें निगल ली थी। इससे उसकी तबियत इतनी ज्यादा खराब हो गई और उसकी जिंदगी बचाने के लिए सर्जरी करनी पड़ी। वेट डॉक्टरों ने तुरंत ही उसका ऑपरेशन किया और उसके पेट से हर वो चीज़ निकाली जो उसने निगली थी। उन्होंने बताया कि इन चीज़ों से लूना के पेट की आंतों चोक हो गई थी और उसकी जान पर बन आई थी।

जेलेंस्की को पहले ही चेताया था- ट्रंप भड़काएंगे फिर भी धैर्य नहीं खोना

वॉशिंगटन, 03 मार्च (एजेंसियां)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात के ठीक पहले यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की को चेताया गया था कि ट्रंप भड़काने की पूरी कोशिश करेंगे लेकिन आपको धैर्य बनाए रखना है। जेलेंस्की ने इस सलाह को नजरअंदाज कर दिया। और इसे हल्के में लिया आज परिणाम सबके सामने है।

अमेरिकी मीडिया के अनुसार, रिपब्लिकन पार्टी की दक्षिण केरोलिना से सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की को ट्रंप से मुलाकात के कुछ घंटे पहले ही सलाह दी थी कि अगर बातचीत के दौरान कोई ऐसा मुद्दा आए, जिसमें उन्हें कुछ आलोचना का सामना करना पड़े तो वे प्रतिक्रिया देने से बचें। मतलब कि अगर उन्हें उकसाया जाए तो वे नाराज न हों और संयम होकर हालात को संभालें। हालांकि सलाह मिलने के बावजूद यूक्रेनी राष्ट्रपति चूक कर गए और जब बैठक में रूस-यूक्रेन युद्धविराम की बात आई तो दोनों तरफ से जमकर जुबानी तीर चले और बातचीत पटरी से उतर गई। इसके बाद जब बैठक शुरू हुई, तो सबकुछ सही चल रहा था और दोनों नेताओं के बीच पूरी विनम्रता से बातचीत हो रही थी। इस बीच उपराष्ट्रपति जेडी वेंस बातचीत में शामिल हुए और उन्होंने यूक्रेनी नेता पर अमेरिका द्वारा की जा रही मदद के प्रति कृतज्ञ न होने का आरोप लगाया और यूक्रेनी कूटनीति पर सवाल उठाए। यहां जेलेंस्की चूक कर गए और उन्होंने पलटकर जेडी वेंस से सवाल किया कि किस तरह की कूटनीति, जेडी जेलेंस्की के इस बयान को वेंस ने सीधी चुनौती के तौर पर लिया और वेंस ने जेलेंस्की पर अमेरिकी राष्ट्रपति का अनादर करने का आरोप लगा दिया। इसके बाद ट्रंप ने भी आक्रामक रुख अख्तियार कर लिया और जेलेंस्की को खूब सुनाया। तनाव तब चरम पर पहुंच गया जब जेलेंस्की ने चेतावनी दी कि रूसी आक्रमण अमेरिका के लिए भी एक दीर्घकालिक खतरा है। जेलेंस्की ने कहा, आपके पास अच्छा समुद्र है और आप अभी खतरा महसूस नहीं करते हैं, लेकिन आप इसे भविष्य में महसूस करेंगे। ट्रंप के लिए इतना ही काफी था और उन्होंने जेलेंस्की पर तीखे जुबानी हमले किए और इसके बाद बैठक को अचानक समाप्त कर दिया।

ऑस्कर अवॉर्ड 2025: अनोरा ने मारी बाज़ी बेस्ट पिक्चर समेत 5 अवॉर्ड जीते

लॉस एंजिलिस। 97वीं ऑस्कर अवॉर्ड सेरेमनी में इस साल का जलवा फिल्म अनोरा के नाम रहा, जिसने बेस्ट पिक्चर समेत कुल 5 अवॉर्ड अपने नाम किए। इस दौरान द ब्रूटलिस्ट भी चर्चा में रही, जिसे 3 अवॉर्ड मिले। बेस्ट एक्टर का खिताब द ब्रूटलिस्ट के लिए एड्रिअन ब्रॉडी ने जीता, जबकि बेस्ट एक्ट्रेस का ऑस्कर अनोरा की मिकी मेडिसन को मिला। ऑस्कर 2025 के कुछ बड़े विजेता:

बेस्ट पिक्चर: अनोरा
बेस्ट डायरेक्टर: अनोरा
बेस्ट एक्टर: एड्रिअन ब्रॉडी (द ब्रूटलिस्ट)
बेस्ट एक्ट्रेस: मिकी मेडिसन (अनोरा)
बेस्ट स्क्रीनप्ले: अनोरा
बेस्ट एडिटिंग: अनोरा

इस साल के ऑस्कर अवॉर्ड्स में अनोरा और द ब्रूटलिस्ट सबसे ज्यादा सुर्खियों में रहीं। अनोरा ने अपने दमदार निर्देशन, कहानी और बेहतरीन परफॉर्मेंस के दम पर सबसे ज्यादा 5 ट्रॉफियां जीतीं। वहीं, द ब्रूटलिस्ट को भी तीन बड़ी कैटेगरी में सराहना मिली। ऑस्कर 2025 की इस रंगारंग रात में सिनेमा के चमकते सितारों ने अपनी चमक बिखेरी और दुनिया भर के सिनेमा प्रेमियों को यादगार पल दिए।

यूरोपीय देश रूस से यूक्रेन की रक्षा करेंगे:कीर स्टार्मर

लंदन, 03 मार्च (एजेंसियां)।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने कल यहां अहम घोषणा की। उन्होंने रूस और यूक्रेन युद्ध पर कहा कि हम इतिहास में चौराहे पर हैं। यूरोपीय देश रूस से यूक्रेन की रक्षा करेंगे। जरूरत पड़ने पर रूस के खिलाफ गठबंधन तैयार किया जाएगा। स्टार्मर ने यह घोषणा लंदन में 18 यूरोपीय नेताओं की बैठक के बाद की। बैठक में यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की ने भी हिस्सा लिया। स्टार्मर ने कहा कि इस मसले पर कई अन्य देशों ने संकेत दिया है कि वह ब्रिटेन और फ्रांस के साथ हैं। कीव और मॉस्को के बीच संघर्ष विराम की स्थिति में यूक्रेन में सेना तैनात कर सकते हैं। उन्होंने यूक्रेन को 5,000 से अधिक वायु रक्षा मिसाइलें खरीदने के लिए ब्रिटिश निर्यात वित्तपोषण में 1.6 बिलियन पाउंड का उपयोग करने की अनुमति देने की योजना की भी घोषणा की।स्टार्मर ने कहा कि उन्होंने शनिवार रात अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से बात की है। उनका मानना है कि संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ आने पर सकारात्मक परिणाम सामने आ सकता सकता है। सीएनएन के अनुसार, लंदन के लैंकेस्टर हाउस में आयोजित शिखर सम्मेलन में कीर स्टार्मर ने कीव और वाशिंगटन के बीच मौजूदा तनाव महाद्वीप के लिए चिंता का विषय है। इसलिए यह अधिक बातचीत का क्षण नहीं है। यह कार्रवाई करने का समय है। उन्होंने कहा कि अमेरिका के ओवल ऑफिस में जेलेंस्की के साथ जो हुआ, उससे मास्को का खुश होना स्वाभाविक है। स्टार्मर ने पत्रकारों से कहा कि वह लड़ाई रोकने की योजना तैयार करने के लिए फ्रांस और कुछ अन्य देशों के साथ काम कर रहे हैं। योजना के अंतिम रूप लेते ही उसे अमेरिका के सामने रखा जाएगा। जेलेंस्की को लंदन यात्रा में खूब महत्व दिया गया है।किंग चार्ल्स ने रविवार को अपने सैंड्रिंघम एस्टेट में जेलेंस्की से मुलाकात की।

जबड़े की सर्जरी के बाद बदली महिला की आवाज, अचानक ब्रिटिश लहजे में करने लगी बात

ऑस्ट्रेलिया की रहने वाली किम हॉल नामक महिला की आवाज जबड़े की सर्जरी के बाद पूरी तरह बदल गई। 57 वर्षीय किम को जब पहली बार उनकी बहन और मां ने सुना, तो वे चौंक गईं क्योंकि उनकी आवाज अब ब्रिटिश लहजे में सुनाई दे रही थी। किम, जो न्यू साउथ वेल्स के गॉलबर्न में पली-बढ़ी थीं, उन्होंने पहले कभी इंग्लैंड की यात्रा भी नहीं की, लेकिन फिर भी उनकी बोलने की शैली पूरी तरह बदल गई।दरअसल किम को निचले जबड़े में स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा (एक प्रकार का कैंसर) था, जिसके इलाज के लिए उन्हें जबड़े की बड़ी सर्जरी करानी पड़ी।

नेतन्याहू ने हमास के खिलाफ लड़ाई में अमेरिकी सहयोग के लिए ट्रंप की प्रशंसा की

तेल अवीव, 03 मार्च (एजेंसियां)।

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गाजा पट्टी में आतंकी समूह हमास के खिलाफ लड़ाई में अमेरिका के सहयोग के लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की प्रशंसा की है। उन्होंने कहा कि ट्रंप दिखावा नहीं करते, वह दोस्ती को निभाते भी हैं। उन्होंने हमास को चेतावनी देते हुए कहा कि इजराइल गाजा में खाद्य आपूर्ति नहीं होने देगा।

प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने एक्स पर अपलोड किए वीडियो संदेश में यह बात कही। उन्होंने इस संदेश में वाशिंगटन की अपनी हालिया यात्रा का भी जिक्र किया और कहा कि डोनाल्ड ट्रंप व्हाइट हाउस में इजराइल के अब तक के सबसे अच्छे दोस्त हैं।

इजराइल गाजा के संदर्भ में उनकी दूरदर्शी योजना का पूरी तरह समर्थन करता है। अमेरिका ने रुकी हुई सैन्य आपूर्ति भेजकर अपना अटूट समर्थन दोहराया है। यही नहीं, इजराइल को ईरान की आतंकी धुरी के खिलाफ काम करने के लिए हर संभव मदद दे रहे हैं।

उन्होंने कहा कि गाजा पट्टी में अस्थायी युद्धविराम को 50 दिनों तक बढ़ाने की योजना है। इस दौरान स्थायी युद्धविराम की शर्तों पर चर्चा की जा सकती है।

इस योजना के तहत हमास को आधे बंधकों को तुरंत रिहा करना होगा। शेष को तब रिहा किया जाए जब हम स्थायी युद्धविराम पर किसी समझौते पर पहुंच जाएं। प्रधानमंत्री ने कहा कि इजराइल को यह योजना मंजूर है पर हमास ने इसे खारिज कर दिया है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि इजराइल ने फिलहाल गाजा में खाद्य आपूर्ति रोकने का फैसला किया है। ऐसा इसलिए किया जा जा रहा है कि हमास इसे जरूरतमंदों तक नहीं जाने देता। वह छीन लेता है।

अगर हमास ने बंधकों को नहीं छोड़ा तो उसे गंभीर नतीजे भुगतने होंगे। नेतन्याहू ने दोहराया कि हमास इजराइल को अकेले न समझे। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ढाल बनकर इजराइल के साथ खड़े हैं।

दुनिया के सबसे अमीर इंसान मस्क 14वें बच्चे के बने पिता, पार्टनर शिवोन जिलिस ने पोस्ट कर दी जानकारी

सैन फ्रांसिस्को, 03 मार्च (एजेंसियां)।

दुनिया के सबसे अमीर इंसान और टेस्ला के मालिक एलन मस्क फिर पिता बन गए हैं। अब उनके 14 बच्चे हो गए हैं। मस्क एक अलग ही किर्तिमान रच रहे हैं। बच्चे के जन्म की जानकारी उनकी पार्टनर ने एक्स पर दी, जिसकी मस्क ने पुष्टी की है। इस बच्चे का नाम उन्होंने सेल्डन लाइकर्गस रखा है।

बता दें कि उनकी पार्टनर शिवोन जिलिस उनकी कंपनी न्यूरालिंक की एक्जीक्यूटिव हैं। इनसे मस्क को पहले से ही तीन बच्चे हैं। जिलिस ने अपनी पोस्ट में लिखा- एलन और मैंने हमारी बेटी के जन्मदिन के मौके पर यह फैसला लिया है कि हम अपने प्यारे और अद्भुत बेटे सेल्डन लाइकर्गस के बारे में भी सभी को बताएं। वह पहलवान जैसा है, और उसका दिल सोने का है। हम उससे बहुत प्यार करते हैं। जिलिस ने यह नहीं बताया कि बच्चे का जन्म कब हुआ था। मस्क ने उनके पोस्ट पर हार्ट की इमोजी बनाकर अपनी प्रतिक्रिया दी है।

बता दें 2021 में यह खबर आई थी कि मस्क और जिलिस जुड़वां बच्चों के माता-पिता बने गए हैं। 2024 में जिलिस ने अपने तीसरे बच्चे को जन्म दिया। जिलिस का यह पोस्ट एक इन्फ्लुएंसर के दावे को मस्क ने अभी तक सार्वजनिक रूप से स्वीकार नहीं किया था। जिलिस का कहना है कि जनवरी 2024 में सेंट बार्थ्स की अपनी यात्रा के दौरान वह और मस्क एक बच्चे को लेकर साथ आए थे। एलन मस्क उसके पिता हैं। मैंने पहले अपने बच्चे की निजता और सुरक्षा के लिए इस बारे में कोई खुलासा नहीं किया था, लेकिन हाल के दिनों में यह स्पष्ट हो गया है।

हाल के वर्षों और खबरों की मानें तो एलन मस्क अलग-अलग महिलाओं से कम से कम 12 बच्चों के पिता बन गए हैं। उनके पहले बच्चे नेवादा अलेक्जेंडर का जन्म 2002 में पूर्व पत्नी जस्टिन विल्सन से हुआ था। लेकिन 10 हफ्ते में ही उसकी मृत्यु हो गई थी।

जस्टिन ने मस्क के पांच और बच्चों को जन्म दिया था। इनमें जुड़वां बच्चे विवियन और ग्रिफिन थे। तीन बच्चे डेमियन, काई और सैक्सन शामिल हैं। उनकी बेटी विवियन ने 2022 में यह कहकर मीडिया में हलचल मचा दी थी कि वह ट्रांसजेंडर है। उसने कानूनी तौर पर अपना नाम बदल लिया था, मस्क का सरनेम भी हटा लिया था। 2018 में मस्क का पॉप स्टार ग्रिम्स के साथ नया चैप्टर शुरू किया। ग्रिम्स से 2020 में उनके बेटे का जन्म हुआ। कपल ने 2021 में एक्सा डार्क सिडेरेल और 2023 में टेक्नो मशीनस नाम के दो और बच्चों को जन्म दिया था।

अस्तित्व के संकट से जूझ रहा है जापान, जन्मदर में जारी गिरावट

टोक्यो। गिरती जन्म दर के कारण जापान आज अस्तित्व के संकट से जूझ रहा है। अपनी उन्नत तकनीक और विज्ञान के लिए दुनियाभर में मशहूर जापार में जन्मदर में लगातार गिरावट देखी जा रही है, जिससे भविष्य में जापान की आबादी विलुप्त होने की कगार पर पहुंच सकती है। हाल ही में जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 2024 में जापान में जन्म लेने वाले बच्चों की संख्या केवल 7,20,988 रही, जो 2023 की तुलना में पांच प्रतिशत कम है। इसके विपरीत, 2024 में देश में 16,18,684 मौतें दर्ज की गईं, जो जन्मदर की तुलना में दोगुनी हैं। जनसंख्या विशेषज्ञों का कहना है कि अगर यही प्रवृत्ति जारी रही, तो 2720 तक जापान में केवल एक बच्चा जन्म लेगा। शोधकर्ताओं ने चेतावनी दी है कि अगर समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो जापान दुनिया का पहला देश बन सकता है, जिसकी आबादी पूरी तरह खत्म हो जाएगी। जापान की जनसंख्या 2008 में अपने चरम पर 12.81 करोड़ थी, लेकिन तब से इसमें लगभग 50 लाख की कमी आ चुकी है। अनुमान है कि 2048 तक जनसंख्या 10 करोड़ से नीचे और 2060 तक 8.7 करोड़ पर आ जाएगी। विशेषज्ञों के अनुसार, जापान में घटती जन्मदर के पीछे कई कारण हैं। इनमें प्रमुख कारण कम होती शादियां, आर्थिक अस्थिरता, महिलाओं की रोजगार स्थिति और समाज में पारंपरिक लिंग भूमिकाएं हैं। जापान में शादी के बिना बच्चों का जन्म बहुत कम होता है, जबकि पुरुषों से उम्मीद की जाती है कि वे आर्थिक रूप से स्थिर हों। कई युवा जापानी नौकरी की अस्थिरता के कारण शादी नहीं कर पा रहे हैं, जिससे जन्मदर प्रभावित हो रही है।

आईआरसीटीसी, आईआरएफसी को मिला नवरत्न का दर्जा, रेल मंत्री ने दी बधाई

रेलवे की सभी सूचीबद्ध सार्वजनिक उपक्रमों को 2014 के बाद नवरत्न का दर्जा मिला

नई दिल्ली/हैदराबाद, 03 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत सरकार ने कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन (आईआरसीटीसी,) एवं इंडियन रेलवे फाइनेंस कॉर्पोरेशन (आईआरएफसी) को नवरत्न कंपनियों के रूप में अपग्रेड करने की मंजूरी दी है। आईआरसीटीसी, भारत की 25वीं और आईआरएफसी 26वीं नवरत्न कंपनी बनी है। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आईआरसीटीसी, और आईआरएफसी की टीम को नवरत्न का दर्जा मिलने पर बधाई दी। रेल मंत्री ने कहा, हम यह साझा करते हुए प्रसन्नता महसूस कर रहे हैं कि 2014 के बाद रेलवे के सभी 7 सूचीबद्ध पीएसयू को नवरत्न का दर्जा प्राप्त हुआ है। जिसके अंतर्गत कॉनकोर को जुलाई 2014 में, रेल विकास निगम लिमिटेड को मई 2023, इरकॉन व आरआईटीईएस को अक्टूबर 2023 में, रेलटेल को अगस्त 2024 और अब आईआरसीटीसी और आईआरएफसी को यह दर्जा मिला है। रेल मंत्री ने इसे एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया और कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रेलवे क्षेत्र में परिवर्तन के प्रति केंद्रित दृष्टिकोण को दर्शाता है। उन्होंने इस अवसर पर वित्त मंत्री का भी आभार व्यक्त किया।आईआरसीटीसी, रेल मंत्रालय के तहत एक केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम (सीपीएसई) है, जिसकी वार्षिक आय 4,270.18 करोड़, शुद्ध लाभ (पीएटी) 1,111.26 करोड़, और नेट वर्थ 3,229.97 करोड़ वित्त वर्ष 2023-24 है। आईआरएफसी भी रेलवे मंत्रालय का एक केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम (सीपीएसई) है जिसका वार्षिक कारोबार 26,644 करोड़ है, शुद्ध लाभ (पीएटी) 6,412 करोड़ है एवं वित्त वर्ष 2023-24 के लिए इसकी नेट

वर्थ 49,178 करोड़ है।नवरत्न का दर्जा मिलना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, क्योंकि आईआरसीटीसी, वर्ष 2025 में खानपान, पर्यटन और ऑनलाइन टिकटिंग सेवाओं में उत्कृष्टता के 25 वर्षों का जश्न मना रहा है। यह विगत कुछ वर्षों में आतिथ्य, यात्रा और पर्यटन क्षेत्र में निगम की परिचालन उत्कृष्टता का प्रमाण है।नवरत्न सार्वजनिक उपक्रम वैश्विक प्रतिस्पर्धी बाजार में भारत की स्थिति को बढ़ाने के माध्यम से आर्थिक विकास को बढ़ावा देकर राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह उपलब्धि आईआरसीटीसी, को यात्रा, पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्रों में अपने कार्यों के विस्तार करने और अपनी सेवा उपलब्धियों को बढ़ाने में सहायक है।रेल मंत्रालय के तहत एक प्रमुख वित्तीय संस्थान, भारतीय रेलवे वित्त निगम (आईआरएफसी) को भारत सरकार द्वारा प्रतिष्ठित नवरत्न का दर्जा दिया गया है। यह मान्यता भारत के रेलवे बुनियादी ढांचे का समर्थन करने वाले केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों (उझडए) में से एक के रूप में आईआरएफसी की यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।12 दिसंबर, 1986 को 100% सरकारी स्वामित्व वाली इकाई के रूप में स्थापित आईआरएफसी भारतीय रेल के विस्तार और आधुनिकीकरण के वित्तपोषण में सहायक रहा है। 31 मार्च, 2024 तक 26,600 करोड़ रुपये से अधिक के राजस्व और 6,400 करोड़ रुपये से अधिक के कर भुगतान पश्चात लाभ के साथ, आईआरएफसी अब भारत में तीसरी सबसे बड़ी सरकारी छत्रऊ बन गई है।नवरत्न दर्जा मिलने के लाभ: नवरत्न दर्जा मिलने से सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को कई लाभ मिलते हैं, जैसे: वित्तीय स्वायत्तता- वे संयुक्त उद्यम, सहायक कंपनियाँ बना सकते हैं और प्रत्यक्ष सरकारी हस्तक्षेप की आवश्यकता के बिना विलय या अधिग्रहण कर सकते हैं।परिचालन स्वतंत्रता- वे स्वतंत्र व्यवसाय और निवेश निर्णय ले सकते हैं, जिससे वे निजी क्षेत्र की कंपनियों के साथ प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं। उनके पास मानव संसाधन प्रबंधन में अधिक आसान हो जाता है, जिसमें बाजार के अनुसार संबद्ध वेतन पर पेशेवरों को काम पर रखना शामिल है।

वे अंतरराष्ट्रीय बाजारों में प्रवेश कर सकते हैं, रणनीतिक गठबंधन बना सकते हैं और सख्त नौकरशाही बाधाओं के बिना वैश्विक स्तर पर विस्तार कर सकते हैं।

नवरत्न कंपनियों को वित्तीय रूप से स्थिर माना जाता है और वे निवेशकों का अधिक विश्वास आकर्षित करती हैं। उनका मजबूत वित्तीय प्रदर्शन उन्हें शेयरधारकों के लिए बेहतर रिटर्न प्राप्त करने में सक्षम बनाता है।

गर्मी के मौसम को देखते हुए जल व्यवस्था और अग्नि सुरक्षा सावधानियाँ सुनिश्चित करें : अरुण कुमार जैन

हैदराबाद, 03 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने सोमवार दि. 03 मार्च को रेल निलयम, सिकंदराबाद में आगामी गर्मी के मौसम और ट्रेन परिचालन की सुरक्षा के मद्देनजर किए जाने वाले उपायों पर विस्तृत बैठक की।

बैठक में एससीआर के अतिरिक्त महाप्रबंधक नीरज अग्रवाल ने प्रमुख विभागाध्यक्षों के साथ भाग लिया। सभी छह मंडलों अर्थात विजयवाड़ा, गुंतकल, गुंटूर, सिकंदराबाद, हैदराबाद और नांदेड़ मंडलों के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से समीक्षा बैठक में शामिल हुए। अरुण कुमार जैन ने सभी मंडलों को गर्मी के मौसम शुरू होने से पहले स्टेशनों, ट्रेनों, रेलवे कॉलोनियों आदि में पर्याप्त जल व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक उपाय करने की सलाह दी। उन्होंने गर्मी के दौरान रेलवे परिसर में किसी भी आग की घटना को रोकने के लिए अग्नि सुरक्षा ऑडिट, उपकरणों के रखरखाव आदि सहित सभी अग्नि सुरक्षा सावधानियों का पालन करने का भी निर्देश दिया।

उन्होंने स्टेशनों और ट्रेनों में एसी और वाटर कूलर के रखरखाव की समीक्षा करने की सलाह दी, उन्होंने कहा कि किसी भी तरह की खराबी पाए जाने पर उसे बिना देरी किए तुरंत ठीक किया जाना चाहिए। महाप्रबंधक ने ट्रेन परिचालन के सुचारू संचालन पर भी विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सुरक्षा, समय की पाबंदी और लोडिंग भारतीय रेलवे के तीन सबसे महत्वपूर्ण पैरामीटर हैं और इन्हें बनाए रखने के लिए सभी उचित प्रयास किए जाने चाहिए। उन्होंने डिवीजनों को कुछ ट्रेनों में देरी की जांच करने और उन्हें सुधारने का निर्देश दिया ताकि ट्रेन संचालन की समय की पाबंदी में और सुधार हो सके। महाप्रबंधक ने पूरे जोन में चलाए जा रहे विभिन्न सुरक्षा अभियानों की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को सभी दिशा-निर्देशों का पालन करने और ट्रेनों के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए सभी सुरक्षा उपायों का सख्ती से पालन करने की सलाह दी। उन्होंने अधिकारियों को बताया कि वे अप्रिय घटनाओं या असुरक्षित स्थितियों को रोकने के लिए ऑन-फील्ड कर्मचारियों को शिक्षित करने के लिए नियमित सुरक्षा अभियान चलाते रहें।

कविता ने कांग्रेस सरकार से महिलाओं के लिए 2,500 रुपए योजना को पूरा करने की मांग की

हैदराबाद, 03 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। बीआरएस नेता के कविता ने कांग्रेस के नेतृत्व वाली तेलंगाना सरकार से राज्य की हर महिला को 2,500 रुपये देने का वादा पूरा करने का आग्रह किया है। उन्होंने मांग

की है कि यह योजना 8 मार्च से लागू की जाए , जो अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर है ।

उन्होंने कहा कि तेलंगाना जागृति मांग करती है कि कांग्रेस सरकार राज्य की हर महिला को 2,500 रुपये देने का अपना वादा पूरा करे। इस योजना को तुरंत लागू करने की मांग कर रहे हैं। हम मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को पोस्टकार्ड भेज रहे हैं, जिसमें उनसे 8 मार्च से इस योजना को शुरू करने का अनुरोध किया गया है , कविता ने कई महिलाओं के साथ विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व करते हुए कहा।कविता ने आगे कहा कि 10,000 पार्टी कार्यकर्ता तेलंगाना के गांवों में जाकर कांग्रेस सांसद सोनिया गांधी को पोस्टकार्ड भेजेंगे और उन्हें पार्टी के चुनावी वादे की याद दिलाएंगे।

उन्होंने कहा, लोगों ने कांग्रेस पर विश्वास किया और उन्हें वोट दिया, अब यह उनकी जिम्मेदारी है कि वे अपने वादों को पूरा करें।बीआरएस नेता ने राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति को लेकर तेलंगाना सरकार पर भी कटाक्ष किया । अपराध में वृद्धि पर प्रकाश डालते हुए कविता ने कहा, तेलंगाना में अपराध दर में 20% की वृद्धि हुई है। राज्य सरकार हमारी सुरक्षा और आजीविका के मुद्दों पर ध्यान नहीं दे रही है।

बड़े विरोध प्रदर्शन की चेतावनी देते हुए कविता ने कहा कि अगर सरकार कार्रवाई करने में विफल रहती है तो बीआरएस सोनिया गांधी के निवास 10 जनपथ पर लाखों पोस्टकार्ड भेजेगी। के. कविता ने हाल ही में श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल (एसएलबीसी) सुरंग ढहने की घटना में राज्य सरकार के बचाव कार्यों की भी आलोचना की , जहां कई श्रमिक अभी भी फंसे हुए हैं।कविता ने एएनआई से कहा, यह एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना है, जहां विभिन्न राज्यों के मजदूर कई दिनों से फंसे हुए हैं। बचाव अभियान बेहतर समन्वय के साथ चलाया जाना चाहिए था। मुझे लगता है कि राज्य सरकार ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास नहीं किया।

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 88,090/- (प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 97,800/- (प्रति किलोग्राम)

शेयर मार्केट

बीएसई : 73,085.94
-112.16 -0.15% ↓
एनएसई :22,119.30
-5.40 (-0.02%) ↓

तेलंगाना में भीषण गर्मी की आशंका!

सामान्य से अधिक तापमान की उम्मीद

हैदराबाद, 03 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना में भीषण गर्मी पड़ने वाली है, तथा भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मार्च से मई तक सामान्य से अधिक अधिकतम तापमान रहने का अनुमान जताया है। इस मौसमी पूर्वानुमान से पता चलता है कि तेलंगाना सहित मध्य और दक्षिण भारत के अधिकांश भाग में तापमान में उल्लेखनीय वृद्धि होगी, जिससे संभावित रूप से भीषण गर्मी की लहरें उठेंगी।

गर्मियों की आधिकारिक शुरुआत के साथ ही तेलंगाना में तापमान में वृद्धि जारी है। तेलंगाना विकास योजना सोसाइटी के अनुसार, निज़ामाबाद जिले के येरगटला में रविवार, 2 मार्च को राज्य में सबसे अधिक तापमान दर्ज किया गया, जो 38.3 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया । इसके अलावा, 33 में से 14 जिलों में तापमान 38 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक दर्ज किया गया है , जो हीटवेव की तीव्रता को दर्शाता है।इसके विपरीत, यदाद्री भुवनगिरि जिले के बोम्मालारामम में सबसे कम अधिकतम तापमान

35.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया । हैदराबाद के बहादुरपुरा में अधिकतम तापमान 36.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया , जबकि मेडचल-मलकजगिरी जिले के कुकटपल्ली में 36.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया । रंगारेड्डी जिले के मोइनाबाद में भी अधिकतम तापमान 36.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया ।आईएमडी ने चेतावनी दी है कि सामान्य से अधिक तापमान के कारण लंबे समय तक लू चल सकती है , जिससे जन स्वास्थ्य, कृषि और जल संसाधनों पर दबाव बढ़ सकता है। हालांकि पूर्वानुमान के अनुसार मार्च में सामान्य से अधिक बारिश होगी , लेकिन इससे बढ़ते तापमान से स्थायी राहत मिलने की संभावना नहीं है।बढ़ते तापमान के साथ, कृषि, जल की कमी और सार्वजनिक स्वास्थ्य को लेकर चिंताएँ पैदा होती हैं ।

अत्यधिक गर्मी के कारण किसानों को फसल की पैदावार में चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, जबकि निवासियों को निर्जलीकरण और हीटस्ट्रोक जैसी गर्मी से संबंधित बीमारियों के प्रति सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है।

साइबराबाद पुलिस ने लाउडस्पीकर लाइसेंस प्रक्रिया को ऑनलाइन किया

हैदराबाद, 03 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। साइबराबाद पुलिस आयुक्तालय ने सोमवार, 3 मार्च को घोषणा की कि लाउडस्पीकर उपयोग और आपूर्ति लाइसेंस के लिए आवेदन अब ऑनलाइन संसाधित किए जाएंगे।

यह कदम तत्काल प्रभाव से हैदराबाद सिटी लाउडस्पीकर्स (उपयोग और लाइसेंसिंग का विनियमन) नियम, 1963 के अनुसार है। लाउडस्पीकरों के उपयोग या आपूर्ति की अनुमति चाहने वाले आवेदकों को साइबराबाद पुलिस की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से अपना अनुरोध प्रस्तुत करना होगा ।

इससे पहले, लाउडस्पीकर के उपयोग की अनुमति चाहने वाले आवेदकों को ई-सेवा केंद्रों के माध्यम से ऑफ़लाइन प्रक्रिया का पालन करना पड़ता था। उन्हें निकटतम ई-सेवा केंद्र से एक आवेदन पत्र प्राप्त करना पड़ता था, प्रतिदिन 100 का शुल्क देना पड़ता था, और उपयोग के उद्देश्य, आवश्यक दिनों की संख्या और शुरू से अंत तक की तिथियों जैसे विवरण भरने पड़ते थे।

इसके अतिरिक्त, उन्हें स्थापित किए जाने वाले बॉक्स-प्रकार के स्पीकरों की संख्या निर्दिष्ट करनी पड़ती थी और यदि लागू हो तो स्थल अनुमति पत्र और आमंत्रण कार्ड जैसे सहायक दस्तावेज़ जमा करने पड़ते थे। फिर पूरा आवेदन ई-सेवा में जमा किया जाता था, और संबंधित एसीपी द्वारा सात दिनों के भीतर अनुमति प्रदान की जाती थी।

फिरोज खान की यलगार के लिए तीनों खान हुए थे रिजेक्ट

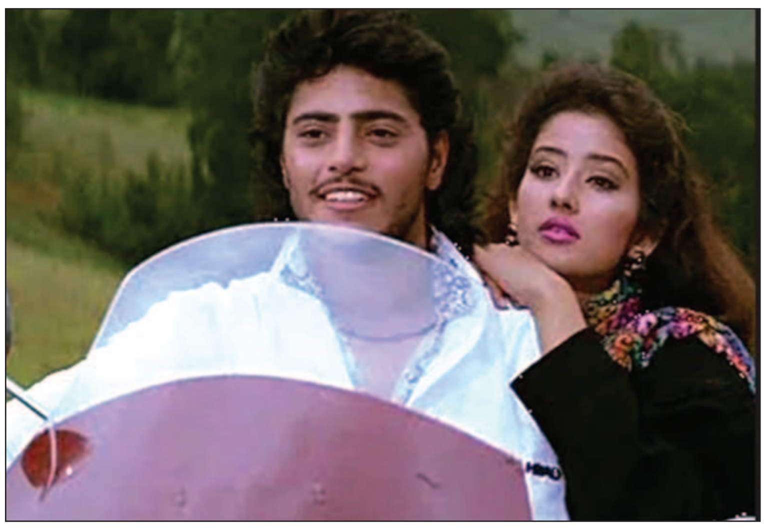

विक्की अरोड़ा को मिला था संजय दत्त से भी बड़ा रोल

सिनेमा की दुनिया में कुछ स्टार्स ऐसे भी हैं, जिन्हें उनकी डेब्यू फिल्म और एक ना एक हिट सॉन्ग से आज भी जाना जाता है, लेकिन इन स्टार्स को उनके नाम से आज भी बहुत कम लोग जानते हैं। जैसे कि फिल्म 'ये दिल आशिकाना' की लीड स्टार कास्ट को ही ले लीजिए। इस फिल्म के गाने आज भी हिट हैं, लेकिन इस फिल्म के हीरो-हीरोइन के नाम आज भी कम लोगों को ही मालूम होंगे। ऐसे ही एक गुमनाम स्टार हैं विक्की अरोड़ा। इस एक्टर को फिल्म यलगार के एक गाने से ऐसे पहचान मिली कि लोग आज भी इसको नहीं भूले हैं। वो गाना था 'हो जाता है कैसे प्यार', जिसमें विक्की के साथ मनीषा को-इराला नजर आई थीं।

कैसे मिला फिल्मों में मौका?

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो, मुंबई में जन्में विक्की अरोड़ा की पढ़ाई भी मायानगरी में हुई थी। विक्की दिखने में हैंडसम थे, तो कॉलेज के दिनों से ही मॉडलिंग शुरू कर दी थी। मॉडलिंग के दिनों में उन्हें कई नामी-गिरामी ब्रांड के असाइनमेंट भी मिले थे। गौरतलब है कि विक्की अरोड़ा उस कॉलेज में पढ़ते थे, जिसमें एक्टर फरदीन खान की बहन लैला खान भी थीं। विक्की और लैला एक ही क्लास में थे। उन दिनों फिरोज खान फिल्म यलगार कर रहे थे और उन्हें एक हैंडसम लुक बॉय की तलाश थी। फिल्म यलगार के लिए फिरोज ने शाहरुख, सलमान और आमिर खान से भी बात की थी, लेकिन कोई बात नहीं बनी। फिर लैला खान ने अपने पिता को विक्की अरोड़ा के बारे में बताया। विक्की को देख फिरोज ने फिल्म में संजय दत्त से बड़ा रोल उन्हें ऑफर कर दिया।

अब कहां हैं विक्की अरोड़ा?

फिल्म यलगार में विक्की की एक्टिंग फिरोज को पसंद नहीं आई। विक्की अपनी पतली आवाज के चलते भी आलोचनाओं का शिकार हुए। बावजूद इसके प्रोड्यूसर्स उन्हें फिल्म में कास्ट करना चाहते थे, लेकिन फिरोज खान संग कॉन्ट्रैक्ट की वजह से विक्की दूसरों के साथ काम नहीं कर सकते थे। फिर फिरोज खान से भी उनकी बात बिगड़ गई। ऐसे में विक्की बॉलीवुड से अचानक गायब हो गये। अब विक्की अरोड़ा बॉलीवुड से दूर गुमनामी की जिंदगी जी रहे हैं। विक्की अरोड़ा के फिल्म इंडस्ट्री से अचानक गायब होने की कई वजह सामने आईं।

अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह ने अपने पिता को खास अंदाज में जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं

अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह ने अपने पिता कुलविंदर सिंह को खास अंदाज में जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर करते हुए खास पलों की झलक दिखाई है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर प्यारा वीडियो शेयर किया जिसमें उन्होंने अपने बचपन से लेकर अपने पिता के साथ बिताए खास पलों को दिखाया। वीडियो में कुछ बचपन की तस्वीरें भी हैं। एक में वह अपने पिता की गोद में हैं। एक तस्वीर में उनके पिता भारतीय सेना की वर्दी में अपने स्कूटर पर बैठे दिखाई दे रहे हैं, जो 1990 के दशक में मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए पसंदीदा वाहन था।

अभिनेत्री ने कैप्शन में एक नोट भी लिखा, मेरे पहले कदम से लेकर मील के पत्थर तक, आप मेरे लिए चट्टान की तरह खड़े रहे हैं। मेरे सबसे बड़े समर्थक होने से लेकर जब मैं गलत होती हूं तो मुझे सही करने से लेकर मुझे जीवन में मूल्य सिखाने तक, आप मेरे सबसे बड़े चीयरलीडर हैं। चाहे कितना भी समय बीत जाए, मैं हमेशा आपकी छोटी सी बच्ची रहूंगी। जन्मदिन मुबारक हो पापा। उन्होंने लिखा, मैं आपसे बहुत बहुत प्यार करती हूं।।आपका साल बेहतरीन हो, आपकी सेहत अच्छी हो और आप जिम में प्लैंक और पंजा में सभी को मात देते रहें, साथ ही आज आपको केक खाने की इजाजत है।

रकुल प्रीत का इंस्टाग्राम उनकी एक से बढ़कर एक पोस्ट से भरा पड़ा है। बात परिवार पर प्रेम लुटाने से संबंधित पोस्ट की हो तो वह पीछे नहीं हटती हैं। इससे पहले रकुल ने एक पोस्ट शेयर कर बताया था कि उनके पति जैकी भगनानी ने उन्हें गुलाबी लिली का बुके भेंट किया। रकुल ने प्रशंसकों के साथ अपनी खुशी साझा करने के लिए इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन का सहारा लिया जिसमें वह गुलाबी लिली थामे कैमरे की ओर देखकर मुस्कुराती नजर आईं।

तस्वीर को शेयर करते हुए अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, जब पति फूल लेकर आते हैं। जैकी भगनानी, मैं तुमसे बहुत प्यार करती हूं। पिछले साल शादी के बंधन में बंधे रकुल और जैकी ने वैवाहिक जीवन के एक साल पूरे होने का 21 फरवरी को जश्न मनाया। शादी की पहली सालगिरह मनाते हुए, उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो मोंटाज शेयर किया, जिसमें उन्होंने साथ बिताए अपने अनमोल पलों को कैद किया।

वर्कफ्रंट की बात करें तो रकुल प्रीत अपनी हालिया रिलीज 'मेरे हसबैंड की बीवी' में अर्जुन कपूर और भूमि पेडनेकर के साथ नजर आईं।

रकुल जल्द ही 'दे दे प्यार दे 2' में 'आयशा खुराना' की अपनी पुरानी भूमिका में नजर आएंगी। वहीं, अजय देवगन एक बार फिर 'आशीष मेहरा' की भूमिका में नजर आएंगे। इसके अलावा फिल्म में अभिनेता आर। माधवन भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। अंशुल शर्मा के निर्देशन में बनी फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' में रकुल प्रीत सिंह, अजय देवगन, आर। माधवन के साथ अभिनेत्री तब्बू, जिमी शेरगिल, आलोक नाथ और इनायत सूद भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। जानकारी के अनुसार, फिल्म में तमन्ना भाटिया और प्रकाश राज भी कैमियो करते नजर आएंगे। 'दे दे प्यार दे 2' की रिलीज डेट आउट हो चुकी है। यह इस साल 14 नवंबर को रिलीज होगी।

अविका गौर बनेगी एकता कपूर की नई नागिन!

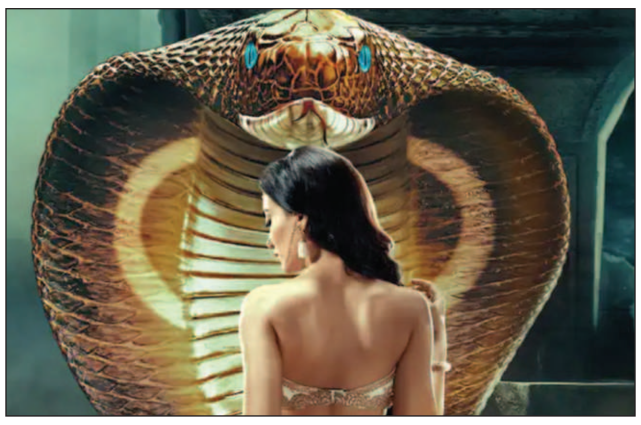

नागिन हमेशा से सबसे ज्यादा देखे जाने वाले टीवी सीरियल में से एक रहा है। इस शो की बहुत बड़ी फैन फॉलोइंग है। इसके 6 सीजन आ चुके हैं और सभी को पसंद किया गया है। हालांकि हाल ही में एकता कपूर ने नागिन 7 की अनाउंसमेंट करके सभी को हैरान कर दिया। जी हां एकता ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर शो को छोटे पर्दे पर वापस लाने के लिए काम करने वाली टीम के साथ अपनी एक मीटिंग का वीडियो शेयर किया। वीडियो में उन्हें यह कहते हुए सुना जा सकता है, 'कोई भी जानना चाहता है कि नागिन कहां है? तो यह लड़की हमें बताएगी कि नागिन कहां है।' इस वीडियो ने फैन्स के बीच एक्साइटमेंट का लेवल बढ़ा दिया है। वे सभी बेसब्री से यह जानने का इंतजार कर रहे हैं कि नई नागिन कौन होगी।कई रिपोर्ट्स में कहा गया था कि प्रियंका चाहर चौधरी सीजन 7 में लीड रोल निभाएंगी। हालांकि एक्ट्रेस ने हाल ही में इन अफवाहों पर ब्रेक लगा दिया। उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक नोट शेयर किया जिसमें लिखा था, अफवाहें? ओह, मैंने उन्हें देखा है। एक्साइटेड? झूठ नहीं बोलूंगी, मैंने इसको इंजॉय लिया! लेकिन चलो इसे रियल रखें, मैं शो का हिस्सा नहीं। अब जब हवा थी साफ हो गई है तो और भी रोमांचक चीजों की ओर बढ़ने का समय आ गया है!

इसके बाद यह बताया जा रहा था कि ईशा मालवीय शो में नागिन का किरदार निभाएंगी। उन्होंने अभी तक इन खबरों पर कोई रिएक्शन नहीं दिया है। हालांकि उनके बारे में भी कोई ऑफीशियल कन्फर्मेशन नहीं हुई है। विवियन डीसेना के शो में नाग के रोल में शामिल होने की खबरें भी वायरल हुईं।

अब ईटाइम्स की ताजा रिपोर्ट्स में कहा गया है कि बालिका वधू स्टार अविका गौर को नागिन 7 में लीड रोल निभाने के लिए कॉन्टैक्ट किया गया है। बताया जा रहा है कि उन्हें फाइनल भी कर लिया गया है। हालांकि हमें अभी भी ऑफीशियल कन्फर्मेशन का इंतजार है।बालिका वधू में आनंदी के किरदार में अपनी परफॉर्मेंस से अविका गौर ने सभी को इंप्रेस किया। इसके बाद उन्होंने ससुराल सिमर का, लाडो-वीरपुर की मर्दानी और कई दूसरे टीवी शो किए। फिलहाल वह बॉलीवुड और साउथ की फिल्मों में भी काम कर रही हैं। अगर वह नागिन में शामिल होती हैं तो यह टीवी पर उनकी वापसी होगी।

फिल्म कसूर की अभिनेत्री लीसा ने अपने ग्लैमरस लुक्स से किया घायल

46 की उम्र में बनी थी मां, कैंसर को दे चुकी है मात

बॉलीवुड में फिल्म कसूर (2001) से एंट्री करने वाली कनाडियन एक्ट्रेस लीसा रे अपनी खूबसूरती और इंटीमेट सीन के लिए खूब चर्चा में रही थीं। लीसा रे अब सोशल मीडिया पर एक्टिव हैं और अपनी तस्वीरों से फैंस का ध्यान खुद की ओर खींचती हैं। लीसा रे ने 16 साल की उम्र में ही मॉडलिंग शुरू कर दी थी और उसके बाद फिल्म इंडस्ट्री का रुख किया था। लीसा रे आज भी अभिनय की दुनिया में एक्टिव रहना चाहती हैं। इसी के साथ लीसा रे का लुक भी पहले से बहुत बदल चुका है, लेकिन उनकी खूबसूरती आज भी बरकरार है।

लीसा रे को पिछली बार साल 2019 में फिल्म 99 सॉन्ग में देखा गया था और सीरीज फॉर मोर शॉट्स प्लीज (2019-2022) में नजर आई थीं। बीते 3 साल से वह सिनेमा से दूर हैं। लीसा रे की खास फिल्मों में वाटर और वीरप्पन भी शामिल हैं। लीसा ने तमिल और कन्नड़ सिनेमा में भी काम किया है। फिल्म कसूर में वह आफताब शिवदसानी के साथ नजर आई थी और इस फिल्म के गाने आज भी लोग सुनते हैं। बता दें, साल 2009 में एक्ट्रेस को मल्टीपल मायलोमा नाम का ब्लड कैंसर हो गया था। साल 2010 में स्टेम सेल ट्रांसप्लांट कराकर कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी को मात दी थी।

कैंसर से जंग जीतने के चार साल बाद एक्ट्रेस ने दोबारा फिल्मों में कदम रखा और फिल्म इश्क फॉरएवर से वापसी की। इसके बाद वह साउथ सिनेमा में भी नजर आईं। लीसा रे ने कैंसर से जंग जीतने के अगले साल (2012) में ही जेस देहनी से शादी रचाई थी। लीसा ने साल 2018 में जुड़वा बेटियों को जन्म दिया । लीसा की बेटियों के नाम सूफी और सोलेल है। लीसा रे भले ही फिल्मों से दूर हैं, लेकिन सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं और अपनी बेटियों के साथ तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। लीसा को इंस्टाग्राम पर 2 लाख से ज्यादा फैंस फॉलो करते हैं। लीसा रे के बायो में अवार्ड विनिंग एक्टर, कैंसर एक्टिविस्ट और ऑथर लिखा हुआ है।

आश्रम की पम्मी सिर्फ पर्दे पर नहीं, असल जिंदगी में भी दमदार खिलाड़ी!

बॉबी देओल स्टारर आश्रम सीरीज का जिक्र ओटीटी लवर्स के बीच हमेशा चलता है। हाल ही में वेब सीरीज के तीसरे सीजन का दूसरा पार्ट आया है। इसमें देखने को मिला कि पम्मी पहलवान ने बाबा निराला से अपना बदला पूरा कर लिया। इसके लिए उन्होंने अपना तरीका जरूर बदला, लेकिन इरादा नहीं। आश्रम के वफादार भोपा स्वामी से पंगा लेना बॉबी देओल के किरदार को भारी पड़ गया। कुल मिलाकर सीरीज को लोगों से भरपूर प्यार मिल रहा है।

आश्रम 3 के पार्ट 2 में पम्मी के किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस अदिति पोहनकर की चर्चा सबसे ज्यादा चल रही है। प्रकाश झा की निर्देशित सीरीज में उन्होंने एक पहलवान का किरदार निभाया है। शायद आपको हैरानी होगी, लेकिन असल जिंदगी में भी अदिति का खेल की दुनिया से खासा लगाव रहा है। आइए इसके बारे में विस्तार से जानते हैं।

आश्रम से मिली अदिति पोहनकर को पॉपुलैरिटी

अभिनेत्री अदिति आश्रम से पहले भी कई प्रोजेक्ट में काम कर चुकी हैं, लेकिन उन्हें पॉपुलैरिटी बॉबी देओल के साथ काम करने से मिली। अदिति एक्टिंग दुनिया में सक्रिय जरूर हैं। हालांकि, असल जिंदगी में उन्हें स्पोर्ट्स का काफी शौक है और वह खिलाड़ी भी रही हैं। वेब सीरीज के पहले सीजन से ही पम्मी के किरदार को लोगों ने पसंद किया है और हालिया पार्ट के बाद, तो उनकी बदले की आग ने आश्रम की गद्दी हिला दी।

महाराष्ट्र को रिप्रेजेंट करती थीं एक्ट्रेस

स्कूल लाइफ में अदिति पोहनकर रेस में हिस्सा लेती थीं। उन्होंने अनेक प्रतियोगिताओं में 100 और 200 मीटर की दौड़ में मेडल जीते हैं। इतना ही नहीं, वह महाराष्ट्र को भी रिप्रेजेंट करती थीं। उन्हें अपने माता-पिता से स्पोर्ट्स में हिस्सा लेने की प्रेरणा मिली थी।

अदिति के पिता सुधीर पोहनकर और माता शोभा पोहनकर, दोनों ही एथलीट रहे हैं। यही कारण है कि उनका झुकाव भी खेलों के प्रति ज्यादा रहा है। खैर, उन्होंने अपना करियर बनाने के लिए एक्टिंग को चुना और आश्रम से पहले उन्होंने रितेश देशमुख की मराठी फिल्म लय भारी में काम किया था। रियल लाइफ में अपनी खूबसूरती और बोल्ड लुक के लिए भी एक्ट्रेस चर्चा में रहती हैं। आश्रम के लेटेस्ट पार्ट में भी उनके कई इंटीमेट सीन्स दिए हैं, जिन्हें देखकर उनके फैंस को थोड़ी हैरानी भी हुई है।

बिग बॉस 18 के बाद ईशा सिंह के लिए घर में सेटल होना बना चुनौती, नहाने के बाद भी ढूंढती थीं माइक

सलमान खान के पॉपुलर रियलिटी शो बिग बॉस में नजर आने के बाद कंटेस्टेंट्स की पॉपुलैरिटी बढ़ जाती है। हाल ही में बिग बॉस 18 का सीजन खत्म हुआ है, लेकिन इसका जिक्र अभी तक चल रहा है। करणवीर मेहरा ने सीजन 18 की ट्रॉफी अपने नाम की, जिसके ऊपर भी खासा विवाद देखने को मिला। इसके अलावा, बीबी हाउस के कंटेस्टेंट लगातार अपने अनुभव शेयर कर रहे हैं। अब ईशा सिंह ने मशहूर रियलिटी शो से जुड़ी अपनी कुछ यादें शेयर की हैं।

ईशा सिंह को घर के अंदर चुगली आंटी भी कहा जाता था। शो के अंदर अविनाश मिश्रा के साथ उनका नाम खूब जोड़कर देखा गया, लेकिन फिर घर के बाहर उनके एक करीबी दोस्त शालीन भनोट के साथ उनका नाम जुड़ गया। हालांकि, बाद में शालीन ने खुद वीडियो शेयर कर सफाई दी थी। हाल ही में टीवी एक्ट्रेस ईशा कॉमेडियन भारती सिंह के पॉडकास्ट पर नजर आईं। इस दौरान उन्होंने बिग बॉस से जुड़ी अपनी कुछ आदतों का जिक्र किया, जिसमें से उनके कुछ खुलासे सोशल मीडिया पर भी चर्चा में आ गए हैं।सलमान खान के पॉपुलर रियलिटी शो का हिस्सा बनने के बाद अपने ही घर में ईशा सिंह का एडजस्ट होना मुश्किल हो गया था। बीबी हाउस से बाहर आने के बाद उन्होंने सेटल होने में कई तरह की परेशानियों का सामना किया। इसके बारे में उन्होंने भारती और हर्ष को बताया कि जब वह घर से बाहर आई थीं, तो उन्हें गाड़ी में बैठने पर मोशन सिकनेस होती थी। इतना ही नहीं, एक्ट्रेस बातें करते हुए अचानक ख्यालों में खो जाती थीं।

ईशा सिंह ने एक मजेदार किस्सा शेयर करते हुए बताया कि वह नहाने के बाद घर में माइक ढूंढती थीं। जब एक्ट्रेस की मां ने उन्हें ऐसा करते हुए देखा, तो वह हैरान रह गईं। बता दें कि बिग बॉस के घर में माइक पहनना अनिवार्य था। अगर कोई कंटेस्टेंट बिना माइक पहने बात करता था, तो उसे नियमों का उल्लंघन माना जाता था और बिग बॉस तुरंत उस कंटेस्टेंट को टोकते थे।टीवी एक्ट्रेस ईशा ने इस बात का भी खुलासा भारती सिंह से बातचीत करते हुए किया है कि उन्हें घर के अंदर आवाजें सुनाई देती थीं। एक्ट्रेस का कहना है कि वह सुबह रोजाना उठकर ध्यान लगाती थीं, तो उन्हें महसूस होता था कि जेल के पास कोई खड़ा होकर उनकी आवाज सुन रहा है। एक्ट्रेस का अनुभव सुनकर भारती ने रिएक्शन दिया कि उन्हें इस बारे में पहले भी कई लोग बता चुके हैं।

महाकुंभ में कटरीना का स्नान वीडियो बनाने वाले शख्स पर भड़कीं रवीना टंडन

इस साल महाकुंभ में स्नान करने बड़े-बड़े सितारे आए। अक्षय कुमार से लेकर तमन्ना भाटिया और राजकुमार राव समेत कई बॉलीवुड स्टार्स ने संगम में आस्था की डुबकी लगाई। छावा के प्रमोशन में व्यस्त विक्की कौशल को छोड़कर कटरीना कैफ भी अपनी सासू मां के साथ महाकुंभ गईं और संगम में स्नान किया।

कटरीना कैफ के महाकुंभ से तस्वीरें और वीडियोज सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुए। कुछ लोगों ने एक्ट्रेस की सास के साथ महाकुंभ यात्रा की तारीफ की, वहीं एक वीडियो में उन्हें फोटोग्राफर्स और फैंस से घिरा हुआ देखा गया। हाल ही में, सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया जिसमें दो शख्स कटरीना का स्नान करते हुए वीडियो बना रहे हैं। इस वीडियो की खूब आलोचना हो रही है। यहां तक कि, रवीना टंडन भी अपना गुस्सा कंट्रोल नहीं कर पाईं।

दरअसल, सोशल मीडिया पर एक वीडियो खूब वायरल हो रहा है। क्लिप में देखा जा सकता है कि दो शख्स हंसते हुए कटरीना का स्नान करते हुए वीडियो बना रहे हैं। एक शख्स कह रहा है, यह मैं हूं, ये मेरा भाई है और वहां कटरीना हैं। इस दौरान एक्ट्रेस अपनी सास के साथ संगम में डुबकी लगा रही हैं। वीडियो के कैप्शन में लिखा गया है, दुनिया भर से हर कोई महाकुंभ में शामिल हुआ और बॉलीवुड सितारे भी इससे अलग नहीं थे, प्रशंसा एक बात है, निजता का हनन दूसरी बात, हालांकि 'मामा' (इंस्टाग्राम पेज) उत्साह को समझती हैं लेकिन क्या कभी-कभी उन्हें ऐसा करने देना चाहिए?

इंस्टाग्राम पेज ममराजी द्वारा शेयर किए गए वीडियो को देख कटरीना के फैंस शख्स पर बुरी तरह भड़क गए। रवीना टंडन ने भी कमेंट कर उनकी क्लास लगाई है। एक्ट्रेस ने कमेंट में लिखा, यह वाहियात है। ऐसे लोगों ने उस पल को खराब कर दिया जो पीसफुल और मीनिंगफुल होना चाहिए था।रवीना टंडन के अलावा बाकी फैंस भी शख्स की कटरीना का स्नान वीडियो बनाने पर गुस्सा निकाल रहे हैं। एक यूजर ने कहा, फिर कहते हैं वीआईपी घाट क्यों बनाया है। एक ने कहा, यह दुखद और परेशान करने वाला है।

30 अप्रैल से आरंभ होंगी चार धाम यात्रा

कहा जाता है कि पुण्य फलों की प्राप्ति के लिए जीवन में एक बार चार धाम यात्रा जरूर करनी चाहिए। इस यात्रा में बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के दर्शन किए जाते हैं। ऐले में आज हम आपको उत्तराखंड की चारधाम यात्रा का महत्व बताने जा रहे हैं।

कब से शुरू होगी यात्रा?

चार धाम यात्रा का आरंभ अक्षय तृतीया यानी 30 अप्रैल 2025 से होने जा रहा है। इस दिन पर भक्त गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के दर्शन कर सकेंगे। वहीं बद्रीनाथ के कपाट 04 मई 2025 को खुलेंगे। केदारनाथ धाम के कपाट खुलने की घोषणा महाशिवरात्रि के अवसर पर होती है। ऐसे में केदारनाथ धाम के द्वार 02 मई 2025 को सुबह 07 बजे खुलेंगे।

चार धाम यात्रा का महत्व

शास्त्रों में वर्णित है कि चारधाम यात्रा करने से व्यक्ति के सारे पाप नष्ट हो जाते हैं। इसी के साथ व्यक्ति जन्म-मरण के चक्र से मुक्त हो जाता है, जिसका अर्थ है कि व्यक्ति को दोबारा मृत्यु लोक में जन्म नहीं लेना पड़ता और उसे मोक्ष की प्राप्ति होती है। साथ ही यह यात्रा व्यक्ति के आध्यात्मिक विकास में भी मदद करती है।

यमुनोत्री – यमुनोत्री, उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में स्थित है, जो चार धाम यात्रा का पहला पड़ाव है। यमुना नदी भारत की सबसे पवित्र नदियों में से एक मानी गई है। वहीं यमुना को भगवान सूर्य की पुत्री और यम देव की बहन भी माना जाता है। इस पवित्र स्थल का मुख्य आकर्षण देवी यमुना को समर्पित मंदिर और जानकीचट्टी में पवित्र तापीय झरना है।

गंगोत्री –गंगोत्री, गंगा नदी का उद्गम स्थल है, जो उत्तराखंड के गढ़वाल में गंगोत्री हिमनद से निकलती है। गंगा को कलयुग का तीर्थ भी कहा जाता है। गंगोत्री चारधाम यात्रा का दूसरा पड़ाव है। माना जाता है कि यात्रा के दौरान गंगोत्री धाम का दर्शन करने से साधक के समस्त पाप नष्ट हो जाते हैं। यहां एक बहुत ही खूबसूरत गंगा मंदिर भी स्थापित है।

केदारनाथ– केदारनाथ मंदिर, उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में स्थित है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, इस मंदिर का निर्माण पांडवों ने करवाया था। वहीं वर्तमान में हमें मंदिर का जो स्वरूप देखने को मिलता है, उसका निर्माण आदि गुरु शंकराचार्य द्वारा 8वीं-9वीं सदी में करवाया था। इस मंदिर को लेकर मान्यता है कि यहां देवों के देव महादेव विश्राम करते हैं। वहीं शिवपुराण में वर्णन मिलता है कि इस स्थान पर विष्णु भगवान के अवतार नर-नारायण पार्थिव शिवलिंग बनाकर भगवान शिव का रोजाना पूजा किया करते थे, तब शिव जी ने उन्हें वरदान दिया था कि वह यहीं विराजमान होंगे।

बद्रीनाथ –उत्तराखंड के चमोली जिले में स्थित चार धामों में से एक बद्रीनाथ धाम मुख्य रूप से भगवान विष्णु को समर्पित है। इसे बद्रीनारायण मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। इस स्थान को लेकर मान्यता है कि भगवान विष्णु इस स्थान पर 6 महीने विश्राम करते हैं। इस मंदिर की स्थापना 8वीं शताब्दी में आदि शंकराचार्य द्वारा की गई थी।

कन्या और मीन राशियों को कारोबार में होगा दोगुना लाभ, बन जाएंगे सारे बिगड़े काम

मार्च महीने में कई ग्रह राशि परिवर्तन करेंगे। इसके साथ ही कई ग्रह अपनी चाल भी बदलेंगे। ग्रहों की स्थिति बदलने से कई राशि के जातकों को लाभ होगा। इनमें सबसे पहले ग्रहों के राजकुमार बुध देव अपनी चाल बदलेंगे। बुध देव की चाल बदलने से कई राशि के जातकों के जीवन में बदलाव होने वाला है। इन राशि के जातकों को कारोबार में दोगुना लाभ होगा। शुभ कामों में सफलता मिलेगी।

कन्या राशि–बुध देव की कृपा कन्या राशि के जातकों पर हमेशा बरसती है। इस राशि के जातकों के आराध्य भगवान गणेश हैं। भगवान गणेश की पूजा करने से सुख और सौभाग्य में वृद्धि होती है। साथ ही जीवन में व्याप्त सभी प्रकार के दुख एवं संकट दूर हो जाते हैं। बुध देव की स्थिति आपको शुभ फल देगा। आपको धन की प्राप्ति हो सकती है। कन्या राशि के जातकों की शादी के भी योग बन रहे हैं। मनचाहा जीवनसाथी मिलेगा। खरीद और बिक्री से संबंधित काम करने से कारोबार में लाभ मिलेगा। आमदनी बढ़ेगी। सभी बिगड़े काम बनेंगे। पार्टनर से मतभेद दूर होंगे। वाद-विवाद से दूर रहें। सात्विक चीजों का सेवन करें।

मीन राशि–बुध देव की कृपा से मीन राशि के जातकों के जीवन में बदलाव देखने को मिल सकता है। खासकर, कारोबार से जुड़े लोगों को विशेष लाभ मिलेगा। बिजनेस में आने वाली बाधा दूर होगी। पार्टनरशिप में किये गए कामों से लाभ होगा। नए पार्टनर कारोबार में मिलेंगे। अपनी बौद्धिक क्षमता से आप धन कमाने में सफल होंगे। वाणी में मधुरता आएगी। धार्मिक यात्रा के योग बन रहे हैं। विदेश यात्रा कर सकते हैं। सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। कला क्षेत्र में बेहतर करेंगे। भगवान गणेश की पूजा करने से जीवन में सुखों का आगमन होगा। बुधवार के दिन हरे रंग की चीजों का दान करें।

सांप से जुड़े सपने देखकर डर गए हैं आप, छिपा है बहुत ही खास संकेत

स्वप्न शास्त्र में ऐसे कई सपने बताए गए हैं, जिनके दिखने पर व्यक्ति को आने वाले जीवन में लाभ मिल सकता है, लेकिन वहीं कुछ सपने ऐसे भी हैं, जो जीवन में आने वाली परेशानियों की ओर इशारा करते हैं। ऐसे में आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि अगर आपको सपने में सांप दिखाई देते हैं, तो इसका क्या मतलब हो सकता है।

घर आएंगी खुशियां

स्वप्न शास्त्र में सांप से जुड़े कुछ सपनों को शुभ माना जाता है। जैसे अगर किसी व्यक्ति को सपने में रंग-बिरंगे सांप दिखाई देते हैं, तो यह अच्छा माना जाता है। स्वप्न शास्त्र में इस सपने का अर्थ माना गया है कि आपके जीवन में जल्दी ही खुशियों का आगमन होने वाला है।

दूर होगी आपकी परेशानी

अगर कोई व्यक्ति सपने में खुद को सांप पकड़ते हुए देखते हैं, तो इसे एक बहुत ही शुभ सपना माना गया है। स्वप्न शास्त्र में इस सपने का अर्थ माना गया है कि आने वाले समय में आपको कहीं से धन लाभ मिल सकता है। साथ ही यह सपना इस बात की ओर भी इशारा करता है कि आपके जीवन से जल्द ही सारी परेशानियां दूर होने वाली हैं।

ये होता है मतलब

वहीं अगर किसी व्यक्ति को सपने में दो सांप एक साथ दिखाई देते हैं, तो इसका अर्थ यह माना जाता है कि आप जीवन में संतुलन बनाने में कामयाब रहेंगे। इस तरह का सपना व्यक्ति को यह भी संकेत देता है कि आपके

मन में किसी बात को लेकर कोई-न-कोई उलझन चल रही है।

हरे रंग का सांप दिखना

अगर किसी व्यक्ति को सपने में पेड़ के ऊपर हरे रंग का सांप दिखाई देता है, तो स्वप्न शास्त्र में इसका मतलब है कि आपको कहीं से धन लाभ होने वाला है। वहीं अगर सपने में सांप आपको काट रहा है और आप उसे पकड़कर उसका दांत तोड़ देते हैं, तो इसका अर्थ है कि आप शत्रुओं पर विजय पा लेंगे।

विनायक चतुर्थी से दो राशियों की चमकेगी किस्मत, आर्थिक तंगी होगी दूर

फाल्गुन का महीना कई राशि के जातकों के लिए मंगलकारी रहने वाला है। इस महीने में कई ग्रह राशि परिवर्तन करेंगे। इसकी शुरुआत ग्रहों के राजकुमार बुध देव की चाल बदलने से हुई है। इसके बाद आत्मा के कारक सूर्य देव राशि परिवर्तन करेंगे। इस शुभ तिथि पर होली और संक्रांति मनाई जाएगी। इससे पहले मन के कारक चंद्र देव की कृपा दो राशि के जातकों पर बरसेगी।

ज्योतिषियों की मानें तो विनायक चतुर्थी के दिन मन के कारक चंद्र देव अपनी चाल बदलेंगे। चंद्र देव के राशि परिवर्तन करने से कई राशि के जातकों को लाभ होगा। इनमें दो राशि के जातकों को विशेष लाभ होगा। इन दोनों राशियों पर चंद्र देव की कृपा बरसेगी। उनकी कृपा से आर्थिक तंगी दूर होगी।

तुला राशि –विनायक चतुर्थी से मकर राशि के जातकों को लाभ मिल सकता है। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। धन की समस्या दूर होगी। रुके काम पूरे होंगे। भाई एवं बहन का प्यार मिलेगा। कारोबार में तेजी देखने को मिल सकती है। बिजनेस में पार्टनर मिल सकता है। विवाह के लिए अच्छे घर से रिश्ता आ सकता है। जीवनसाथी से प्यार मिलेगा। यात्रा के योग बन रहे हैं। लीडरशिप में निखार आएगा। सहनशीलता बढ़ेगी। पुत्र से प्यार मिलेगा। कारोबार से जुड़े लोग कुछ नया कर सकते हैं। घर पर मेहमानों का आगमन होगा।

मकर राशि–मन के कारक चंद्र देव के राशि परिवर्तन करने से मकर राशि के जातकों को लाभ होगा। माता जी के साथ संबंध मजबूत होंगे। परिवार में खुशियों का माहौल रहेगा। बिगड़े काम बनेंगे। मानसिक तनाव से मुक्ति मिलेगी। पार्टनर से प्यार मिलेगा। मन प्रसन्न होगा। स्मरण शक्ति तेज होगी। परिवार में शुभता का आगमन होगा। वाहन सुख मिलेगा। आजकल में गाड़ी की खरीदारी कर सकते हैं। भूमि या भवन का सुख मिलेगा। यात्रा के योग बनेंगे। सी साइट पर घूमने का प्लान बनेगा। परिवार के लोगों के साथ देव दर्शन के लिए धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं।

30 मार्च को गुड़ी पड़वा मनाया जाएगा

सनातन धर्म में गुड़ी पड़वा पर्व का खास महत्व है। यह पर्व हर साल चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि को मनाया जाता है। इस तिथि से चैत्र नवरात्र की शुरुआत होती है। साथ ही हिन्दू नववर्ष भी प्रारंभ होता है। यह पर्व देशभर में मनाया जाता है। खासकर, महाराष्ट्र में गुड़ी पड़वा हर्षोउल्लास के साथ मनाया जाता है। चैत्र नवरात्र के दौरान मां दुर्गा और उनके नौ रूपों की पूजा की जाती है। साथ ही उनके निमित्त नवरात्र का व्रत रखा जाता है। इस व्रत को करने से साधक की हर मनोकामना पूरी होती है। इसके साथ ही साधक पर जगत की देवी मां दुर्गा की कृपा बरसती है।

शुभ मुहूर्त –वैदिक पंचांग के अनुसार, चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि की शुरुआत 29 मार्च को संध्याकाल 04 बजकर 27 मिनट पर होगी और 30 मार्च को दोपहर 12 बजकर 49 मिनट पर समाप्त होगी। उदया तिथि गणना अनुसार

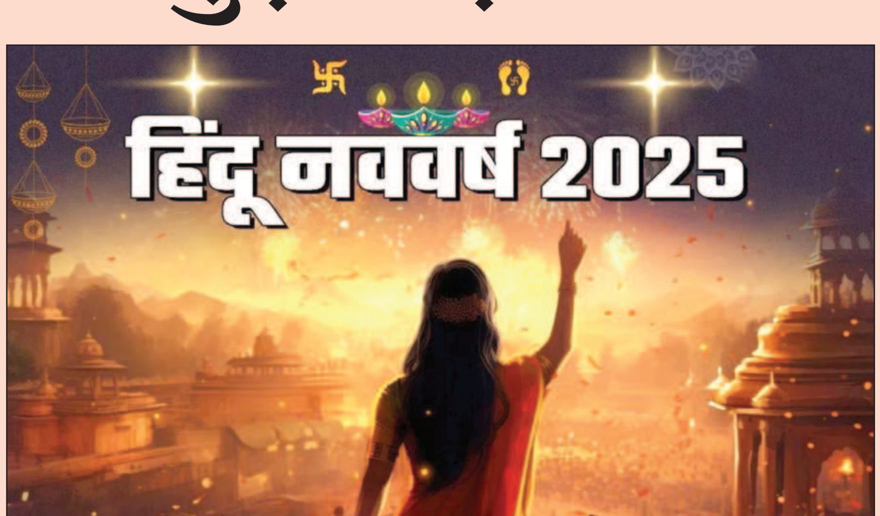

30 मार्च को गुड़ी पड़वा मनाया जाएगा। इस दिन से चैत्र नवरात्र भी प्रारंभ होगा।

शुभ योग –ज्योतिषियों की मानें तो चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि पर इंद्र योग का संयोग है। इंद्र योग शाम 05 बजकर 54 मिनट तक है। इसके साथ ही सर्वार्थ सिद्धि योग का भी संयोग है। सर्वार्थ सिद्धि योग की शुरुआत शाम 04 बजकर 35 मिनट से होगी। इसके अलावा, बव, बालव और कौलव करण के योग हैं। इन योग में जगत की देवी मां दुर्गा की पूजा करने से साधक को मनोवांछित फल की प्राप्ति होगी। साथ ही ब्रह्म देव का आशीर्वाद प्राप्त होगा।

पंचांग

सूर्योदय – सुबह 06 बजकर 13 मिनट पर
सूर्यास्त – शाम 06 बजकर 38 मिनट पर
चन्द्रोदय– शाम 06 बजकर 34 मिनट पर
चंद्रास्त– शाम 07 बजकर 50 मिनट पर
ब्रह्म मुहूर्त – सुबह 04 बजकर 41 मिनट से 05 बजकर 27 मिनट तक
विजय मुहूर्त – दोपहर 02 बजकर 30 मिनट से 03 बजकर 19 मिनट तक
गोधूलि मुहूर्त – शाम 06 : 37 मिनट से 07 बजे तक
निशिता मुहूर्त – रात्रि 12:02 मिनट से 12 बजकर 48 मिनट तक

गलत संगत से वापस आएगा पति बस पत्नि करें आसान उपाय!

यदि आपका पुत्र अथवा पति किसी भी तरह से गलत संगत में पड़ जाए जैसे जुआ, दारू, सट्टा या किसी पराई स्त्री के फेर में फस जाए। तो उसके लिये हम आज बहुत ही खास ज्योतिष उपाय बताएंगे। अक्सर महिलाएं या घर के बड़े लोग इस बात से परेशान रहते हैं कि उनका पति अथवा पुत्र बहुत ही गलत संगत में है। जगह जगह भटकने के बाद भी कामयाबी नहीं मिल रही है। तमाम उपाय करने के बाद भी उनकी स्थिति में सुधार नहीं है। हम आपको बता रहे हैं इसके लिये एक खास ज्योतिष उपाय। इस उपाय को करने से पति या बेटा धीरे धीरे बापस अपने कर्तव्य को समझते हुए बापस लौट आएगा और जीवन बापस से आसान हो जाएगा।

कमजोर चन्द्रमा मन का कारक : किसी भी व्यक्ति के मन का कारक चंद्र ग्रहण होता है। जब कुंडली में चंद्रमा कमजोर हो अथवा नीच राशि में स्थित हो। इसके अलावा वह किसी पाप ग्रह से पीड़ित हो तो व्यक्ति का मन बहक जाता है,भ्रमित्र होने जैसी स्थिति बन जाती है। व्यक्ति अच्छा होते हुए भी गलत आचरण करने लगता है। अनावश्यक रूप से वह व्यक्ति घर में कलह – क्लेश का वातावरण बना देता है। इससे घर के बाकी लोग बहुत ही परेशान रहने लग जाते हैं।

मां अथवा पत्नि करे उपाय : ऐसे व्यक्ति की मां अथवा पत्नी को लगातार 32 पूर्णिमा तक व्रत रखना चाहिए यह व्रत आप किसी भी माह की पूर्णिमा से प्रारंभ कर सकती है। इस दिन व्रत रखने से व्यक्ति की मां को काबू में किया जा सकता है जिससे उसका चंद्र ग्रह उसे अच्छे परिणाम देना शुरू कर देगा।

खीर से रिश्ते होंगे मजबूत : पूर्णिमा व्रत के दौरान महिलाएं अपने घर में गाय के दूध और चावल की खीर बनाएं। इस खीर में वह चीनी की जगह मिश्री का प्रयोग करें। मिश्री धागे वाली होनी चाहिए। इसके अलावा उस व्यक्ति के हाथों से चंद्रमा की प्रतिनिधित्व वाली सफेद चीज जैसे दूध, दही, सफेद मिठाई आदि चीजों का अधिक से अधिक दान करावे। पूर्णिमा का व्रत करने से घर की सदस्यों के मन विचलित नहीं होते है। साथ ही घर में सुख शांति बनी रहती है। वह व्यक्ति मानसिक रूप से मजबूत हो जाता है। सभी प्रकार की समस्याएं धीरे धीरे खत्म होने लगती है।

न्याय के देवता शनिदेव ने बदली अपनी चाल, तुला और वृषभ राशियों के जीवन में होगा नया सवेरा

मार्च का महीना कई राशि के जातकों के लिए शुभ रहने वाला है। शनिदेव के राशि परिवर्तन करने से कई राशि के जातकों को शनि की बाधा से मुक्ति मिलेगी। वहीं, कई राशि के जातकों पर शनि की कुदृष्टि का सामना करना पड़ सकता है। इससे पहले शनिदेव ने अपनी चाल बदली है। शनिदेव की चाल बदलने से कई राशि के जातकों को लाभ होगा। शनिदेव की कृपा से इन राशियों के सभी बिगड़े काम बनेंगे। करियर और कारोबार से संबंधित परेशानी दूर होगी।

कब करेंगे शनिदेव राशि परिवर्तन?

न्याय के देवता शनिदेव चैत्र अमावस्या के दिन राशि परिवर्तन करेंगे। वर्तमान समय में शनिदेव कुंभ राशि में गोचर करेंगे। चैत्र अमावस्या के दिन यानी 29 मार्च को शनिदेव कुंभ राशि से निकलकर मीन राशि में गोचर करेंगे। शनिदेव के मीन राशि में गोचर करने के साथ ही मकर राशि के जातकों को साढ़ेसाती से मुक्ति मिलेगी। वहीं, मेष राशि के जातकों पर साढ़ेसाती शुरू होगी। वहीं, विनायक चतुर्थी से एक दिन पहले शनिदेव ने पूर्वाभाद्रपद के तीसरे चरण में गोचर किया है।

तुला राशि –तुला राशि के स्वामी सुखों के कारक शुक्र देव हैं। वहीं, तुला राशि में शनिदेव उच्च होते हैं। इसके लिए तुला राशि के जातकों पर अपनी विशेष कृपा बरसाते हैं। शनिदेव की चाल बदलने से यात्रा के योग बन रहे हैं। मन में चंचलता भरी रहेगी। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। शत्रुओं पर जीत

हासिल होगी। धर्म-कर्म में रूचि बढ़ेगी। शनिदेव की कृपा बरसेगी। उनकी कृपा से करियर और कारोबार में मनमुताबिक सफलता मिलेगी। धन संपत्ति में बढ़ोतरी होगी। हालांकि, निवेश करने से पहले घर के बड़ों लोगों की अवश्य सलाह लें।

वृषभ राशि –शनिदेव की कृपा से वृषभ राशि के जातकों को जीवन में मनमुताबिक सफलता मिलेगी। शुभ कामों में सफलता मिलेगी। स्वभाव में विनम्रता आएगी। करियर में बदलाव देखने को मिलेगा। प्रमोशन के योग हैं। रुके काम में गति आएगी। शत्रुओं को परास्त करने में सफल होंगे। विदेश यात्रा के भी योग हैं। हालांकि, गलत काम करने से शनिदेव की कुदृष्टि पड़ सकती है। समाज सेवा में मन लगेगा। आप अपने कर्तव्य पथ पर अग्रसर रहेंगे। कुंडली में व्याप्त अशुभ ग्रहों के प्रभाव को कम करने के लिए स्नान-ध्यान के बाद गंगाजल में काले तिल मिलाकर भगवान शिव का अभिषेक करें। इस उपाय को करने से शनि की बाधा दूर होगी।

संपादकीय

'विकसित देश' बनना है तो...

हम हररोज और निरंतर सुनते रहे हैं कि 2047 में भारत एक 'विकसित राष्ट्र' होगा। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार और भाजपा-एनडीए का यह संकल्प है और देश की जनता का भी आह्वान किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने भारत को दुनिया के लिए 'कारखाना' करार दिया है, जबकि यह अद्र्धसत्य लगता है, क्योंकि भारत मैन्यूफैक्चरिंग (विनिर्माण, उत्पादन आदि) में पिछड़ता जा रहा है। लक्ष्य तय किया गया था कि इस क्षेत्र का जीडीपी में योगदान कमोबेश 25 फीसदी होना चाहिए, लेकिन यह हिस्सेदारी 15 फीसदी से भी कम हो गई है। यह ऐसा क्षेत्र है, जिसमें रोजगार के व्यापक अवसर बनते हैं। दरअसल भारत 'मैन्यूफैक्चरिंग हब' के बजाय 'ट्रेडिंग देश' बनता जा रहा है। चीन से आयात बढऩा इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। इधर विश्व बैंक के साथ-साथ कुछ अन्य एजेंसियों और संस्थाओं की भी रपटें सामने आई हैं। ऐसी रपटें भारत की अर्थव्यवस्था, सामाजिक स्थितियों, श्रम-शक्ति और भागीदारी, हमारी औसत आय आदि के विभिन्न पहलुओं के अध्ययन और सर्वेक्षण पर आधारित होती हैं, लिहाजा उन्हें सिरे से नकारा नहीं जा सकता। यदि भारत सरकार पारदर्शी, स्पष्ट और निष्पक्ष डाटा देश के सामने पेश करती रहती, तो इन रपटों की कोई जरूरत ही नहीं थी और देश के औसत नागरिक के सामने तमाम स्थितियां साफ होतीं। जो भी डाटा सरकारी विभाग जारी करते हैं, वे या तो अद्र्धसत्य होते हैं अथवा यथार्थ को ढक कर चलते हैं। बहरहाल अब आकलन यह किया जा रहा है कि यदि भारत को 2047 में 'विकसित राष्ट्र' बनना है, तो उसकी सालाना आर्थिक विकास दर 7.8 फीसदी लगातार होनी चाहिए, लेकिन अभी 2025-26 के बजट में विकास दर 6.5 फीसदी का अनुमान लगाया गया है। लगभग यही अनुमान अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष का है। वास्तव में यह विकास दर 5 फीसदी के करीब होगी, क्योंकि कई समीकरणों, तथ्यों, उत्पादन, मुद्रास्फीति की दर आदि का सही मूल्यांकन बाद में ही किया जा सकता है। अभी भारत में प्रति व्यक्ति आय करीब 2.20 लाख रुपए सालाना बताई जाती है, जबकि विकसित देश बनने के लिए यह कमोबेश 15.48 लाख रुपए होनी चाहिए। भारत में करीब 100 करोड़ लोगों के पास इतना अतिरिक्त पैसा नहीं है कि वे गैर-जरूरी चीजों पर भी खर्च कर सकें। मात्र 10 फीसदी भारतीयों के पास ही निरंतर खर्च करने की क्षमता है। क्या भारत की अर्थव्यवस्था और जीडीपी 10 फीसदी लोगों के बूते ही है? यदि भारत को वाकई 'विकसित देश' बनना है, तो श्रम की भागीदारी 65 फीसदी या उससे अधिक होनी चाहिए, जबकि यह भागीदारी फिलहाल 56.4 फीसदी है। आम आदमी की औसत आय करीब 28 फीसदी बढ़ी है, जबकि उद्योगपतियों और अमीरों की आय में 350 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। यह आर्थिक असमानता भारत का यथार्थ है, लिहाजा विकसित अर्थव्यवस्था को लेकर इतराना नहीं चाहिए। अभी तो भारत 4 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था होने से काफी पीछे है, लिहाजा 5 ट्रिलियन डॉलर तो बहुत दूर की कौड़ी है। वैसे दावे तो 30 ट्रिलियन डॉलर के भी किए जा रहे हैं। जिस देश में 81 करोड़ से अधिक लोगों को, हर माह, मुफ्त अनाज मुहैया कराया जा रहा हो और यह योजना 2029 तक जारी रहनी हो, तो वह देश 2047 तक विकसित देशों की जमात में शामिल कैसे हो सकता है? दरअसल मुफ्तखोरी की राजनीति देश के एक वर्ग को आलसी, निकम्मा बना रही है और अर्थव्यवस्था को खोखला कर रही है, लिहाजा भारत में कौशल की कमी है, उत्पादन की कमी है, आय-व्यय के समीकरण असंतुलित हैं। अर्थव्यवस्था कैसे विस्तार पाएगी? 10 फीसदी लोगों के सहारे ही देश कब तक चलेगा? यह भारत का भीतरी यथार्थ है। चूंकि आय में अधिक बढ़ोतरी नहीं है अथवा आय के स्रोत सूखते जा रहे हैं, तो असर औसत बचत पर भी पड़ेगा। भारत में बचत में करीब 44 फीसदी की कमी आई है। जो बचत 2019-20 में 11 लाख करोड़ रुपए से अधिक थी, अब 2024-25 में वह घट कर 6.52 लाख करोड़ रुपए हो गई है। देश में बेरोजगारी और महंगाई पर कोई नियंत्रण नहीं है।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार और भाजपा-एनडीए का यह संकल्प है और देश की जनता का भी आह्वान किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने भारत को दुनिया के लिए 'कारखाना' करार दिया है, जबकि यह अद्र्धसत्य लगता है, क्योंकि भारत मैन्यूफैक्चरिंग (विनिर्माण, उत्पादन आदि) में पिछड़ता जा रहा है। लक्ष्य तय किया गया था कि इस क्षेत्र का जीडीपी में योगदान कमोबेश 25 फीसदी होना चाहिए, लेकिन यह हिस्सेदारी 15 फीसदी से भी कम हो गई है। यह ऐसा क्षेत्र है, जिसमें रोजगार के व्यापक अवसर बनते हैं। दरअसल भारत 'मैन्यूफैक्चरिंग हब' के बजाय 'ट्रेडिंग देश' बनता जा रहा है। चीन से आयात बढऩा इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। इधर विश्व बैंक के साथ-साथ कुछ अन्य एजेंसियों और संस्थाओं की भी रपटें सामने आई हैं। ऐसी रपटें भारत की अर्थव्यवस्था, सामाजिक स्थितियों, श्रम-शक्ति और भागीदारी, हमारी औसत आय आदि के विभिन्न पहलुओं के अध्ययन और सर्वेक्षण पर आधारित होती हैं, लिहाजा उन्हें सिरे से नकारा नहीं जा सकता।

आयकर कानून की विभिन्न कमियों को दूर करने के लगातार छोटे-छोटे प्रयास किए जाते रहे

आयकर सुधार की ऐतिहासिक पहल

डा. जयंतीलाल भंडारी

वित्तमंत्री सीतारमण ने पिछले वर्ष जुलाई 2024 के बजट भाषण में कहा था कि मौजूदा आयकर कानून की कई धाराएं अपनी प्रासंगिकता खो चुकी हैं। ये धाराएं विशेष आर्थिक क्षेत्र, दूरसंचार, पूंजीगत लाभ सहित कर छूट एवं कटौती जैसे मामलों में कारगर नहीं रह गई हैं। साथ ही इसके तहत कानूनी जटिलताएं कर अनुपालन में मुश्किलें और मुकदमेबाजी में लगातार वृद्धि हुई है। ऐसे में नया आयकर विधेयक कानून बनने के बाद आयकर कानून 2025 के रूप में एक अप्रैल 2026 से मौजूदा आयकर कानून 1961 की जगह ले लेगा।

हाल ही में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के द्वारा लोकसभा में पेश किया गया नया आयकर विधेयक भारत की आयकर व्यवस्था में सुधार और पारदर्शिता के साथ-साथ राजस्व बढ़ाने के लिए एक बड़ी कोशिश का अहम हिस्सा है। वित्तमंत्री सीतारमण ने पिछले वर्ष जुलाई 2024 के बजट भाषण में कहा था कि मौजूदा आयकर कानून की कई धाराएं अपनी प्रासंगिकता खो चुकी हैं। ये धाराएं विशेष आर्थिक क्षेत्र, दूरसंचार, पूंजीगत लाभ सहित कर छूट एवं कटौती जैसे मामलों में कारगर नहीं रह गई हैं। साथ ही इसके तहत कानूनी जटिलताएं कर अनुपालन में मुश्किलें और मुकदमेबाजी में लगातार वृद्धि हुई है। ऐसे में नया आयकर विधेयक कानून बनने के बाद आयकर कानून 2025 के रूप में एक अप्रैल 2026 से मौजूदा आयकर कानून 1961 की जगह ले लेगा। यदि हम देश में आयकर का इतिहास देखें तो पाते हैं कि वर्ष 1860 में सर जेम्स विल्सन द्वारा आयकर की शुरुआत की गई थी, लेकिन देश में एक सुव्यवस्थित कर प्रणाली के रूप में वर्ष 1922 में व्यापक आयकर कानून लागू हुआ, जिसने सही मायनों में न केवल विभिन्न आयकर प्राधिकरणों को औपचारिक रूप प्रदान किया, बल्कि एक सुव्यवस्थित प्रशासनिक रूपरेखा की नींव भी रखी। वर्ष 1961 में मौजूदा आयकर कानून लागू किए जाने के बाद से अब तक आयकर कानून की विभिन्न कमियों को दूर करने के लगातार छोटे-छोटे प्रयास किए जाते रहे। खासतौर से 1981 में कम्प्यूटरीकरण की शुरुआत के साथ हुई तकनीकी प्रगति ने इलेक्ट्रॉनिक रूप से आयकर चालान की प्रोसेसिंग करने पर ध्यान केंद्रित किया। इस परिप्रेक्ष्य में वर्ष 2009 में ई-फाईल और पेपर रिटर्न की व्यापक प्रोसेसिंग को संभालने के लिए सेंट्रलाइज्ड प्रोसेसिंग सेंटर (सीपीसी) की स्थापना की गई। पिछले एक दशक से आयकर कानून में जो अहम सुधार किए गए हैं, उससे जहां आयकरदाताओं को सुविधा मिली, वहीं आयकरदाताओं की संख्या बढ़ाने में भी मदद मिली है। इन सुधारों में प्रमुख रूप से करदाता चार्टर (टैक्सपेयर चार्टर) और पहचान रहित समीक्षा (फेसलेस असेसमेंट) तथा करदाताओं के लिए पहचान रहित अपील (फेसलेस अपील) व्यवस्था महत्वपूर्ण है। इसके अलावा नॉन फाइलर्स, मॉनिटरिंग सिस्टम (एनएमए) के जरिए ऐसे लोगों की पहचान की जाती है जिन्होंने हाई वैल्यू ट्रांजैक्शन किया है, पर आयकर रिटर्न दाखिल नहीं किया है। इन

विभिन्न प्रयासों से पिछले 10 वर्षों में आयकर रिटर्न दाखिल करने वालों की संख्या और आयकर संग्रह में तेज वृद्धि देखी गई है। लेकिन अभी भी बड़ी संख्या में उद्योग-कारोबार सेक्टर में कार्यरत रहते हुए कमाई करने वाले, महंगी आरामदायक व विलासिता की वस्तुओं का उपयोग करने वाले तथा पर्यटन के लिए विदेश यात्राएं करने वालों में से भी बड़ी संख्या में लोग या तो आयकर न देने का प्रयास करते हैं या फिर बहुत कम आयकर देते हैं। स्थिति यह है कि वर्ष 2023-24 में देश के 140 करोड़ से अधिक लोगों में से सिर्फ 8.09 करोड़ लोगों ने आयकर रिटर्न दाखिल किए। इनमें से भी 4.90 करोड़ लोगों ने शून्य कर योग्य आय की सूचना दी। सिर्फ 3.19 करोड़ लोगों ने ही आयकर दिया है। ऐसे में देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में आयकर का योगदान बहुत कम बना हुआ है। दुनिया की कई छोटी-छोटी अर्थव्यवस्थाओं में संग्रहित किए जाने वाले आयकर का उनकी जीडीपी में बड़ा योगदान है। वस्तुतः कर संग्रह में तेज वृद्धि से बुनियादी ढांचे, सामाजिक सेवाओं और जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए सरकार की क्षमता बढ़ती है। सरकार की मुठ्ठियों में बढ़ता कर राजस्व न केवल अर्थव्यवस्था के नवनिर्माण में मदद करता है, बल्कि यह सरकार को अपने करदाताओं के प्रति जवाबदेह भी बनाता है। साथ ही यह वित्तीय वर्ष की बेहतर योजना और बजट बनाने में मदद करता है। खासतौर से इस समय जब वर्ष 2047 में देश को विकसित देश बनाने का लक्ष्य रखा गया है, तब जीडीपी में आयकर का योगदान बढ़ाया जाना जरूरी दिखाई दे रहा है। गौरतलब है कि आयकर संबंधी विभिन्न मुश्किलों और चुनौतियों के निराकरण के लिए नए आयकर विधेयक में प्रभावी प्रावधान दिखाई दे रहे हैं। नए आयकर विधेयक को संक्षिप्त, स्पष्ट तथा पढऩे-समझने में आसान बनाते हुए 23 अध्यायों में समेटा गया है। इस विधेयक में 622 पृष्ठ हैं, जबकि मौजूदा कानून में 823 पृष्ठ हैं। शब्द संख्या भी घटाई गई है। मौजूदा कानून के 5.20 लाख शब्दों से घटाकर नए विधेयक में केवल 2.60 लाख रखी गई है। मौजूदा कानून में आरंभ में केवल 298 धाराएं थीं, मगर प्रावधान जुड़ते गए और अब कुल 819 धाराएं हो गई हैं। नए विधेयक ने इन्हें घटाकर 536 कर दिया है। नए आयकर विधेयक में 'चार्टर ऑफ टैक्सपेयर्स' है, जिससे कर व्यवस्था में विश्वास और पारदर्शिता बढ़ेगी। वेतनभोगी करदाताओं के लिए विभिन्न प्रावधानों को सहज बनाते हुए हर तरह की कटौती को एक ही धारा के तहत रख दिया गया है। नए विधेयक में मुकदमेबाजी कम करने और टैक्स मामलों को जल्दी सुलझाने पर ध्यान दिया गया है। पुराने कानून में इस्तेमाल किए गए जटिल शब्दों को सरल बना दिया गया है। अब 'असेसमेंट ईयर' की जगह 'टैक्स ईयर' होगा। टैक्स ईयर 1 अप्रैल से 31 मार्च तक रहेगा। अब क्रिप्टोकरेंसी और अन्य डिजिटल एसेट्स को कैपिटल एसेट माना जाएगा और उन पर टैक्स लगाया जाएगा। इससे डिजिटल संपत्तियों पर टैक्स सिस्टम के बारे में अधिक स्पष्टता आएगी। नए टैक्स रिजीम के साथ ओल्ड टैक्स रिजीम भी जारी रहेगा। निश्चित रूप से नए आयकर विधेयक में आयकर अधिकारियों के अधिकारों और शक्तियों को बढ़ाया गया है। नए आयकर विधेयक में गलत या अधूरी जानकारी देने पर भारी जुर्माना सुनिश्चित किया गया है। जानबूझकर टैक्स चोरी करने वालों पर मुकदमा चलाया जा सकता है। बकाया टैक्स का भुगतान न करने पर अधिक ब्याज और पेनल्टी है। आय छिपाने पर अकाउंट सीज और संपत्ति जब्त करने के अधिकार होंगे। इन सबसे आयकर संग्रहण बढ़ेगा और ईमानदार करदाताओं को लाभ होगा। निश्चित रूप से एक अप्रैल 2026 से लागू होने वाले नए आयकर कानून की वास्तविक सफलता इस बात पर निर्भर होगी कि इस कानून को कितने कारगर तरीके से लागू किया जाता है। इस कानून की वास्तविक परीक्षा यह भी होगी कि यह कर संबंधी मुकदमों में कितनी कमी लाएगा। निःसंदेह व्यक्तिगत आयकर के मामले में सरकार ने नई कर प्रणाली लागू करके बेहतर किया है, लेकिन रियायतों और कर दरों का ढांचा अब भी जटिल बना हुआ है। इसे सरल बनाने के लिए सरकार को प्राथमिकता से ध्यान देना होगा। साथ ही कर दरें घटाने पर भी ध्यान देना होगा।

दृष्टि कोण

आत्मनिर्भरता में आर्थिक चुनौतियों का समाधान

अमेरिका ने यह घोषणा की है कि वह अब अपने मूल्यवान आर्थिक संसाधनों को तीसरी दुनिया के देशों में क्यों लौटाए। वर्ष 1961 से अमेरिका एक आर्थिक सहायता कार्यक्रम चला रहा था, जिसके तहत पिछड़े देशों में मानवीय और आर्थिक संसाधनों का विकास किया जाता था, और लोकतंत्र की स्थापना की दिशा में काम किया जाता था। इस कार्यक्रम के तहत अमेरिका सालाना करीब 496 करोड़ डॉलर खर्च करता था। भारत में लोकतंत्र को प्रोत्साहित करने और वोटरों को मतदान के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से अमेरिका प्रतिवर्ष एकमुश्त रकम खर्च करता था। हालांकि, डोनाल्ड ट्रम्प ने सत्ता संभालते ही इस सहायता को बंद कर दिया, यह मानते हुए कि हर देश को अपनी लोकतांत्रिक व्यवस्था को खुद मजबूत करना चाहिए। इतना ही नहीं, जब मोदी मैत्री वार्ता के लिए अमेरिका गए, तो वार्ता शुरू होने से पहले अमेरिका ने अपनी टैरिफ नीति घोषित कर दी, जिसका मूलमंत्र था 'जैसे को तैसा'। हाल ही में डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत के बारे में यह बयान दिया कि भारत के पास पर्याप्त धन है और वह टैक्स उगाहने में माहिर है, इसलिए अमेरिका भी अपने आयात में ऊंचे टैक्स लगाकर इसका प्रतिवाद करेगा। अमेरिका का आरोप है कि भारत ने उसके सामान पर उच्च टैक्स लगा रखा था, जबकि अमेरिका भारतीय आयात पर कम टैक्स लगाता था। फलतः ट्रम्प ने भारत पर भी टैरिफ बढ़ा दिए। अर्थशास्त्री कहते हैं कि अगर अमेरिकी नीतियों से महंगाई बढ़ती है तो इससे भारत में मुद्रास्फीति पर नियंत्रण पाना मुश्किल हो जाएगा। इसके अलावा, यदि भारतीय निर्यात पर 20 प्रतिशत का टैरिफ लागू कर दिया जाता है, तो भारत की जीडीपी में गिरावट हो सकती है। यह स्थिति खासतौर पर चिंताजनक है, क्योंकि भारत 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य रखता है। इसके लिए आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि भारत को अपनी जीडीपी में 8 प्रतिशत की विकास दर बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। पिछले वित्तीय वर्ष की अंतिम तिमाही में भारत की विकास दर 7 प्रतिशत से घटकर पौने 6 प्रतिशत पर आ गई थी। हालांकि, भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) का अनुमान है कि भारत 7 प्रतिशत विकास दर हासिल करने में सक्षम रहेगा। लेकिन अब अमेरिकी हित संरक्षण की नीति सामने आ गई है, जिसमें ट्रम्प भारत के साथ 'जैसे को तैसा' नीति लागू करने की बात कर रहे हैं। इसके परिणामस्वरूप, भारत के विभिन्न उद्योगों को नुकसान हो सकता है। यदि यह टैरिफ शुल्क लागू हो जाता है, तो भारतीय निर्यात क्षेत्र को बड़ा धक्का लगेगा। निर्यातकों को टैरिफ चुकाने के बाद उनकी लागत पूरी नहीं हो पाएगी, जिससे वे निर्यात बढ़ाने के प्रति कम उत्साहित हो सकते हैं। इस वर्ष के नए आंकड़े दर्शाते हैं कि हमारा निर्यात पिछले वर्ष की तुलना में कम हो गया है, जबकि आयात की मांग में कोई कमी नहीं आई। अब स्थिति यह बन गई है कि यदि अमेरिका से आने वाली वस्तुएं महंगी हो जाती हैं और हमारी मांग लगातार बनी रहती है, तो रुपये का मूल्य डॉलर के मुकाबले गिरता जाएगा। जिसका मतलब है कि आयातित वस्तुएं महंगी हो जाएंगी। यदि अमेरिका अपनी दरें बढ़ाकर इसे भारतीय टैरिफ के बराबर कर देता है, तो इससे भारत में आयातित वस्तुएं महंगी हो जाएंगी, जिससे मुद्रास्फीति को और बढ़ावा मिलेगा। सरकार को इस दिशा में गंभीरता से सोचना होगा। हालांकि, वैश्विक आर्थिक अस्थिरता और ट्रंप सरकार की मनमानी से शेयर बाजार को भारी नुकसान हुआ है। यह विदेशी निवेश की दृष्टि से एक निराशाजनक स्थिति है। इस समय चुनौती यह है कि जो वस्तुएं हम अमेरिका से मंगवाते हैं, उनमें जीवनरक्षक दवाइयां, निर्माण कार्य में उपयोग होने वाले उपकरण और विद्युत उपकरण आदि शामिल हैं, जो भारतीय निवेशकों के लिए भी कई मायनों में महत्वपूर्ण हैं। यदि ये तमाम वस्तुएं महंगी हो जाती हैं, तो भारतीय निवेश पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा, और निर्यात वस्तुओं का उत्पादन घटने की संभावना बढ़ जाएगी। इससे साफ है कि भारत के विकास दर को बनाए रखने का लक्ष्य मुश्किल हो जाएगा। निर्विवाद रूप से अमेरिका में राष्ट्रपति ट्रंप के सत्ता में आने के बाद उपजे हालात में चुनौती के मुकाबले के लिये इसका एकमात्र समाधान केवल आत्मनिर्भरता, लघु और कुटीर उद्योगों के विकास और सहकारिता आंदोलन को गति देने में है। इससे देश की विपुल श्रम शक्ति का उपयोग हो पाएगा। इससे जहां हमारी आर्थिक स्थिति को संबल मिलेगा, वहीं युवाओं का विदेश पलायन भी रुकेगा।

कुछ अलग

महाकुंभ में आशावाद...

देश में सदियों से निराशा और आशा के बीच कई लोग चले। आश्चर्य यह कि निराशा में खुद को समेटते-समेटते भी कई सफल हो गए। आशा में सफलता तब तक रूठी रहेगी, जब तक पगार हमारे साथ रहेगी। ऐसी कोई पगार नहीं है जो किसी को निराश न करे। आशा तो दिहाड़ी में है। सुबह को शाम में बदलने के लिए केवल सूरज ही दिहाड़ी नहीं लगाता, बल्कि हर दिहाड़ी में दिन है और पगार में रात है। वैसे निराशा और आशा के बीच देश पहले ही संपत्तियों का बंटवारा कर चुका है। जिन्हें अधिक मिलीं उन्हें निराशा है, लेकिन जहां लैंडलैस को सरकार देने का वादा करती है, वहां शाश्वत आशा है। शाश्वत आशा न भगवान दे सकता, न ही भाग्य और न ही भारतीय लोकतंत्र, लेकिन चुनाव चाहे पंचायत का हो, विधानसभा का हो या संसद के लिए हो, आशा बार-बार जन्म लेती है। अब तो हालत यह कि आशा चलती सरकारों से नहीं, बल्कि दलबदलुओं से मिलती है। हमें आशा हर दलाल से है, हर रिश्वत में यह आशा है कि अब सौ फीसदी काम होगा। आप बिना रिश्वत के घूम आइए सरकारी व्यवस्था में, मिलेगी तो निराशा ही। निजी बनाम सरकारी क्षेत्र में सफलता का राज निराशा है। देश और देश की व्यवस्था निजी क्षेत्र को निराशा में सफल होने की अभिलाषा सिखाती है। इसीलिए वहां पूछा जाता है कि किसमें ज्यादा निराशा है, स्वामी या प्राइवेट कर्मचारी में। निराशा अब खानदानी नुस्खा जैसी है। अकसर बड़े-बड़े व्यापारिक घराने हमेशा निराशा के मूड में रहते हैं। अत्यधिक धन दौलत पाकर भी जो निराश रहता है, वही अमीर बने रह सकता है। देश का आशावाद तो कर्मचारी अपने सिर पर उठाते हैं। जो महंगाई में, बैंक लोन की किस्तों में और पगार के साथ जुड़े परिवार के रिश्तों में आशा देख सकता है, वहीं रीढ़ की हड्डी वाला कर्मचारी है। हमारे देश की आशा अब घर के बजाय विदेश में ज्यादा दिखती है। पूरे विश्व में हमारी आशा का अंतरराष्ट्रीयकरण समझना हो, तो अमरीका में ट्रंप की जीत में मिल जाएगा। हमें उम्मीद है कि ट्रंप हमारे बारे में सोचता रहेगा। इसी तरह हमारी आशा चीन को भी सोचने पर मजबूर कर देगी एक दिन। आशा और निराशा के बीच प्रतिस्पर्धा को समझना हो तो भैंस से पूछो। वह कभी भी आशा के साथ छप्पड़ में नहीं जाती, बल्कि निराशा उसे वहां बार-बार ले जाती है। सदियों से उसे यह समझ नहीं आ रहा कि छप्पड़ में घुसना आसान है या बाहर निकलना। खैर समझ हमारी अक्ल को भी नहीं आ रहा कि वह बड़ी है या भैंस। लोगबाग अक्ल और भैंस के मुकाबले में कभी अडानी की ओर देखते हैं, कभी ट्रंप की ओर, तो कभी अमरीका की जनता की ओर देख कर खुश होते हैं कि वहां भी चुनाव में आशा और निराशा के बीच कोई फैसला नहीं हो रहा। दरअसल आशा और निराशा दोनों सगी बहनें हैं। निराशा बड़ी और आशा छोटी। मुश्किल यह कि इनकी एक जैसी सूरत के कारण हम निराशा में अक्सर आशा को पुकारते हैं और आशा में निराशा को निहारते हैं। बढ़ती आबादी देख देश निराशा के साथ होता है, लेकिन झोंपड़ी में भी बच्चे की किलकारी पर कोई गरीब आशावादी होता है। हम डालडा घी के किसी पुराने डिब्बे में आशा को संजो सकते हैं या धारावी की झुग्गी बस्ती में आशा के साथ जी सकते हैं। हमारा आशावाद पूरे विश्व में कौतुक पैदा करता है। शेष विश्व में कोई ऐसी आशा नहीं कि महाकुंभ जैसा उत्साह इकट्ठा करा दे। हम पाप धोने के लिए भी आशा कर सकते हैं। एक सदी के बाद एक साथ नहाने की आशा कर सकते हैं।

देश दुनिया से

मोदी और केरल में ईश्वर का हाथ

हो सकता है थरूर की टिप्पणियों पर उठा नवीनतम विवाद भी सप्ताहांत तक ठंडा पड़ जाए, खासकर जब केरल कांग्रेस के नेताओं और पार्टी आलाकमान के बीच 2026 में केरल के आगामी चुनाव को लेकर होने वाली तैयारी बैठक होगी, और सांसद की आहत हुई भावना को शांत करने का प्रयास किया जाए। पार्टी के सभी गुटों के बीच एकता दिखाने की बात पहले ही कही जा रही है। वायनाड से सांसद प्रियंका गांधी, वहां से पूर्व सांसद और उनके भाई राहुल गांधी और कांग्रेस संगठन के प्रभारी महासचिव और अलपुझा से सांसद केसी वेणुगोपाल–इस पुरानी पार्टी में सबसे शक्तिशाली तिकड़ी- निश्चित रूप से अपने चुनावी अभियान की अगुवाई इस पेशकारी से करेंगे 'भगवान के अपने देश में सब ठीक है और कांग्रेस अगले साल सत्ता में वापस आएगी।' सिवाय इसके कि दक्षिणी राज्य में मंथन चल रहा है और अरब सागर की फ़िजां इन दिनों कुछ बदली-सी है। पिछले हफ्ते कोचीन में हुए निवेशक शिखर सम्मेलन में भाजपा नेता पीयूष गोयल और केरल के मुख्यमंत्री और सीपीआई (एम) नेता पिनाराई विजयन को दिल खोलकर हंसते हुए देखा गया। कुछ ही दिनों बाद, सीपीएम ने केरल की अपनी सभी पार्टी इकाइयों को एक नोट भेजा, जिसमें बताया गया कि पार्टी मोदी सरकार को 'फासीवादी या नव-फासीवादी' क्यों नहीं बता रही। इसमें कोई संदेह नहीं कि यह टिप्पणी 6 मार्च को कोल्लम में होने जा रहे सीपीएम के 24वीं पार्टी सम्मेलन में बहस के केंद्र में होगी। कुछ लोगों का कहना है कि यह पार्टी में शक्तिशाली प्रकाश करात गुट द्वारा अपनाई कांग्रेस विरोधी नीति की वापसी है- पिछले सितंबर में सीताराम येचुरी की दुर्भाग्यपूर्ण मृत्यु के बाद, जिन्होंने हमेशा विपक्षी एकता के लिए जोर दिया और मानते थे कि कांग्रेस पार्टी इसका धड़कता दिल है। इसलिए इन दिनों केरल में थरूर की महत्वाकांक्षाओं से बड़ा सवाल यह है कि क्या वामपंथी भाजपा के प्रति नरम रुख अपना रहे हैं? और क्या वे कोल्लम पार्टी सम्मेलन में भाजपा को नहीं, बल्कि कांग्रेस को वामपंथ का मुख्य राजनीतिक दुश्मन बताने की ओर लौटेंगे– यह सब इसलिए क्योंकि राज्य में कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूडीएफ इसकी मुख्य प्रतिद्वंद्वी है? तो कल्पना कीजिए कि इस सोच की कितनी संभावना है, खासकर जब भाजपा दक्षिण भारत में अपनी जगह बनाने के वास्ते कड़े प्रयास कर रही है। क्या विजयन और नरेन्द्र मोदी केरल में कांग्रेस को खत्म करने के वास्ते सच में एकजुट हो सकते हैं, भले ही यह पूरी तरह से पर्दे के पीछे हो? प्रिय पाठक, इस विचार को जरा यहीं थामकर रखें, क्योंकि अभी और भी बहुत कुछ बाकी है। हाल ही में इंडिया टुडे मूड ऑफ द नेशन सर्वे ने हैरान किया कि केरल में भाजपा का वोट शेयर हर दिन बढ़ रहा है- लोकसभा चुनाव में उसे 17 प्रतिशत वोट मिले थे, लेकिन यदि आज चुनाव हों तो यह 24 प्रतिशत हो सकता है। और वोट शेयर में 2 प्रतिशत की गिरावट के साथ वामपंथियों को नुकसान होगा। आप कल्पना कर सकते हैं कि भाजपा इतनी खुश क्यों है। राजधानी दिल्ली समेत, उत्तर भारत के अधिकांश हिस्सों में जीत हासिल करने के बाद- हिमाचल प्रदेश की चार सीटें अपने पास होने और पंजाब की 13 सीटों पर अगली नज़र के साथ- उसे पता है कि अब दक्षिणी मोर्चे में भी सेंध लगाना जरूरी है। कुछ समय से तमिलनाडु पर ध्यान केंद्रित होने की वजह से जाहिर है केरल में विस्तार पर जोर कम रहा। केरल के सर्वप्रिय गुरुवायूर मंदिर गृहक्षेत्र त्रिशूर से पिछले साल पूर्व अभिनेता सुरेश गोपी ने लोकसभा सीट जीतकर भाजपा के खिलाफ रही केरल की वर्जना को तोड़ा था। पार्टी का मानना है कि नायर समुदाय, जो कभी वामपंथियों की रीढ़ हुआ करता था, बहुत जल्द उसकी तरफ झुक जाएगा। भाजपा अपनी इन उम्मीदों में गलत नहीं है। यहां तक कि पिछले कुछ दशकों से केरल के मध्यवर्ग को कट्टर वामपंथी होने के बावजूद पास के मंदिर में जाकर दीया जलाने में कुछ भी गलत नहीं दिखता। बड़ी समस्या, ज़ाहिर है, यह है कि भाजपा के पास अभी भी राज्य में नेतृत्व करने के लिए कोई उचित चेहरा नहीं है- पूर्व आईटी मंत्री राजीव चंद्रशेखर काफी पढ़े-लिखे हैं और थरूर से तिरुवनंतपुरम छीन भी सकते थे, सिवाय इसके कि उन्होंने ऐसा किया नहीं। इसलिए जब चार बार के कांग्रेस सांसद ने पिछले हफ़्ते कहा 'अगर पार्टी मेरी ताकत का इस्तेमाल करना चाहती है, तो मैं बना रहूंगा, अगर नहीं, तब मेरे पास दूसरे विकल्प हैं', तो पूरे देश में चटपटी राजनीतिक चर्चा छिड़ गई। तो क्या थरूर कांग्रेस छोड़कर भाजपा या वामपंथ में शामिल होंगे? क्या वे कांग्रेस के भीतर ज़्यादा जगह बनाने को कसमसा रहे हैं, उदाहरण के लिए, मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार बनने की खातिर दबाव डालना? ऐसे में केरल की तिकड़ी–प्रियंका गांधी, राहुल गांधी और वेणुगोपाल- क्या थरूर को मनाने में भूमिका निभाएगी? क्या संयुक्त राष्ट्र के पूर्व राजनयिक भारतीयता के आकर्षण को त्यागकर न्यूयॉर्क वापस लौट जाएंगे, और अपनी 30वीं किताब लिखेंगे? तथ्य यह है कि भले ही केरल में थरूर की ज़मीनी पकड़ रमेश चेन्निथला, वीडी सतीसन और केसी वेणुगोपाल जैसे नेताओं जितनी मज़बूत न हो, लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर मशहूर वे ही हैं, न कि ये तीनों- वेणुगोपाल भी नहीं, हालांकि, उन्हें गांधी परिवार का मज़बूत समर्थन हासिल है। बेशक, यह कहना अभी बहुत जल्दबाजी होगी, लेकिन अगर रामचंद्र गुहा जैसे बुद्धिजीवी थरूर का समर्थन कर रहे हैं, तो केरल में भी ज़मीन थोड़ी बदल सकती है। बिना शक यह दलील सबको पता है। यह उस व्यक्ति का साथ देने जैसा है जो ठंडे मुल्क से केवल 2009 में आया और फिर भी चार बार लोकसभा सीट जीतने में सक्षम रहा –यह उपलब्धि कोई छोटी नहीं है। इसके अलावा थरूर वेणुगोपाल नहीं हैं, जिनके सिर पर ईश्वर का वरदहस्त है। निश्चित रूप से, कांग्रेस को प्रथम परिवार की सख्त पकड़ से ढीला करना होगा, जो पार्टी की रोजाना की राजनीति की हर करवट और हरकत का दम घोंट रही है। शशि थरूर की महत्वाकांक्षा–भले ही उनको प्रभावशाली ईसाई एवं हिंदू समुदायों का समर्थन हासिल न हो –इस ओर एक स्वस्थ कदम है। इसी बीच, भाजपा दिनो-दिन अपना भारी-भरकम विजयरथ विन्ध्य पर्वतमाला के पार ले जाने में जोर लगा रही है।

आप का नजरिया

पाक पीएम का हास्यास्पद दावा

भारत पाकिस्तान के बीच क्या तुलना की जा सकती है? भारत अतुलनीय, ताकतवर, विकसित होता राष्ट्र है, जबकि पाकिस्तान को दुनिया के कई देश 'नाकाम देश' करार दे चुके हैं। फिर भी पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने छाती ठोंकते, कुछ उछलते, दावा किया है, मुल्क को भरोसा देने की कोशिश की है कि अगर रब ने चाहा, तो एक दिन पाकिस्तान हिंदुस्तान से आगे होगा! हम खूब मेहनत करेंगे, तो इंशाल्लाह हिंदुस्तान से आगे जरूर जाएंगे। पाकिस्तान के वजीर-ए-आजम की यह गालबजाई हास्यास्पद है। भारत और पाकिस्तान एक साथ स्वतंत्र और संप्रभु देश बने थे, लेकिन आज भारत विश्व की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और पाकिस्तान 45वें स्थान पर है। भारत का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) फिलहाल 336 लाख करोड़ रुपए का है, जबकि पाकिस्तान की कुल अर्थव्यवस्था मात्र 32 लाख करोड़ रुपए की है। भारत की अर्थव्यवस्था 10 गुना अधिक है। पाकिस्तान भीख और दान पर जिंदा है। हाल ही में उसने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से 60,000 करोड़ रुपए का उधार मांगा है। कर्ज भारत सरकार पर भी है, लेकिन हमारा प्रधानमंत्री देश-विदेश कर्ज की गुहार लगाता नहीं घूमता। पाकिस्तान कभी चीन, कभी सऊदी अरब या संयुक्त अरब अमीरात, तो कभी कतर आदि देशों से भीख मांगता रहा है। बदले में उसे मुल्क की जमीन-जायदाद पैसा देने वाले देशों को सौंपनी पड़ती है। वहां वे देश अपनी परियोजनाओं को विस्तार देते हैं। भारत और पाकिस्तान की तुलना किस आधार पर की जा सकती है? भारत की आर्थिक विकास दर 8 फीसदी से भी ज्यादा रही है। बजट में 2025-26 की विकास दर भी 6 फीसदी से अधिक आंकी गई है, जबकि पाकिस्तान की विकास दर मात्र 2.38 फीसदी है। इसमें भी कितनी हकीकत है और कितना फसाना है? भारत सरकार अब भी 81 करोड़ से अधिक नागरिकों में प्रति माह मुफ्त अनाज बांट रही है, जबकि पाकिस्तान में आटे की एक बोरी के लिए भी मारा-मारी मची है। मुद्रास्फीति की दर असहनीय है। लोग अनाज और अन्य रोजमर्रा की चीजों के लिए लंबी-लंबी कतारों में लगे रहते हैं, फिर भी असंख्य हाथ खाली रहते हैं। आजीविका मुश्किल है, तो आबोदाना भी नसीब से ही मिल रहा है। यह पाकिस्तान हिंदुस्तान से आगे बढ़ेगा? पाकिस्तान ने आईएमएफ से जितना उधार मांगा है, उतनी तो भारत सरकार खाद पर सबसिडी दे देती है। लोकसभा में पेश किए गए बजट में संघशासित क्षेत्र जम्मू-कश्मीर के लिए ही 41,000.07 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री कितना भी उछलते रहें या छाती ठोंक लें, लेकिन हजारों साल तक पाकिस्तान भारत को पीछे नहीं कर सकता। उन्होंने यह दावा तब किया है, जब अमरीकी संसद में एक प्रस्ताव रखा गया है कि पाकिस्तान में जम्हूरियत (लोकतंत्र) ही नहीं है। वहां के सेना प्रमुख और आतंकियों में नापाक गठजोड़ है। हुकूमत असहाय है। अमरीकी संसद ने पाकिस्तान के सेना प्रमुख पर 'पाबंदी' लगाने तक की बात कही है। भारत के राजनयिक क्षितिज त्यागी ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के मंच पर पाकिस्तान को न केवल 'नाकाम देश' करार दिया, बल्कि यह भी कहा कि ऐसे देश पर चर्चा करने में परिषद कीमती वक्त बर्बाद कर रही है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज युवाओं की बेरोजगारी दूर हो सकती हैं दिन अच्छा है फैशन डिजाईन मे करियर बना रहे हैं तो आज आगे बढ़ने के मौके मिल सकते हैं. आपका कॉन्फिडेंस लेवल हाई रहेगा जिससे जोखिम भरे कामों में सफलता मिल सकती है. पैसों और बिजनेस के मामलों पर ध्यान देना होगा. सामाजिक सम्मान भी बढ़ सकता है. पारिवारिक संबंधों में सुधार के योग बन रहे हैं. आज सेहत के मामले मे खर्चा ज्यादा होगा ध्यान रखने की जरुरत है

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज भाग्य प्रबल हैं काम फटाफट बनेंगे और आप कन्स्ट्रक्शन मे कार्यरत हैं सरकारी उच्च अधिकारियों से विशेष सहयोग प्राप्त करेंगे. आप अपने सभी प्रयासों में सफल होंगे. आपके पास नए अधिग्रहण हो सकते हैं. आपका पारिवारिक–जीवन आरामदायक परिवेश से खुश रहेगा और सामाजिक रूप से आप अधिक लोकप्रियता हासिल करेंगे. रिश्तेदारों और दोस्तों के साथ आपके संबंध अधिक सौहार्दपूर्ण बनेंगे.स्वास्थ्य एकदम चुस्त रहेगा

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज छात्रों के लिए दिन अच्छा हैं आप को दूसरों की मदद करना चाहिए आप को भी उतना ही लाभ मिलेगा जॉब में प्रगति होगी. जैसे ही आप हालात पर पकड़ बनाने की कोशिश शुरू करेंगे, आपकी घबराहट गायब हो जाएगी. रिस्क लें सकते हैं किसी ऐसे इंसान का साथ पाने की कोशिश करें जो आपकी भावनाओं को समझता हो और आप उसकी. खर्चा ज्यादा होगा संतान पक्ष से बेफिक्री रहेगी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज शिवजी की पूजा करनी चाहिए जिससे आप की नये कार्यों में रुचि बढ़ेगी, जिससे आपको कुछ नया सिखने को मिलेगा. आज आप फिजूल के खर्च को कम करने का प्रयास करेंगे, तो आपके भविष्य के लिए पैसे इकट्ठे करने में आसानी होगी। ऑफिस में आज समय ज्यादा देना पडेगा जिससे रुका हुआ काम जल्दी पूरा हो जाएगा नया बिजनेस शुरू करें तो फायदा होना तय है. आज स्वास्थ्य थोडा कमजोर रहेगा कुछ हल्का भोजन करना अच्छा रहेगा ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

छोटी कन्या को खिर का भोजन कराए जिससे आप का रुका हुआ पैसा मिलने के योग बनेंगे किसी से उधार पैसा भी लेना पड़ सकता है. आपकी कोशिशें सफल हो जाएगी. जो आपके लिए बहुत हद तक फायदेमंद हो सकती है. जीवनसाथी सेसहयोग मिलेगा. आज आपकी कोई इच्छा पूरी हो जाएगी. घर मे वैवाहिक प्रसंग का माहौल रहेगा नयी रिश्तेदारी बन सकती हैं मित्रों का सहयोग पूरा रहेगा ।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज का दिन मिला झुला रहेगा कुछ काम भी बनेंगे कही पर काम अटकेगा भी परन्तु चिंतित होने की आवश्यकता नही हैं कठिन समय के बाद आखिरकार आप अपने चेहरे पर मुस्कान के साथ आराम कर सकते हैं. आप अपनी कड़ी मेहनत और श्रम के लिए इनाम की उम्मीद कर सकते हैं. आपको अपनी नौकरी में पदोन्नति मिलेगी. बेहतर होगा, प्रेम संबंधों को सार्वजनिक करने से बचना होगा आज ठंडी चिजों से परहेज करें गर्म भोजन गर्म तरल पदार्थ ही लें स्वास्थ्य अच्छा रहेगा क्योंकि गले सम्बंधित तकलीफ बन सकती हैं

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज समय पर सभी काम हो जाएंगे जिससे आप की खुशी का ठिकाना नही रहेगा जिससे परिवार में भी उत्सव का वातावरण छाया रहेगा, जिससे आपका मन प्रफुल्लित रहेगा. छात्रों को नये कोर्स मे सफलता बनती हुई दिख रही हैं कला से जुड़े लोगों को तरक्की मिलेगी. किसी तीसरे इंसान का दखल आपके और आपके प्रिय के बीच गतिरोध पैदा करेगा. किसी बड़े समारोह में भाग लेने का अवसर मिलेगा.आप को काम से फुर्सत मिलते ही धार्मिक यात्रा करनी चाहिए

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आपका दिन अच्छा रहेगा. आज आप रुठे हुए लोगों और बिगड़े हुए रिश्तों को मनाने की कोशिश करेंगे, हो सकता है कि रुठे हुए लोग मान भी जाएं. आज प्रतियोगी अपने करियर के लिए अपने सीनियर्स से परामर्श ले सकते हैं, साथ ही कुछ नए कोर्स की जानकारी भी लेते रहें .आज अविवाहित लोगों के लिए ,कोई रिश्ता आ सकता है. हो सकता है कि शादी फिक्स भी हो जाएं. इससे आपके रिश्तों में नजदीकियां बढ़ेगी. आज स्वास्थ्य अच्छा रहेगा.

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

अगर कुछ नया करना चाह रहें तो तकनीकी क्षेत्र मे भाग्य आजमाएं सफलता मिलेगी अगर नौकरी में हैं तो पदोन्नति की संभावना बन रही है. खुद का कोई बिजनेस है तो उस पर पूरा ध्यान रहेगा. बिजनेस और कामकाज से जुड़ी परेशानियां खत्म होंगी. फालतू भाग–दौड़ खत्म हो सकती है. आपके लिए दिन अच्छा रहेगा. घर और ऑफिस, दोनों जगह का माहौल आपके लिए खुशनुमा रहेगा.दिन भर की भागम–दौड के बाद शाम के समय थकान हो सकती हैं

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

बच्चों के पक्ष से आप बेफिक्र रहेंगे बच्चे अपने करियर के लिए अच्छी प्लानिंग करते हुए आगे बढेंगे आप को पारिवारिक सम्बन्ध मे मुश्किलें दिखाई दे रही हैं तो अपने वरिष्ठों से सहायता और मार्गदर्शन लेना चाहिए आप अपने कार्य स्थल पर प्रशंसा के पात्र रहेंगें, जो आपकी संतुष्टि को बढ़ाएगा. अगर किसी को प्रपोज़ करने की योजना है तो ऐसा करने के लिए यह एक आदर्श समय नहीं है.परिवार मे स्वास्थ्य सम्बन्धित परेशानी आप को टेंशन दे सकती हैं ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज व्यापार के हिसाब से दिन लाभकारी हैं धन की तकलीफ दूर होगी कर्ज लेने की जरुरत नही पडेगी रिश्तेदारों को लेकर जीवनसाथी के साथ नोंकझोंक हो सकती है. आज विवाहित पारिवारिक समस्याओं को जीवनसाथी से साझा करें तो हल जरूर निकलेगा. संतान की ओर से शुभ समाचार मिलेगा. सेहत अच्छी रहेगी. संतान का सुख मिलगा. अगर आप नौकरी के लिए आवेदन या किसी छात्रवृत्ती के कागजों पर काम कर रहे हैं तो पूरी तरह से सतर्क रहें. सुबह योग करें प्राणायाम करें शाम को तरल और गर्म भोजन करें स्वास्थ्य रहेंगे।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज हनुमानजी को चूरमे का भोग लगाए कपूर आरती करें दिनजनो को मिष्ठान वितरित करें आपका दिन खुशियों से भरा होगा. काम–धंधे में आज आपका मन लगेगा. अगर आज किसी जरूरी काम को पूरा करने की सोच रहे हैं, तो वह समय से पहले पूरा कर लेंगे, लेकिन आपको पहले से योजना बनाकर चलने की जरूरत है. किसी नयी जमीन से संबंधित कोई लेन–देन करने जा रहे हैं, तो बेहतर होगा कि पहले उसकी अच्छे से जांच–पड़ताल जरूर कर लें. लेकिन अपनों के सहयोग से आपकी परेशानी दूर हो जाएगी.शाम के वक्त बच्चों को साथ घूमने जा सकते हैं

मंगलवार का पंचांग

दिनांक : 04 मार्च 2025, मंगलवार
विक्रम संवत : 2081
मास : फाल्गुन , शुक्ल पक्ष
तिथि : पंचमी दोपहर 03:19 तक
नक्षत्र : भरणी रात्रि 02:38 तक
योग : ऐन्द्र रात्रि 02:06 तक
करण : बालव दोपहर 03:19 तक
चन्द्रराशि : मेष
सूर्योदय : 06:32 , सूर्यास्त 06:23 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:34 , सूर्यास्त 06:28 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:27 , सूर्यास्त 06:21 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:23 , सूर्यास्त 06:15 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : पूर्वाभाद्रपदा में रवि सायं 06:40 से , याज्ञवल्क्य जयंती

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

1600 मेगावाट की थर्मल और 1500 मेगावाट की नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाएं होंगी स्थापित : भजनलाल शर्मा

जयपुर, 03 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार ने प्रदेश में सुदृढ़ प्रसारण तंत्र एवं थर्मल और अक्षय ऊर्जा के उत्पादन में महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। इन दूरगामी निर्णयों से राजस्थान जल्द ही देश में ङ्कऊर्जादाताफ की भूमिका में उभरेगा। उन्होंने कहा कि राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (आरवीयूएनएल) तथा केन्द्र सरकार और तेलंगाना सरकार के उपक्रम सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) के बीच संपादित हुआ एमओयू प्रदेश में बिजली उत्पादन एवं आपूर्ति की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड एंव राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड के मध्य आयोजित समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश का सबसे बड़ा राज्य होने के साथ ही राजस्थान सौर ऊर्जा में अपार संभावनाओं वाले राज्य के रूप में उभर रहा है। जल्द ही राजस्थान ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनेगा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार प्रदेश के किसानों को 2027 तक दिन में बिजली उपलब्ध कराने की दिशा में नीतिगत निर्णय लेते हुए उनका समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित भी कर रही है।

शर्मा ने कहा कि एमओयू के तहत 1600 मेगावाट क्षमता की थर्मल आधारित परियोजनाएं तेलंगाना में स्थापित होंगी। इसमें से 800-800 मेगावाट बिजली तेलंगाना एवं राजस्थान दोनों राज्यों को मिलेगी। इसके अतिरिक्त राजस्थान में 1500 मेगावाट का सोलर पार्क स्थापित किया जाएगा, जिसके लिए आरवीयूएनएल ने भूमि भी चिन्हित कर ली है। इस पार्क में लगभग 6 हजार करोड़ रुपये का निवेश होगा और रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। इन सभी परियोजनाओं की कुल अनुमानित लागत 22 हजार करोड़ रुपये है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वच्छ ऊर्जा नीति–2024 में राजस्थान द्वारा 2030 तक 125 गीगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। हमने परंपरागत एवं नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से 54 हजार मेगावाट से अधिक विद्युत क्षमता के लक्ष्य को वर्ष 2031–32 तक प्राप्त करने की दिशा में दूरगामी निर्णय लिए हैं। राज्य सरकार ने केंद्रीय उपक्रमों के साथ 10 मार्च, 2024 को तथा राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्–वेस्टमेंट समिट के दौरान कुल 2 लाख 28 हजार 800 करोड़ रुपये के निवेश समझौते किए। साथ ही, पॉवर ग्रिड कॉरपोरेशन तथा आरवीयूएनएल के मध्य 10 हजार करोड़ का निवेश एमओयू भी किया गया है। मुख्यमंत्री ने आशा व्यक्त करते हुए कहा कि संबंधित पीएसयू, विभाग एवं एजेंसियां इन परियोजनाओं को जल्द पूरा कर प्रदेश और देश की बिजली जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।

तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री एवं ऊर्जा मंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि राजस्थान की अपार सौर ऊर्जा एक बेहतर भविष्य सुनिश्चित कर रही है। तेलंगाना की थर्मल ऊर्जा उत्पादन में दक्षता एवं राजस्थान की असीमित सौर क्षमता के लिए संपादित हुआ यह एमओयू ऊर्जा क्षेत्र में एक नया अध्याय लिखेगा। ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर ने कहा कि ऊर्जा विभाग तेलंगाना सरकार के साथ बेहतर सामंजस्य स्थापित करते हुए इन परियोजनाओं का त्वरित क्रियान्वयन सुनिश्चित करेगी।

खान विभाग की कार्रवाई : अवैध बजरी परिवहन करते बिना नंबर के 2 डंपर और 1 ट्रेलर जब्त किए

एक सप्ताह में 3 जेसीबी, 1 कंप्रेसर, डंपर ट्रेलर, ट्रॉली सहित 28 वाहन जब्त

जयपुर, 03 मार्च (एजेंसियां)। माइंस विभाग की जयपुर ने सोमवार तड़के जयपुर के आसलपुर में कार्रवाई करते हुए दो बिना नंबर के डंपर, एक ट्रेलर सहित 3 वाहनों को बजरी का अवैध परिवहन करते हुए जब्त किया है। खान विभाग जयपुर ने अधीक्षण खनि अभियंता एनएस शक्तावत एवं अधीक्षण खनि अभियंता सतर्कता प्रताप मीणा के निर्देशन में एमई जयपुर श्याम कापड़ी की टीम ने एक सप्ताह में 28 वाहन जब्ती की कार्रवाई करते हुए संबंधित पुलिस थानों के सुपुर्द किया है।एमई जयपुर श्याम कापड़ी ने बताया कि खनि कार्यदेशक विश्राम मीणा, सोनू अवस्थी एवं सुधीर कुमार मय बॉर्डर होमगार्ड की टीम द्वारा 3 मार्च को अल सुबह बजरी के अवैध परिवहन करते 2 बिना नंबरी डंपर एवं 1 ट्रेलर आरजे 47 जीबी 2238 को आसलपुर रेलवे फाटक के पास पकड़कर पुलिस थाना जोबनेर सुपुर्दगी में दिये गये । कार्रवाई के दौरान खान विभाग द्वारा तीनों वाहनों पर लगभग 15 लाख से भी अधिक राशि का जुर्माना आरोपित किया गया। इसके अलावा दो डंपरों के बिना नंबर के होने के कारण अग्रिम कार्रवाई हेतु संबंधित परिवहन विभाग कार्यालय को भी सूचित किय गया है।

खनि अभियंता श्याम कापडी ने बताया कि अवैध खनन/निर्गमन के विरूद्ध जीरो टॉलरेंस अपनाते हुए पिछले सप्ताह में निकट ग्राम दांतली, सांगानेर में खनिज मैसनरी स्टोन का अवैध खनन करते हुए पाये जाने पर 03 जेसीबी मशीन, 02 डम्पर, 03 ट्रेक्टर ट्रॉली, 01 कम्प्रेसर मशीन और 01 डम्पर खनिज बजरी का अवैध परिवहन करते हुए पाये जाने पर पुलिस थाना शिवदासपुरा की सुपुर्दगी में दिया गया। अवैध खनिज निर्गमन करते हुए पाये जाने पर 4 डम्पर, 02 ट्रेक्टर ट्रॉली को पुलिस थाना फागी में, 4 ट्रेक्टर ट्रॉली पुलिस थाना सांगानेर सदर में, 01 डम्पर पुलिस थाना माधोर–ाजपुरा, 01 डम्पर पुलिस थाना रेनवाल मांझी, 3 डम्पर पुलिस थाना जोबनर की सुपुदगी में दिया गया। इस प्रकार कुल 18 प्रकरणों मे जब्त 03 जेसीबी मशीन, 01 कम्प्रेसर मशीन, 12 डम्पर, 9 ट्रेक्टर ट्रॉली से राशि रू. 48 लाख की वसूली की कार्यवाही की जा रही है।

बिजयनगर रेप–ब्लैकमेल कांड

आरोपी पूर्व पार्षद पर वकीलों ने किया हमला, कोर्ट ने 11 मार्च तक भेजा जेल

अजमेर, 03 मार्च (एजेंसियां)। ब्यावर के बिजयनगर में नाबालिग लड़कियों के साथ रेप और ब्लैकमेलिंग के मामले में गिरफ्तार पूर्व पार्षद हाकिम कुरैशी पर अजमेर पॉक्सो कोर्ट में पेशी के दौरान वकीलों ने हमला कर दिया। कोर्ट ने आरोपी को 11 मार्च तक न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया है।इस मामले में पुलिस अब तक 13 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है, जिनमें 9 आरोपी जेल में हैं और 3 नाबालिग बाल सुधार गृह में हैं। पुलिस ने पूर्व पार्षद हाकिम कुरैशी को गिरफ्तार कर रिमांड पर लिया था, जिसकी अवधि पूरी होने पर उसे आज अजमेर पॉक्सो कोर्ट में पेश किया गया। पेशी के दौरान वकीलों ने आरोपी पर हमला कर दिया, हालांकि पुलिस ने स्थिति को संभालते हुए उसे सुरक्षित बाहर निकाला।

सरकारी वकील रूपेंद्र परिहार ने बताया कि जांच में सामने आया है कि पूर्व पार्षद हाकिम कुरैशी अन्य आरोपियों का सहयोगी था। वह बच्चियों का रास्ता रोकने और उन्हें होटल एवं कैफे में जाने के लिए मजबूर करने में शामिल था। पुलिस ने उसकी संपत्ति और बैंक अकाउंट से संबंधित जानकारी भी कोर्ट में पेश की, जिसके बाद कोर्ट ने उसे न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया।बिजयनगर थाना पुलिस ने इस मामले में अब तक 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में सोहेल, रेहान, श्रवण जाट, करीम, आशिक, लुकमान, अफराज, पूर्व पार्षद हाकिम कुरैशी, जावेद और कैफे संचालक सांवरमल शामिल हैं।

इस घटना के बाद से क्षेत्र में आक्रोश है और कई स्थानों पर विरोध प्रदर्शन किए जा रहे हैं। अजमेर, ब्यावर, भीलवाड़ा सहित कई शहरों में बाजार बंद किए गए और आरोपियों को फांसी देने की मांग उठाई गई। अजमेर के श्रीनगर कस्बे में भी आज बंद रहा, जबकि नगोला कस्बे में कल बंद का आह्वान किया गया है।15 फरवरी को एक नाबालिग ने बिजयनगर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके बाद एक अन्य नाबालिग ने भी मामला दर्ज कराया। इसके बाद तीन अन्य लड़कियों के परिजनों ने भी शिकायत दी।

आगामी बजट में प्रमुख सुझावों को शामिल कर और तीव्र गति से सुनिश्चित किया जाएगा हरियाणा का विकास : नायब सिंह

चंडीगढ़, 03 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा सरकार द्वारा सभी हितधारकों के साथ बजट पूर्व परामर्श की शुरू की गई पहल को आगे बढ़ाते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज सभी कैबिनेट एवं राज्य मंत्री, विधायकों एवं प्रशासनिक सचिवों से चर्चा कर एक समावेशी बजट की परिकल्पना को साकार करने के लिए वित्त वर्ष 2025–26 के बजट पर उनके सुझाव लिए।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में आज पंचकूला के रेड बिशप में दो दिवसीय बजट पूर्व परामर्श का पहला सत्र आरंभ हुआ।

उल्लेखनीय है कि प्रदेश सरकार द्वारा गत 6 वर्षों से बजट पूर्व परामर्श कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस वर्ष भी पिछले कई दिनों से लगातार सेक्टरवाइज बैठकें आयोजित कर सभी हितधारकों से सुझाव लिए जा चुके हैं। सर्वप्रथम 2 जनवरी को गुरुग्राम में इंडस्ट्री एसोसिएशन और चार्टेड अकाउंटैंट्स के साथ बैठक कर उनके महत्वपूर्ण सुझाव लिए गए।

इसी प्रकार, हिसार में कृषि वैज्ञानिकों, एफपीओ और कृषि से संबंधित लोगों एवं प्रगतिशील किसानों से बातचीत कर बजट पर सुझाव लिए गए । तत्पश्चात, स्टार्टअप से चर्चा की, युवाओं से बजट पूर्व परामर्श कर सुझाव लिए, महिला उद्यमियों, महिला प्रतिनिधि, सेल्फ हेल्प ग्रुप, नमो ड्रोन दीदी, टेक्सटाइल इंडस्ट्री आदि से चर्चा कर समावेशी बजट बनाने के लिए सुझाव और चर्चा की गई। इसके अलावा पहली बार ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से भी प्रदेश के प्रबुद्ध नागरिकों से सुझाव आमंत्रित किए गए हैं अब तक पोर्टल पर लगभग 10,000 सुझाव प्राप्त हुए हैं ।

नायब सिंह सैनी, जिनके पास वित्त मंत्रालय का प्रभार भी है, ने कहा कि एक समावेशी बजट की परिकल्पना को साकार करने के लिए इस बजट पूर्व परामर्श कार्यक्रम में आज 3 मार्च को पहले दिन सत्ता पक्ष और विपक्ष के विधायकों ने भी अपने सुझाव रखे। मुख्यमंत्री ने कहा की इन महत्वपूर्ण सुझावों को आने वाले बजट में शामिल कर लोगों के जीवन को और सरल करने का काम किया जायेगा। उन्होंने कहा कि विभिन्न वर्गों से प्राप्त बेहतरीन सुझावों को आने वाले प्रदेश के बजट में समाहित कर प्रदेश के 2.80 करोड़ लोगों के हित का बजट प्रस्तुत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार के तीसरे कार्यकाल का यह पहला बजट होगा जोकि प्रदेश के नॉन स्टॉप विकास को और गति प्रदान करेगा।

नायब सिंह सैनी ने सभी विधायकों द्वारा साझा किए गए सुझावों को ध्यान से सुना और उन्हें आश्वासन दिया कि आगामी बजट में प्रमुख सुझावों को शामिल कर और तीव्र गति से प्रदेश का विकास सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बजट न केवल तत्काल जरूरतों को संबोधित करेगा बल्कि दीर्घकालिक उद्देश्यों को प्राप्त करने पर भी ध्यान केंद्रित करेगा।

इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण, विधानसभा उपाध्यक्ष डॉ कृष्ण कुमार मिड्ढा, सभी मंत्रीगण, विधायकगण, मुख्य सचिव अन–ुराग रस्तोगी, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर सहित प्रदेश सरकार के तमाम वरिष्ठ अधिकारीगण भी उपस्थित रहे।

ज्ञात रहे कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बजट पूर्व परामर्श में हिस्सा लेने के लिए बाक़ायदा सभी विधायकों को स्वयं पत्र लिखा था।कल 4 मार्च को बजट पूर्व परामर्श के दूसरे दिन सुबह 9.30 बजे से आरंभ होकर दोपहर बाद एक बजे तक दो सत्र होंगे जिनमें विधायक अपने – अपने सुझाव देंगे।

शासन सचिव ने ली बजट घोषणाओं की समीक्षा बैठक

घोषणाओं तय समयावधि में पूरा करने के दिये निर्देश

जयपुर, 03 मार्च (एजेंसियां)। कृषि एवं उद्यानिकी विभाग के शासन सचिव राजन विशाल ने विभागीय अधिकारियों को बजट घोषणाओं के समयबद्ध एवं बेहतर क्रियान्वयन के लिए त्वरित गति से पूर्ण करने के निर्देश दिये हैं।

शासन सचिव ने सोमवार को पंत कृषि भवन में विभागीय अधिकारियों की बैठक में बजट 2025–26 की घोषणाओं के अनुसार और आवश्यकता के अनुरूप सभी योजनाओं को तय समयावधि में पूर्ण करने के निर्देश दिये।

उन्होंने वर्ष 2025–26 की बजट घोषणाओं से सम्बन्धित मुद्दों एवं बजट में शामिल कार्यो की समीक्षा करते हुए कहा कि बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन में आ रही परेशानियों को तत्काल दूर कर प्रभावी रूप से धरातल पर लागू करें, योजनाओं का प्रचार–प्रसार कर ज्यादा से ज्यादा कृषकों को लाभ पहुंचाया जाये।

बैठक में फार्म पौण्ड़, डिग्गी, सिंचाई पाईप लाईन, कृषि यंत्र, तारबंदी, गोवर्धन जैविक उर्वरक योजना, वर्मी कम्पोस्ट इकाई, सोलर, ड्रिप एवं स्प्रिंक्लर, बीज मिनिकिट वितरण, मधुमक्खी पालन, पॉली हाऊस, शेडनेट हाऊस, प्याज भण्ड़ार गृहों सहित अन्य योजनाओं पर विस्तार से समीक्षा की गई तथा आवश्यक दिशा–निर्देश दिये गये।बैठक में आयुक्त कृषि चिन्मयी गोपाल, आयुक्त उद्यानिकी सुरेश कुमार ओला, अतिरिक्त निदेशक कृषि (आदान) गोपाल लाल, अतिरिक्त निदेशक कृषि (विस्तार) एस.एस. शेखावत, अतिरिक्त निदेशक कृषि (अनुसंधान) एच.एस. मीणा, अतिरिक्त निदेशक उद्यान अतर सिंह मीणा सहित विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

बीजेपी सरकार कोरी बयानबाजी छोड़कर किसानों को नुकसान की भरपाई करे : हुड्डा

चंडीगढ़, 03 मार्च (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि प्रदेश में लगातार तीन दिन हुई बारिश और ओलावृष्टि के चलते 12 जिलों में गेहूं और सरसों की फसल को भारी नुकसान हुआ है।

गेहूं की खड़ी फसल खेतों में पूरी तरह बिछ गई है। वहीं सरसों के दाने भी झड़ गए हैं। इसके अलावा पशु चारा, सब्जियां व प्याज जैसी कई फसलों को भी भारी नुकसान हुआ है। इसलिए सरकार को कोरी बयानबाजी छोड़कर तुरंत किसानों को हुए नुकसान की गिरदावरी करवानी चाहिए और उन्हें उचित मुआवजा देना चाहिए।

जनवरी में भी ओलावृष्टि के चलते फसलों को भारी नुकसान हुआ था। उस समय कांग्रेस द्वारा मांग उठाए जाने के बाद सरकार ने गिरदावरी का ऐलान तो किया। लेकिन ना सरकार ने गिरदावरी करवाई और ना ही मुआवजा दिया। 1763 गांव के 5299 किसानों ने खराब हुई 2.6 लाख एकड़ फसलों का ब्यौरा क्षतिपूर्ति पोर्टल पर डाला था। लेकिन अब तक सरकार ने 2.03 लाख एकड़ फसल का वेरिफिकेशन तक नहीं करवाया। इसी तरह हरेक सीजन में किसानों को किसी न किसी तरह की आपदा झेलनी पड़ रही है और सरकार सिर्फ मीडिया में हवाहवाई बयान बाजी करके अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेती है।हुड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना भी सिर्फ कंपनियों के लिए मुनाफा कूटने का जरिए बन गई है। खुद केंद्र सरकार ने संसद में बताया कि बीमा दावों के भुगतान में 90% की भारी गिरावट आई है। योजना के अंतर्गत वर्ष 2022–23 में जहां किसानों को 2,496.89 करोड़ का भुगतान हुआ, वहीं 2023–24 में यह गिरकर सिर्फ 224.43 करोड़ रह गया। यानी भुगतान में जो 90% से अधिक की बड़ी गिरावट आई है।

आईएसआईएस का आतंकी गिरफ्तार

राम मंदिर पर हमले की थी तैयारी

फरीदाबाद, 03 मार्च (एजेंसियां)।

आतंकी संगठन आईएसआईएस ने अयोध्या के राम मंदिर पर हमला करने के लिए अब्दुल रहमान को ट्रेनिंग दी थी। अब्दुल रहमान की गिरफ्तारी के बाद यह खुलासा हुआ है। आतंकी अब्दुल लगातार आईएसआईएस के सम्पर्क में था और अगले आदेश की प्रतीक्षास कर रहा था। फरीदाबाद के बांस रोड पाली से पकड़े गए अब्दुल रहमान (19) को आतंकी संगठन आईएसआईएस ने अयोध्या राम मंदिर पर हमला करने के लिए तैयार किया था। आतंकी संगठन आईएसआईएस की क्षेत्रीय शाखा इस्लामिक स्टेट-खुरासान प्रांत ने इस हमले की साजिश रची थी और ब्रेनवॉश कर अब्दुल रहमान और कुछ अन्य युवकों को अयोध्या में बने राम मंदिर को

लेकर धार्मिक भावनाएं भड़काईं। उन युवकों को मंदिर पर हमले के लिए तैयार किया। आईएसआईएस की यह शाखा पाकिस्तान और अफगानिस्तान में सक्रिय है।

सोमवार को एसटीएफ पलवल और एटीएस गुजरात की संयुक्त टीम ने आतंकी अब्दुल रहमान को फरीदाबाद जिला अदालत में पेश किया। यहां से पूछताछ के लिए उसे 10 दिन के रिमांड पर लेकर टीम एसटीएफ के पलवल यूनिट पहुंची। एसटीएफ के एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस की संयुक्त टीम को यूपी फैजाबाद में आतंकी के घर की तलाशी के लिए भेजा गया है, ताकि इसके घर से भी जरूरी सबूत इकट्ठे किए जा सकें। अब पलवल एसटीएफ यूनिट से आतंकी को शुरुआती पूछताछ के बाद फैजाबाद ले जाने का प्लान है।

केस की जांच से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि आतंकी अब्दुल बीते कई महीने से आतंकी संगठन के सम्पर्क में था। सोशल मीडिया फेसबुक के जरिये इससे सम्पर्क किया गया, जिसके बाद इसे एक ग्रुप में शामिल किया गया। ग्रुप में धर्म विशेष को लेकर आहत करने वाली वीडियो शेयर की जाती थी, जिसके बाद ग्रुप के लोगों को अलग-अलग व्यक्ति कुछ रिकॉर्ड किए गए वीडियो संदेश भी भेजते थे। इन संदेश में अब्दुल और इसके जैसे अन्य युवाओं को कहा जाता था कि तुम्हारे ऊपर अयोध्या में जुल्म हुआ है और अब तुम्हें इसका बदला लेना है। इसी तरह इन्हें हमले के लिए तैयार किया गया।

आतंकी संगठन के कहने पर अब्दुल ने राम मंदिर और उसके आस-पास की रेकी कर वहां की वीडियो बनाई। कई सारी वीडियो इसने आतंकी संगठन के साथ साझा भी की थी। इसके पास से मिले मोबाइल से भी इस तरह की वीडियो बरामद होने की बात कही जा रही है। रेकी की कार्रवाई पूरी होने के बाद अब हमले की तैयारी जोरों पर चल रही थी। इसी के तहत अब इसे हैंड ग्रेनेड लेने के लिए भेजा गया था।

हैंड ग्रेनेड लेने के बाद अब ये आतंकी संगठन के अगले आदेश के आने का इंतजार कर रहा था, लेकिन उससे पहले ही आईबी, गुजरात एटीएस को इसकी जानकारी मिली। उन्होंने अपने सूत्रों से आतंकी की फोटो भी अरेंज कर ली। इसके बाद जानकारी को पलवल एसटीएफ से साझा कर रविवार को सभी टीमों ने मिलकर आतंकी को फरीदाबाद के बांस रोड पाली से गिरफ्तार कर लिया।

विधायकों के फोन नहीं उठाते यूपी के नौकरशाह

शासन को देना पड़ा सख्त कार्रवाई का आदेश

लखनऊ, 03 मार्च (एजेंसियां)।

यूपी के नौकरशाह विधायकों के फोन नहीं उठाते और न कॉल-बैक करते। इसे लेकर योगी सरकार सख्त हुई है और ऐसे नौकरशाहों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए गई हैं। स्थिति इतनी अराजक हो चुकी है कि प्रदेश के मुख्य सचिव के सख्त निर्देश के बावजूद जिलों में भी अफसर विधायकों के फोन नहीं उठा रहे हैं। उन्हें कॉल बैक भी नहीं करते हैं। शासन द्वारा इसका संज्ञान लेते हुए ऐसा आचरण करने वाले अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनिक कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है।

प्रमुख सचिव संसदीय कार्य जेपी सिंह द्वारा सभी अपर मुख्य

सचिव, डीजीपी, मंडलायुक्त एवं डीएम को जारी शासनादेश में कहा गया है कि सांसदों एवं विधायकों के प्रति शिष्टाचार, प्रोटोकॉल एवं सौजन्य प्रदर्शन को लेकर विगत वर्षों में कई शासनादेश जारी किए जा चुके हैं। जिनके अनुपालन के लिए मुख्य सचिव द्वारा बीते दिनों वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए निर्देशित भी किया गया था। इसके बावजूद शासन के संज्ञान में आया है कि कुछ जिलों में विभिन्न अधिकारियों द्वारा विधानमंडल के सदस्यों के फोन नहीं उठाए जा रहे हैं और ना ही कॉल बैक की जाती है।

सदस्यों द्वारा यह मामला सदन एवं संसदीय अनुश्रवण समिति की बैठकों में उठाए जाने से शासन के सामने असहज स्थिति उत्पन्न होती है, जो खेदजनक है। उन्होंने निर्देश दिया है कि सदस्यों के फोन नंबर को अधिकारी अपने फोन पर सेव कर लें। कॉल आने पर उसे रिसीव करेंगे। बैठक में होने पर वह कॉल आने पर प्राथमिकता के आधार पर अनुपलब्ध होने का मैसेज भेजेंगे और यथाशीघ्र कॉल बैक करेंगे। सदस्यों द्वारा बताए प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित कर अवगत कराएंगे। इसमें शिथिलता बरतने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों के खिलाफ अनुशासनिक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने इन निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन कराने को कहा है।

पैसों के लालच में ईसाई बने 32 लोग फिर लौटे सनातन में

जबरन मुसलमान बनाया, मौलवी समेत तीन गिरफ्तार

मुरादाबाद, 03 मार्च (एजेंसियां)।

मुरादाबाद जिले के कुंदरकी थाना क्षेत्र के फरहेदी गांव में कुछ हिंदुओं को बहला-फुसलाकर ईसाई धर्म अपनाने के लिए मजबूर किए जाने का मामला सामने आया है।

एक वीडियो वायरल होने के बाद यह घटना चर्चा में आई। वीडियो वायरल होने के बाद आरएसएस और भाजपा पदाधिकारियों ने गांव में एक पंचायत बुलाई। इस पंचायत के दौरान 32 लोगों ने फिर से हिंदू धर्म अपना लिया। शिव मंदिर में अनुष्ठान करने के बाद ये सभी अपने घर लौट आए।

मुरादाबाद ग्रामीण एसपी कुंवर आकाश सिंह ने बताया कि पुलिस को धर्म परिवर्तन की शिकायत मिली थी। जब पुलिस ने गांव में जांच की, तो संबंधित परिवारों ने लिखित में दिया कि उन्होंने किसी भी तरह का धर्म परिवर्तन नहीं किया है।

दूसरी तरफ, फतेहपुर जिले के मलवा थाना अंतर्गत मीरपुर कुरस्ती गांव में जबरन धर्मांतरण का मामला सामने आया। हिंदू युवक राम मनोहर का जबरन मुनव्वर बना दिया गया। जानकारी होने पर राम मनोहर के परिजनों ने विरोध किया।

इस विरोध पर अभियुक्तों ने उन लोगों को भी जान से मारने की धमकी दी।

राम मनोहर के पिता ने पुलिस में तहरीर दी जिसके आधार पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मौलवी समेत अन्य दोनों अभियुक्तों हकीम शाह और तौफीक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

संभल का दीपा सराय आतंकियों और अपराधियों का गढ़

इसीलिए पुलिस चौकी बनाने का लिया गया निर्णय

संभल, 03 मार्च (एजेंसियां)।

संभल के अति संवेदनशील दीपा सराय में अपराधियों पर निगरानी के लिए तीन मंजिला पुलिस चौकी बनाए जाने का काम गति पर है। सोमवार को एएसपी और सीओ की मौजूदगी में नींव की खुदाई कर कार्य शुरू किया गया। हाई क्वालिटी कैमरों से लैस इस चौकी में पुलिसकर्मियों के रहने की भी व्यवस्था होगी। संभल के पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने कहा, बवाल के बाद शहर में सतर्कता बढ़ाई है। इसी क्रम में पुलिस चौकियों का निर्माण कराया जा रहा है। इससे पीड़ित लोगों को पुलिस की मदद जल्द मिल सकेगी और निगरानी भी पूरी तरह हो सकेगी।

अति संवेदनशील संभल के मोहल्ला दीपासराय में पुलिस चौकी बनेगी। सोमवार को निर्माण के लिए जेसीबी से नींव की खोदाई कराई गई। इस दौरान एएसपी श्रीषचंद्र और सीओ असमोली कुलदीप सिंह मौजूद रहे। उन्होंने बच्चों को मिठाई बांटकर कार्य का शुभारंभ कराया। एएसपी ने कहा

कि दीपा सराय ऐसा इलाका है जहां आतंकी व अन्य तरह के पेशेवर अपराधी रहते हैं। इसलिए सतर्कता जरूरी है। इसलिए पुलिस चौकी का निर्माण कराया जा रहा है। एएसपी बताया कि मोहल्ला दीपासराय में निर्माण होने वाली इस पुलिस चौकी को 1000 स्क्वायर फीट में निर्माण कराया जा रहा है।

तीन मंजिला इस भवन में हाई क्वालिटी के कैमरे लगाए जाएंगे। जिससे पूरे इलाके की निगरानी की जा सके। बताया कि यह इलाका अपराध की दृष्टि से अति संवेदनशील है। अपराधियों की गतिविधियों पर पूरी निगरानी के लिए इस पुलिस चौकी के निर्माण का निर्णय लिया गया है। इस तीन मंजिल भवन में पुलिसकर्मियों के रहने की पर्याप्त व्यवस्था रहेगी। मालूम हो कि संभल में 24 नवंबर को जामा मस्जिद सर्वे के दौरान बवाल हो गया था। इस दौरान नगर में कई स्थानों पर घटनाएं हुईं। दीपा सराय इलाके में दरोगा शाह फैसल पर जानलेवा हमला किया गया और लूटपाट की गई थी।

इससे पहले भी दीपासराय मोहल्ले में कई बार माहौल खराब होता रहा है। पुलिस पर हमले किए गए हैं। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने चेकपोस्ट तो इस इलाके में बनाया था लेकिन पुलिस चौकी का निर्माण करने के लिए अब निर्णय लिया गया है। हिंदुपुरा खेड़ा में तुर्तीपुर इल्हा रोड पर पुलिस चौकी का निर्माण कार्य शुरू हो चुका है। इसके लिए पिलर लगाए गए हैं। जल्द ही इसका निर्माण कार्य पूरा होगा। यह इलाका भी 24 नवंबर को बवाल की जद में आ गया था। सैकड़ों की संख्या वाली भीड़ ने डीएम और एसपी पर हमला कर दिया था।

छतों से फायरिंग की गई थी। इस इलाके में भी पुलिस को असहजता हुई थी। हालांकि बाद में हालात पर काबू पा लिया गया था।

जिस समय पुलिस पर हमला किया गया था तब मुरादाबाद कमिश्नर व डीआईजी भी साथ थे। इसी बवाल को देखते हुए पुलिस चौकी निर्माण का निर्णय हुआ था। यह पुलिस चौकी भी नखासा थाना क्षेत्र के अंतर्गत ही रहेगी।

नखासा थाना क्षेत्र के रिठाली में भी पुलिस चौकी का निर्माण शुरू कराया गया है। यह पुलिस चौकी हिंदूपुरा खेड़ा से करीब तीन किलोमीटर दूर स्थित होगी। सोमवार को नींव की खोदाई शुरू कराई गई ।

इस पुलिस चौकी के निर्माण से हादसे होने पर घायलों को जल्द उपचार मिल सकेगा। जामा मस्जिद के नजदीक स्थित सत्यव्रत पुलिस चौकी का निर्माण तेजी से चल रहा है। दूसरी मंजिल पर काम जारी है। पहली मंजिल का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। सौंदर्यीकरण का काम बाकी है। माना जा रहा है कि इस महीने में ही पुलिस चौकी में स्टाफ की तैनाती हो जाएगी। जिसके बाद सुरक्षा बढ़ेगी।

होली पर शाहजहां शहर में धूमधाम से निकलेंगे लाट साहब

ढंके जा रहे धार्मिक स्थल, 300 साल पुरानी है परंपरा

शाहजहांपुर, 03 मार्च (एजेंसियां)।

शाहजहांपुर में होली के मौके पर लाट साहब का जुलूस निकाला जाता है। एक व्यक्ति को लाट साहब बनाकर भैंसागाड़ी से शहर में घुमाया जाता है। इस दौरान लोग रंगों के साथ जूते-चप्पल बरसाते हैं। इस अनूठी परंपरा को लेकर पुलिस प्रशासन तैयारियों में जुटा है।

शाहजहांपुर में होली पर निकलने वाले लाट साहब के जुलूस को लेकर तैयारियां हो रही हैं। पुलिस संभ्रांत लोगों के साथ पीस कमेटी की बैठक कर रही है। चौक कोतवाली में 980 लोगों की चालानी रिपोर्ट अधिकारियों को भेजी गई है।

इनके खिलाफ पुलिस कार्रवाई कर सकती है। रविवार शाम एडीजी जोन रमित शर्मा ने पुलिस लाइन में पहुंचकर तैयारियों की समीक्षा की। वहीं, जुलूस मार्ग पर स्थित धार्मिक स्थलों को तिरपाल से ढंका जा रहा है ताकि सौहार्द कायम रहे। इसी क्रम में जुलूस मार्ग की बैरिकेडिंग कराने का काम भी शुरू हो गया। ईदगाह

कमेटी के सचिव सैयद कासिम रजा ने मांग की है कि जुलूस रूट के स्थलों को ही ढंका जाए, जो धार्मिक स्थल रूट पर नहीं है, उन्हें न ढंका जाए। उधर, बड़े लाट साहब जुलूस के आयोजक संजय वर्मा ने बताया कि जुलूस को लेकर तैयारियां तेजी से चल रही हैं। पुलिस प्रशासन भी तैयारियां कर रहा है।

रविवार को एडीजी ने पुलिस लाइन के सभागार में जुलूस को लेकर तैयारियों की जानकारी ली गई। उन्होंने होली पर अलग-अलग स्थानों पर निकलने वाले जुलूस के बारे में पूछा, साथ ही गत वर्ष की स्थिति का जायजा लिया। संवेदनशील व अति संवेदनशील स्थानों की जानकारी ली। एडीजी ने अभी तक हुई कार्रवाई का ब्योरा भी तलब किया। उन्होंने कहा कि सुरक्षा में चूक नहीं होनी चाहिए। वहीं दूसरी ओर बड़े लाट साहब का जुलूस चौकसी से निकलता है। इस जुलूस पर पिछली बार सदर क्षेत्र में पुलिस की गाड़ी को हुड़दंगियों ने निशाना बनाया था। इसे लेकर पुलिस ने विशेष सतर्कता बरत रही है। चौक कोतवाली पुलिस ने 980 लोगों की चालानी रिपोर्ट बनाई है, साथ ही सीसीटीवी कैमरे की निगरानी भी रखी जाएगी। ड्रोन कैमरे भी हुड़दंगियों पर नजर रखेंगे।

होली के मौके पर लाट साहब के पांच जुलूस निकाले जाते हैं। सबसे ज्यादा बड़े और छोटे लाट साहब को लेकर पुलिस चिंतित रहती है। एक व्यक्ति को लाट साहब बनाकर भैंसागाड़ी से घुमाया जाता है। लाट साहब पर जूता-चप्पलों के साथ रंगों की बौछार होती है। यह परंपरा करीब 300 साल पुरानी है। आरसी मिशन और चौकसी से निकलने वाले जुलूस में सबसे ज्यादा हुड़दंग होने के कारण पुलिस को यहां पर ज्यादा प्रबंधन करना पड़ता है।

होली पर छोटे लाट साहब का जुलूस 100 सीसीटीवी कैमरा की निगरानी में निकाला जाएगा। इसके लिए पुलिस ने तैयारी कर ली है। शांति व्यवस्था बनाए रखने को 438 लोगों को मुचलकों से पाबंद किया गया है। यही नहीं, जुलूस वाले दिन आपराधिक प्रवृत्ति के 22 लोगों को थाने में बिठाए रखने का निर्णय किया गया है। थाना आरसी मिशन के इंस्पेक्टर धर्मेंद्र गुप्ता ने बताया कि जुलूस मोहल्ला खलियान में हरीराम के मकान के पास से सराय काइयां तिराहा, दलेलगंज पुलिया, पक्का पुल, कसाई वाली पुलिया, पुत्तु लाल चौराहा होते हुए सराय काइयां तिराहा पर समाप्त होगा। इसमें जन सहयोग के आधार पर 91 एसपीओ (विशेष पुलिस अधिकारी) और 35 डिजिटल स्वयंसेवकों की ड्यूटी भी लगाई गई है। साथ ही जुलूस को शांतिपूर्ण तरीके से निकालने के लिए आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों को चिन्हित कर कार्रवाई की गई है।

उन्होंने बताया कि जुलूस के निर्धारित मार्ग पर 22 हिस्ट्रीशीटर, दो गुंडा एक्ट के आरोपी और 68 अन्य अराजक व्यक्ति कार्रवाई को चिह्नित किए गए हैं। प्रभारी निरीक्षक ने मुस्लिम समुदाय के लोगों से अपील की है कि जुलूस के दौरान रमजान के पावन माह में नमाज अपने घर की निकटतम मस्जिद में पढ़ें। उन्होंने कहा कि जिन लोगों को रंग से परहेज है, वह सभी जुलूस की समाप्ति तक अपने घर पर रहें। साथ ही हिंदू समुदाय के लोगों से अपील की कि मुस्लिम समुदाय के बच्चों, विकलांगों, बुजुर्गों और महिलाओं के ऊपर रंग नहीं डालें।

सपा सांसद के अवैध निर्माण पर सुनवाई आज

बिजली चोरी पर हुए जुर्माने की सुनवाई 7 को

संभल, 03 मार्च (एजेंसियां)।

संभल के सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क के अवैध निर्माण और बिजली चोरी के मामलों में अंतिम सुनवाई पांच और सात मार्च को होगी। अवैध निर्माण पर नियत प्राधिकारी और बिजली चोरी पर विभाग ने 1.91 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया है। सुनवाई के बाद कार्रवाई और वसूली की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। तीन बार नोटिस के अलावा समय भी बढ़ाया गया है। इसलिए माना जा रहा है कि इस बार अंतिम सुनवाई होगी। इसके बाद कार्रवाई आगे बढ़ेगी।

संभल नियत प्राधिकारी/उपजिलाधिकारी विनियमित क्षेत्र की ओर से सांसद को नोटिस जारी किया गया था। जिसमें कहा गया था कि सांसद के बिना अनुमति निर्माण किया गया है।

जो उत्तर प्रदेश रेगुलेशन ऑफ बिल्डिंग ऑपरेशन एक्ट 1958 का उल्लंघन है। इस मामले में ही सुनवाई चल रही है। अब पांच मार्च को इस मामले की सुनवाई

होनी है। वहीं दूसरी ओर बिजली विभाग ने मीटर बाईपास कर बिजली चोरी के आरोप में सांसद के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है और 1.91 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया है। इस जुर्माना मामले में अंतिम सुनवाई सात मार्च को की जानी है। इसके बाद जुर्माने की अंतिम रिपोर्ट तैयार की जाएगी और उसके अनुसार ही वसूली भी होगी।

संभल जामा मस्जिद के गेट के नजदीक स्थित कुएं के अधिकार को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई मंगलवार को हो सकती है। इस सुनवाई में तय हो सकता है कि कुआं जामा मस्जिद का है या पालिका द्वारा किया गया अधिकार का दावा सही है। पालिका के दावे पर राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में स्टेटस रिपोर्ट दाखिल कर कुएं को सरकार की सम्पत्ति बताया है। इस मामले में सुनवाई होनी है। जामा मस्जिद के गेट के नजदीक स्थित कुएं को खोलने के लिए संभल पालिका ने निर्देश दिए थे। इस मामले में जामा मस्जिद कमेटी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। जिसमें कहा था कि कुआं मस्जिद की सम्पत्ति है और उस कुएं को न खोला जाए। इसी मामले में सरकार ने पालिका के दावे पर स्टेटस रिपोर्ट दाखिल की है।

सरकार कुएं को सार्वजनिक उपयोग के लिए खुलवाए जाने की मांग भी कर रही है। जामा मस्जिद के मुख्य गेट पर स्थित इस कुएं को वर्षों पहले बंद कर दिया था। इस कुएं को एएसआई की टीम ने दो दिन पहले खुलवा कर देखा था। इस कुएं को पाटा नहीं गया है। बंद कर दिया गया है। जिससे कोई हादसा न हो सके।

नक्सलियों के गढ़ पामेड़ में 50 साल बाद शुरू हुई बस सेवा

कभी हेलीकॉप्टर से जवानों के लिए जाता था वेतन

रायपुर, 03 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित जिला बीजापुर का एक ऐसा इलाका जो कभी नक्सलियों की राजधानी कहा जाता था, वह इलाका अब सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति और जवानों की मेहनत के बलबूते विकास की ओर तेजी से कदम बढ़ा रहा है। जहां कभी बमुश्किल दो पहिया वाहन नजर आते थे अब उस इलाके में 50 साल के बाद यात्री बस की सेवा शुरू कर दी गई। बीजापुर और तेलंगाना की सीमा पर बसे उसूर ब्लॉक के पामेड़ समेत उस इलाके के 7 ग्राम पंचायतों सहित पूरे इलाके में बस की सुविधा मिल रही है। यहां पिछले 4 महीने के अंदर विकास कार्यों ने ऐसी गति पकड़ी अब इस इलाके में सड़क और कैंप के साथ ही मूलभूत सुविधाओं का विस्तार कर दिया गया है, तो वहीं सबसे बड़ी सौगात इस इलाके के ग्रामीणों के लिए यात्री बस की सेवा है।

इस बस के संचालन के चलते अब उन इलाकों के ग्रामीणों को तेलंगाना से होते हुए अपने गांव जाने की जहमत नहीं उठानी पड़ रही है बल्कि बीजपुर से सीधे पामेड़ पहुंच रहे हैं।

बीजापुर कलेक्टर संबित मिश्रा ने कहा कि सरकार की महत्वाकांक्षी योजना नियद नेल्लानार के तहत उन इलाकों में मूलभूत सुविधाओं के साथ विकास कार्यों को गति प्रदान किया जाएगा। 50 सालों तक जिन सुविधाओं के लिए ग्रामीण तरस रहे थे वह सारी सुविधा उन तक पहुंचाई जाएगी।

पामेड़ इलाके के ग्रामीणों के लिए बहुत तेजी से आधार कार्ड राशन कार्ड के अलावा राशन दुकान भी गांव में संचालित की जा रही है। उल्लेखनीय है कि पामेड़ वह इलाका है जहां पदस्थ जवानों के लिए कभी वेतन से लेकर अखबार तक हेलीकॉप्टर से भेजा जाता था परंतु अब सड़क बनने और बस सेवा के शुरू हो जाने से जवानों का यह कठिन सफर खत्म हो चुका है।

पामेड़ इलाके में सड़क नहीं थी, ऐसा नहीं है, बल्कि 50 साल पहले भी सड़क बनी थी। परंतु वाहनों का संचालन नहीं होता था, उसके बाद धीरे-धीरे इस इलाके में नक्सलियों ने अपनी पैठ बढ़ाई और पूरे इलाके को अपने कब्जे में ले लिया जिसके चलते उस इलाके को नक्सलियों की राजधानी कहा जाने लगा, परंतु अब यह इलाका सरकार के विकास कार्यों के प्रोजेक्ट में शामिल हो चुका है। क्योंकि इस इलाके में कैंप स्थापित किए गए, सड़कों का विस्तार किया गया और मूलभूत सुविधाओं का भी विस्तार किया जा रहा है। ऐसे में अब पामेड़ इलाके में तेजी से विकास कार्यों को पहुंचाकर लोगों को सुविधाएं मुहैया कराई जा रही है।

ताकि ग्रामीण नक्सलवाद के दंश से हटकर सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं का लाभ ले सकें। बीजापुर से सुबह पामेड़ के लिए जाने वाली बस आवापल्ली, बासागुड़ा, तररेम, चित्रागेल्लूर, गुंडेम कोंडापल्ली जीडपल्ली करवगट्टा और धर्माराम होते हुए पामेड़ पहुंचती है। जिसमें रोजाना बड़ी संख्या में यात्री सफर करने लगे हैं। इन इलाकों में विकास कार्यों के विस्तार के लिए सरकार तो कटिबद्ध है ही, परंतु आज अगर यह पूरा इलाका विकास की ओर बढ़ रहा है।

कांग्रेस नेता हिमानी नरवाल हत्याकांड

साथी ही निकला हिमानी का हत्यारा, गिरफ्तार

चंडीगढ़, 03 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस की युवा महिला नेता हिमानी नरवाल की हत्या को लेकर हरियाणा पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। हत्या के आरोपी सचिन को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने कहा कि हिमानी नरवाल और सचिन के बीच झगड़ा हुआ और इसमें आरोपी ने हिमानी की गला घोंटकर हत्या कर दी। हत्याकांड के सिलसिले में हुई गिरफ्तारी के बारे में रोहतक रेंज एडीजी रोहतक कृष्ण कुमार राव ने प्रेस को जानकारी दी।

एडीजी राव ने कहा कि झज्जर में मोबाइल की दुकान चलाने वाले आरोपी सचिन को गिरफ्तार कर लिया गया है। सचिन और हिमानी की मुलाकात का माध्यम सोशल मीडिया बना था। हिमानी विजयन नगर में अकेली रहती थी। सचिन हिमानी के घर आता जाता रहता था। एडीजी ने बताया कि 27 फरवरी को आरोपी सचिन, हिमानी के घर आया था। किसी बात को लेकर दोनों में झगड़ा हुआ और उसने मोबाइल चार्जर केबल के जरिए हिमानी की गला घोंटकर हत्या कर दी। हत्या करने के बाद आरोपी हिमानी के सारे गहने, फोन, लैपटॉप वगैरह समेट कर झज्जर स्थित अपनी दुकान पर ले गया। इसके बाद उसने हिमानी के शव को घर में रखे सूटकेस में भरकर सांपला बस स्टैंड के पास झाड़ियों में फेंक दिया। एडीजी राव ने कहा कि आरोपी फिलहाल पुलिस रिमांड में है और इस दौरान ही पूछताछ में पता चलेगा कि आखिर दोनों के बीच झगड़ा क्यों हुआ था और क्या दोनों के बीच पैसे को लेकर भी विवाद था, यह सबकुछ जांच के साथ ही पता चलेगा।

उल्लेखनीय है कि हिमानी नरवाल कांग्रेस की नेता थी और राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में बहुत सक्रिय रूप से शामिल थी। 1 मार्च को हिमानी का शव रोहतक बस स्टैंड पर एक सूटकेस में मिला था। पुलिस ने आरोपी को पकड़ने के लिए 13 टीमें बनाई थीं।

जम्मू कश्मीर विधानसभा में उपराज्यपाल का अभिभाषण

पूर्ण राज्य का दर्जा मिले इसके लिए सरकार प्रतिबद्ध

जम्मू, 03 मार्च (ब्यूरो)। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने विधानसभा में अपने अभिभाषण में कहा कि सरकार जम्मू कश्मीर को राज्य का दर्जा देने की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

उपराज्यपाल ने कहा कि सरकार राज्य का दर्जा पाने की इच्छा पूरी होने तक हितधारकों के साथ बातचीत करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। एलजी ने कहा कि सरकार कश्मीरी पंडितों की वापसी को सुगम बनाने और उनके लिए सुरक्षित और अनुकूल माहौल बनाने के लिए दृढ़ है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार केंद्र शासित प्रदेश में समय पर चुनाव सुनिश्चित करके पंचायत और शहरी स्थानीय निकायों को मजबूत करेगी।

विधानसभा में बजट सत्र की शुरुआत उपराज्यपाल के अभिभाषण से हुई। विपक्षी दल कई विवादास्पद मुद्दों पर सरकार को चुनौती देने के लिए कमर कसे बैठे हैं। बजट सत्र के हंगामेदार होने की आशंका है क्योंकि भाजपा, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) और पीपुल्स कांफ्रेंस सहित विपक्षी दल कई मुद्दों पर सरकार को घेरने के लिए तैयार हैं। सत्र में प्रमुख मुद्दों में चुनाव प्रतिबद्धताएं, अनुच्छेद 370 को निरस्त करना और चल रहे आरक्षण विवाद शामिल हैं। उपराज्यपाल के अभिभाषण के दौरान ही लंगेट के विधायक शेख खुर्शीद अहमद विधानसभा के सेंट्रल हाल में धरना पर बैठ गए। पिछले महीने बारामुला और कठुआ में हुई मौतों को लेकर विधायक विरोध जता रहे थे। सदन की कार्यवाही में बाधा डालने की कोशिश में उन्हें मार्शलों ने सदन से बाहर निकाल दिया।

बहुप्रतीक्षित वंदे भारत एक्सप्रेस का जल्द ही होगा उद्घाटन

जम्मू, 03 मार्च (ब्यूरो)। कश्मीर के लिए बहुप्रतीक्षित वंदे भारत एक्सप्रेस का जल्द ही उद्घाटन होने वाला है, जो उधमपुर-श्रीनगर-बारामुल्ला रेल लिंक परियोजना के पूरा होने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा। अधिकारियों ने पुष्टि की है कि ट्रेन को कटड़ा रेलवे स्टेशन से हरी झंडी दिखाई जाएगी। मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी (सीपीआरओ) हिमांशु शेखर उपाध्याय ने पत्रकारों को बताया कि कश्मीर के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस की तैयारियां जोरों पर हैं, हालांकि उद्घाटन की सही तारीख और समय अभी तय नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि जम्मू रेलवे स्टेशन पर आधुनिकीकरण कार्य पूरा होने से पहले उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक परियोजना का उद्घाटन होने की उम्मीद है।

उन्होंने बताया कि वंदे भारत एक्सप्रेस को चरम मौसम की स्थिति का सामना करने के लिए डिजाइन किया गया है, जो विशेष रूप से कश्मीर की कठोर सर्दियों के दौरान एक सुरक्षित और आरामदायक यात्रा का अनुभव प्रदान करता है। उपाध्याय कहते हैं कि यह ट्रेन चरम मौसम को संभालने के लिए बनाई गई है, जो सबसे ठंडे महीनों में भी सुगम यात्रा सुनिश्चित करती है। यह यात्रियों के लिए सुरक्षा और आराम दोनों को बढ़ाएगी। रेलवे अधिकारियों ने यह भी बताया कि मार्ग के साथ-साथ स्टेशनों पर महत्वपूर्ण उन्नयन किया जा रहा है, जिसमें मजबूत सुरक्षा उपाय और पटरियों और ट्रेन प्रणालियों पर अंतिम सुरक्षा जांच शामिल है। यात्रियों के लिए एक सुगम और सुखद अनुभव सुनिश्चित करने के लिए यात्री सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि कश्मीर के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस का उद्घाटन इस क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक क्षण होने वाला है, जो कनेक्टिविटी और पहुंच में काफी सुधार करेगा। कटड़ा और बारामुल्ला के बीच 326 किलोमीटर लंबी रेलवे लाइन चुनौतीपूर्ण पहाड़ी इलाकों से होकर गुजरती है और इसमें रियासी जिले में चिनाब नदी पर दुनिया का सबसे ऊंचा रेल पुल है। इस लाइन में कई लंबी और छोटी सुरंगें भी शामिल हैं।

41,000 करोड़ रुपए की यह परियोजना दिसंबर 2024 में पूरी हो गई। आने वाले महीनों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वंदे भारत एक्सप्रेस का उद्घाटन किए जाने की उम्मीद है। इसके अलावा, जम्मू तवी रेलवे स्टेशन का आधुनिकीकरण तेजी से आगे बढ़ रहा है और जुलाई 2025 तक पूरा होने की उम्मीद है। इस परियोजना का उद्देश्य यात्री सुविधाओं को बढ़ाना, बुनियादी ढांचे में सुधार करना और आधुनिक मानकों को पूरा करना है। चार अमृत स्टेशन-बडगाम, जम्मू तवी, श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा और उधमपुर को भी 292.5 करोड़ की लागत से विकसित किया जा रहा है। बुनियादी ढांचे के उन्नयन में छह नए रेल फ्लाईओवर और अंडर-ब्रिज शामिल हैं। 2014 के बाद से स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं में काफी सुधार हुआ है, जिसमें 28 स्टेशनों पर पांच लिफ्ट, छह एस्केलेटर और वाई-फाई शामिल हैं।

याद रहे कि वर्तमान में, दो वंदे भारत ट्रेनें चल रही हैं, जो जम्मू और कश्मीर में चार अद्वितीय ठहरावों के साथ तीन जिलों को कवर करती हैं। इससे पहले फरवरी 2025 में, केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने घोषणा की थी कि श्रीनगर लाइन के लिए वाणिज्यिक संचालन शुरू होने के बाद यात्रियों को कटरा रेलवे स्टेशन पर ट्रांसशिपमेंट से गुजरना होगा।

सपा नेता अबू आजमी ने औरंगजेब को अच्छा आदमी कहा

अबू आजमी पर राजद्रोह का मुकदमा दर्ज हो: शिंदे

मुंबई, 03 मार्च (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के नेता अबू आजमी ने औरंगजेब को अच्छा आदमी कहा। ऐसी गलतबयानी पर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने अबू आजमी को माफी मांगने को कहा। शिंदे ने कहा कि औरंगजेब ने छत्रपति संभाजी महाराज को 40 दिनों तक यातनाएं दी थीं, ऐसे व्यक्ति को अच्छा कहना सबसे बड़ा पाप है। शिंदे ने अबू आजमी के खिलाफ राजद्रोह का मुकदमा दर्ज कराने की बात कही। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा, अबू आजमी का बयान आपत्तिजनक है और इसकी कड़ी निंदा की जानी चाहिए। औरंगजेब ने छत्रपति संभाजी महाराज को 40 दिनों तक यातनाएं दी थीं। ऐसे व्यक्ति को अच्छा कहना सबसे बड़ा पाप है और इसलिए आजमी को माफी मांगनी चाहिए। हमारे मुख्यमंत्री ने इस मामले को गंभीरता से लिया है और उन पर राजद्रोह का मामला दर्ज किया जाना चाहिए।

भारी बर्फबारी से गुलमर्ग में विंटर गेम्स की उम्मीद जगी

जम्मू, 03 मार्च (ब्यूरो)। कश्मीर में हाल ही में हुई भारी बर्फबारी ने गुलमर्ग में बहुप्रतीक्षित खेलो इंडिया विंटर गेम्स 2025 की मेजबानी की उम्मीदों को फिर से जगा दिया है। ताजा बर्फबारी ने रिसार्ट के प्रसिद्ध स्की ढलानों को ढक लिया है, जिससे प्रतिष्ठित शीतकालीन खेल आयोजन की योजना के अनुसार होने की संभावना बढ़ गई है।

इससे पहले, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने अपर्याप्त बर्फबारी को लेकर चिंता जताई थी, जिससे आयोजन के कार्यक्रम पर संदेह पैदा हो गया था। हालांकि, हाल ही में मौसम में हुए बदलाव के साथ, अधिकारी आशावादी हैं और आने वाले दिनों में आयोजन की तारीखों की आधिकारिक घोषणा की उम्मीद कर रहे हैं। जम्मू कश्मीर प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना था कि गुलमर्ग और अन्य ऊंचे इलाकों में ताजा बर्फबारी एक सकारात्मक विकास है। हम आने वाले दिनों में शीतकालीन खेलों पर आधिकारिक घोषणा की उम्मीद करते हैं। यह आयोजन क्षेत्र की अर्थव्यवस्था, खेल और पर्यटन क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण है।

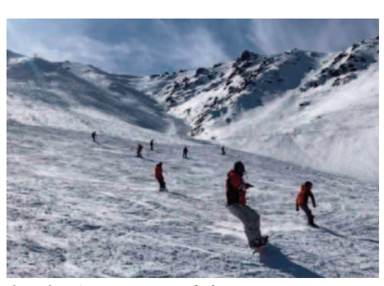

जबकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शीतकालीन खेलों के लिए एक प्रमुख गंतव्य के रूप में पहचाने जाने वाले गुलमर्ग में देश भर से और उससे आगे के एथलीट और साहसिक उत्साही लोग आते रहते हैं। खेलो इंडिया विंटर गेम्स ने गुलमर्ग को स्कीइंग, स्नोबोर्डिंग और अन्य शीतकालीन खेलों के केंद्र के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, जो खुद एक शौकीन स्कीयर हैं, ने उम्मीद जताई कि हाल ही में हुई बर्फबारी से यह आयोजन तय समय पर हो सकेगा। गुलमर्ग में हाल ही में स्कीइंग सत्र के दौरान अब्दुल्ला ने कहा था कि अगर अगले कुछ दिनों तक पूर्वानुमानित बर्फबारी जारी रहती है, तो हम मार्च के पहले सप्ताह में खेलो इंडिया विंटर गेम्स का आयोजन कर सकते हैं। इसके अलावा, बढ़ता तापमान एक चुनौती बन सकता है।

याद रहे अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद से, खेलो इंडिया विंटर गेम्स जम्मू और कश्मीर में एक महत्वपूर्ण वार्षिक आयोजन बन गया है, जो देश भर से एथलीटों को आकर्षित करता है और पर्यटकों और खेल प्रेमियों को लाकर स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने में मदद करता है। हालांकि, अप्रत्याशित बर्फबारी पैटर्न और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों ने हाल के वर्षों में चुनौतियां पेश की हैं। शीतकालीन खेलों का पांचवां संस्करण शुरू में 22-25 फरवरी, 2024 के लिए निर्धारित किया गया था, लेकिन अपर्याप्त बर्फबारी के कारण इसे स्थगित करना पड़ा।

वैसे जम्मू कश्मीर खेल परिषद ने आश्वासन दिया था कि स्थिति में सुधार होने पर यह आयोजन होगा। ताजा बर्फबारी के साथ, इस बात की नई उम्मीद जगी है कि खेल तय कार्यक्रम के अनुसार ही होंगे। खेलो इंडिया विंटर गेम्स ने इस क्षेत्र में खेल के बुनियादी ढांचे के विकास और प्रतिभाओं को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

विशेषज्ञों का मानना है कि प्रशिक्षण सुविधाओं और इवेंट मैनेजमेंट में निरंतर निवेश से जम्मू कश्मीर को वैश्विक शीतकालीन खेल स्थल के रूप में स्थापित करने में मदद मिलेगी। खेल परिषद के एक वरिष्ठ अधिकारी कहते थे कि हर साल यह आयोजन बड़ा होता जा रहा है और हम देखते हैं कि इसमें अधिक युवा एथलीट भाग ले रहे हैं। उनके मुताबिक, ताजा बर्फबारी एक वरदान की तरह है और हमें उम्मीद है कि यह शीतकालीन खेलों को सफल बनाएगा। गुलमर्ग की ढलानों पर अब बर्फबारी के साथ ही एथलीटों, होटल व्यवसायियों और खेल प्रेमियों में उत्साह बढ़ रहा है। खेलो इंडिया विंटर गेम्स 2025 से न केवल शीर्ष स्तर की खेल प्रतिभाओं को प्रदर्शित करने की उम्मीद है, बल्कि कश्मीर के शीतकालीन पर्यटन उद्योग के पुनरुद्धार में भी महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा।

पूर्णिया में कट्टरपंथी मुस्लिमों की बेजा हरकतें

हिंदुओं को मूर्ति विसर्जन के लिए नहीं जाने देते

पूजा-पाठ में भी विघ्न डालते हैं

पूर्णिया, 03 मार्च (एजेंसियां)। बिहार में पूर्णिया जिले के बायसी प्रखंड में शादीपुर भुटहा गांव की शर्मा टोली में करीब डेढ़ सौ हिंदू परिवार पिछले काफी दिनों से परेशान हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इनके घर तक जाने का रास्ता मुस्लिमों ने बंद कर दिया है। गांव के चारों तरफ मुस्लिम बस्ती और उनकी निजी जमीन होने की वजह से ये लोग अपने घर तक नहीं पहुंच पा रहे। हालात इतने खराब हो गए हैं कि इन परिवारों के बेटे-बेटियों की शादी तक नहीं हो पा रही। बीमार लोगों को अस्पताल ले जाना भी मुश्किल हो गया है। ग्रामीणों का कहना है कि पहले वे निजी रास्ते से आते-जाते थे, लेकिन अब 12 डिसमिल जमीन के छोटे से टुकड़े की वजह से 100 मीटर का रास्ता बंद कर दिया गया है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि उन्होंने जमीन मालिक को रास्ते के लिए एक लाख रुपए तक दे दिए थे, ताकि समस्या हल हो सके। लेकिन बाद में मुस्लिम समाज के दबाव में वो पैसे लौटा दिए गए और रास्ता भी नहीं मिला। अब चारों तरफ से रास्ता बंद होने की वजह से ये लोग पूरी तरह घिर गए हैं। ग्रामीणों ने ये भी आरोप लगाया कि मुस्लिम पक्ष उन्हें पूजा-पाठ करने और लाउडस्पीकर बजाने से भी रोकता है। उनका कहना है कि इससे उनकी धार्मिक आजादी पर भी रोक लग रही है। इस परेशानी से तंग आकर लोगों ने पहले एसडीएम कोर्ट में गुहार लगाई। वहां उनके हक में फैसला भी आया, लेकिन बाद में सिविल कोर्ट ने उस फैसले को पलट दिया और मुस्लिम पक्ष को जीत मिल गई।

संतोष कुमार ने कहा, एसडीएम और सीओ की जांच में रास्ते की जरूरत को माना गया। एसडीएम ने पीड़ित परिवारों के हक में फैसला सुनाया, लेकिन सिविल कोर्ट ने उस फैसले को पलट दिया। संतोष कुमार का कहना है कि मुस्लिम पक्ष आक्रामक रुख अपनाए हुए है। पहले जमीन के मालिक लोग मान गए थे और ये तय हुआ था कि जमीन के बदले में उन्हें रुपए दे दिए जाएंगे। उन्होंने 1 लाख रुपया ले भी लिया, लेकिन अन्य मुस्लिमों के दबाव की वजह से उन्होंने पैसे लौटा दिए और फिर से रास्ता न देने पर अड़ गए हैं। संतोष कुमार का कहना है कि स्थानीय मुस्लिम दबंगई दिखा रहे हैं। थाने में भी उनकी बात नहीं सुनी जा रही है। अब इन परिवारों ने जिलाधिकारी कुंदन कुमार से मदद मांगी है।

बायसी की एसडीएम कुमारी तौसी का कहना है कि कानून में साफ लिखा है कि अगर 100 से ज्यादा परिवार किसी जगह रहते हैं, तो उनका रास्ता कोई नहीं रोक सकता। यहां डेढ़ सौ से भी ज्यादा परिवार हैं, फिर भी समस्या का हल नहीं निकल रहा। उन्होंने बताया कि इस मामले में थाना और अंचल अधिकारी को कई बार पत्र लिखा गया, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। एसडीएम के आदेश में रास्ता बनाने को स्पष्ट निर्देश है। एसडीएम के आदेश को मुस्लिम पक्ष ने सिविल कोर्ट में चुनौती दी। सिविल कोर्ट ने उल्टा एसडीएम के आदेश को ही खारिज कर दिया।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की घटी कीमत

नई दिल्ली, 03 मार्च (एजेंसियां)।

घरेलू सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट का रुख बना हुआ है। भाव में आई इस गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 86,610 रुपये से लेकर 86,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 79,390 रुपये से लेकर 79,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी कमजोरी दर्ज की गई है, जिसे कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 96,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 86,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 79,540 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 86,610 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 86,660 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 79,440 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 86,610 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 79,390 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 86,610 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 86,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 79,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 86,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 79,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 86,760 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में मामूली गिरावट आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 86,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 79,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज ब्रीफ

आईफोन 15 फोन पर चल रहे हैं कार्ड डिस्काउंट

नई दिल्ली। अगर आप आईफोन खरीदने के बारे में सोच रहे हैं, यह समय आपके लिए उपयुक्त है। वर्तमान में आईफोन 15 फोन पर कार्ड डिस्काउंट चल रहे हैं। इसकी वजह से फोन की कीमत ज्यादा डाउन हो गई है। आप भी इसे खरीदने का प्लान बना रहे हैं तो हम कुछ टिप्स देने जा रहे हैं। एप्पल आईफोन 15 (128जीबी) की एमआरपी 69,900 रुपए है, लेकिन आप इसे फ्लिपकार्ट पर 7प्रतिशत डिस्काउंट के बाद 64,999 रुपए में खरीद सकते हैं। साथ ही इस पर कार्ड डिस्काउंट भी अलग से चल रहे हैं। फोनपे यूपीआई ट्रांजैक्शन पर करीब 1प्रतिशत का डिस्काउंट मिल सकता है। लीपकार्ट एक्सीस कार्ड से पेमेंट करेंगे तो 5 प्रतिशत का अनलिमिटेड कैशबैक मिलता है। आईडीएफसी फ्रस्ट पावर वूमेन प्लेटिनियम कार्ड से पेमेंट करने पर 5 प्रतिशत का डिस्काउंट मिल सकता है। ऐसे में आपको अलग-अलग डिस्काउंट ऑफर्स हासिल करने पर काफी सस्ता मिल सकता है। पुराना फोन वापस करने पर आपको अलग से डिस्काउंट मिल सकता है। इसे एक्सचेंज ऑफर का नाम दिया गया है। एक्सचेंज ऑफर के तहत आपको ये फोन 39,150 रुपए सस्ता मिल सकता है। लेकिन इतना सस्ता फोन हासिल करने के लिए आपके पुराने फोन की कंडीशन ठीक होनी चाहिए और ये पुराने फोन के मॉडल पर भी डिपेंड करता है। अगर ये डिस्काउंट भी आपको पूरा मिल जाता है तो आईफोन 15 आपको महज 25,849 रुपए में मिल सकता है। फोन की कंपनी की तरफ से 1 साल की वारंटी मिल रही है। आईफोन 15 के फीचर्स को लेकर आपको ज्यादा सोचने की जरूरत नहीं है। इस फोन में 6.1 इंच सुपर रेटिना एक्सडीआर डिस्प्ले दिया जाता है। फोन में डुअल रियर कैमरा दिया जाता है जिसका प्राइमरी कैमरा 48एमपी मिलता है। साथ ही आईफोन 15 में 12एमपी फ्रंट कैमरा मिलता है। इसकी मदद से आपके लिए सेल्फी या शॉर्ट वीडियो शूट करना आसान हो जाता है।

पैसे नहीं डाले जाने पर बंद हो सकते हैं ये अकाउंट्स

नई दिल्ली। पब्लिक प्रॉविडेंट फंड (पीपीएफ) और सुकन्या समृद्धि योजना (एसएसवाय) अकाउंट में अगर चालू वित्त वर्ष में इनमें पैसे नहीं डाल पाए, तो अकाउंट एक्टिव रखने के लिए 31 मार्च 2025 तक कुछ रुपए जरूर डाल दें। इन अकाउंट में पैसे नहीं डाले जाने पर ये अकाउंट्स बंद हो सकते हैं। अगर न्यूनतम जरूरी रकम नहीं डाली, तो इन्हें दोबारा एक्टिव करवाने के लिए आपको जुर्माना देना पड़ेगा। आपको अपनी इन योजनाओं में मिनिमम निवेश बनाए रखना होता है ताकि यह पता चल सके कि आपका खाता एक्टिव है। पब्लिक प्रोविडेंट फंड अकाउंट रखने वालों के लिए मिनिमम डिपॉजिट 500 रुपए है यानी आपको इसमें एक वित्त वर्ष में कम से कम 500 रुपए का निवेश करना होता है। ऐसा न करने पर आपका खाता बंद हो सकता है।

बजाज ऑटो की बिक्री फरवरी में दो प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली। बजाज ऑटो की फरवरी 2025 में कुल बिक्री सालाना आधार पर दो प्रतिशत बढ़कर 3,52,071 इकाई हो गई। बजाज ऑटो ने एक बयान में कहा कि कंपनी ने फरवरी 2024 में कुल 3,46,662 इकाइयां बेची थीं। कंपनी ने कहा कि पिछले महीने कुल दोपहिया वाहनों की बिक्री दो प्रतिशत बढ़कर 2,99,418 इकाई रही, जो एक साल पहले इसी अवधि में 2,94,684 इकाई थी। कंपनी ने कहा कि घरेलू दोपहिया वाहनों की बिक्री 14 प्रतिशत घटकर 1,46,138 इकाई रह गई। पिछले महीने दोपहिया वाहनों का निर्यात 23 प्रतिशत बढ़कर 1,53,280 इकाई हो गया। बजाज ऑटो ने कहा कि समीक्षाधीन अवधि में उसके वाणिज्यिक वाहनों की कुल बिक्री एक प्रतिशत बढ़कर 52,653 इकाई हो गई।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत एशिया में भी तेजी का रुख

नई दिल्ली, 03 मार्च (एजेंसियां)।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान उत्साह का माहौल बना रहा। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। वहीं एशियाई बाजारों में आमतौर पर तेजी का रुख बना हुआ है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लिवाली का जोर नजर आया, जिसकी वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांक डेढ़ प्रतिशत से अधिक उछल गए। एसएंडपी 500 इंडेक्स 92.93 अंक यानी 1.59 प्रतिशत की तेजी के साथ 5,954.50 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 309.66 अंक यानी 1.67 प्रतिशत की बढ़त के साथ 18,854.08 अंक के स्तर पर के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.06 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 43,816.48 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान खरीदारी होती रही। एफटीएसई इंडेक्स 0.61 प्रतिशत की तेजी के साथ 8,809.74 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.11 प्रतिशत की बढ़त के साथ 8,111.63 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.54 अंक की सांकेतिक मजबूती के साथ 22,551.43 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में आमतौर पर तेजी का रुख बना हुआ है। एशिया के 9 बाजारों में से 6 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 2 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं।

कोरिया स्टॉक एक्सचेंज में छुट्टी होने की वजह से कोस्पी इंडेक्स में कोई कारोबार नहीं हो रहा है। ताइवान वेटेड इंडेक्स फिलहाल 380.55 अंक यानी 1.65 प्रतिशत की बड़ी गिरावट के साथ 22,672.63 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.42 प्रतिशत लुढ़क कर 1,198.64 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.16 प्रतिशत की मजबूती के साथ 22,306.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.41 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,911.49 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स में जोरदार तेजी नजर आ रही है। फिलहाल ये सूचकांक 211.77 अंक यानी 3.38 प्रतिशत उछल कर 6,482.37 अंक के स्तर पर पहुंच गया है।

विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर फरवरी में 14 महीने के निचले स्तर पर: पीएमआई

नई दिल्ली। नये ठेके और उत्पादन में गिरावट के बीच फरवरी में भारत के विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर 14 महीने के निचले स्तर पर आ गई। एक मासिक सर्वेक्षण में सोमवार को यह जानकारी दी गई। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी भारत विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) फरवरी में 56.3 अंक पर रहा, जो जनवरी के 57.7 अंक से कम है। हालांकि, विनिर्माण पीएमआई विस्तारकारी क्षेत्र में बना हुआ है। पीएमआई की भाषा में 50 से ऊपर अंक विस्तार, जबकि 50 से नीचे का अंक गतिविधियों में संकुचन का संकेत है। एचएसबीसी के भारत में एक मुख्य अर्थशास्त्री ने कह कि हालांकि, दिसंबर 2023 के बाद से उत्पादन वृद्धि सबसे कमजोर स्तर पर आ गई है, लेकिन भारत के विनिर्माण क्षेत्र में कुल मिलाकर गति फरवरी में व्यापक रूप से सकारात्मक रही। सर्वेक्षण में कहा गया कि जनवरी के 14 साल के उच्चतम स्तर से कम होने के बावजूद विस्तार की गति तेज थी। सर्वेक्षण में यह भी कहा गया कि फरवरी में नए निर्यात ऑर्डर में जोरदार वृद्धि हुई, क्योंकि निर्माताओं ने अपने माल की मजबूत वैश्विक मांग का लाभ उठाना जारी रखा। नौकरी के मोर्चे पर, विनिर्माताओं ने फरवरी में अपने कर्मचारियों की संख्या में विस्तार करना जारी रखा।

एआई युग में भारत रहेगा सबसे आगे : पीयूष गोयल

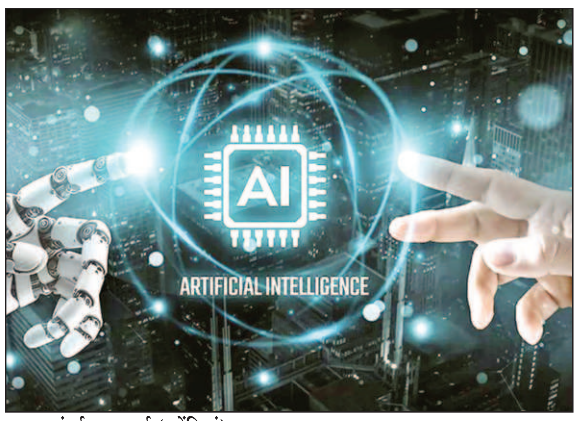

मुंबई, 03 मार्च (एजेंसियां)।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि मोदी सरकार की दमदार नीतियों के कारण उद्यमियों और इनोवेटर्स को नई डिजिटल लहर का लाभ उठाने में मदद मिलेगी, जिससे भारत एआई युग में सबसे आगे रहेगा। मुंबई टेक वीक 2025 में अपनी बातचीत में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि आवश्यक इंफ्रास्ट्रक्चर, पूंजी और कौशल उपलब्धता में किए जा रहे निवेश के साथ मुंबई भारत का टेक हब बन सकता है। `द्रीय मंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया, मुंबई टेक वीक 2025 में शानदार बातचीत हुई, जहां मुझे एआई को अपनाने और इसके नैतिक उपयोग में योगदान देने में भारत के लाभ के बारे में विस्तार से बोलने का मौका मिला।

भारत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को अपनाने में लीडरशिप पोजीशन स्थापित कर रहा है। देश ने 2024 में 3 बिलियन एआई- रिलेटेड-ऐप डाउनलोड दर्ज किए, जो अमेरिका के 1.5 बिलियन और चीन के 1.3 बिलियन की संख्या से कहीं आगे था। माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नडेला के अनुसार यह दर्शाता है कि भारत यूज केस कैपिटल ऑफ एआई है, जिसका अर्थ है कि देश केवल एआई के बारे में केवल बात ही नहीं कर रहा है या एआई में केवल रिसर्च ही नहीं कर रहा है; यह असल में इसे बड़े पैमाने पर लागू भी कर रहा है। पिछले महीने पेरिस में एआई एक्शन समिट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस बारे में बात की कि कैसे एआई केवल एक राष्ट्रीय मुद्दा नहीं बल्कि एक वैश्विक जिम्मेदारी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि एक ऐसा एआई होना बहुत जरूरी है जो नैतिक, इंक्लूसिव और भरोसेमंद हो। पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि दुनिया एआई युग की शुरुआत में थी, जहां यह टेक्नोलॉजी तेजी से मानवता के लिए कोड लिख रही थी और हमारी राजनीति, अर्थव्यवस्था, सुरक्षा और समाज को नया आकार दे रही थी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत अपने अनुभव साझा करने के लिए तैयार है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि एआई का लाभ सभी तक पहुंचे। प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी घोषणा की कि भारत अगले एआई सम्मेलन की मेजबानी करेगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

परिसीमन से...

दूसरी तरफ, तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि ने प्रदेश को लोगों को आर्य-द्रविड़ बहस के नाम पर नस्लवाद और भाषावाद में फंसने के प्रति सचेत किया है। राज्यपाल ने कहा, इससे पहले कभी भी आर्य को नस्ल के रूप में नहीं देखा गया था। हमारे किसी भी साहित्य में, चाहे संगम साहित्य हो या वैदिक ग्रंथ, आर्यन शब्द को नस्ल के रूप में इस्तेमाल नहीं किया गया है। 2,000 से अधिक वर्षों के हमारे ग्रंथों में आर्य शब्द का मतलब बिल्कुल अलग है। लेकिन पिछले 60-70 वर्षों में एक अलग विचारधारा बनाई गई, जिसमें आर्यों को एक अलग नस्ल के रूप में दिखाया गया और आर्य आक्रमण का प्रचार किया गया। राज्यपाल ने यह भी कहा कि यूरोपियनों ने अपने साम्राज्यवादी विचारों को सही ठहराने के लिए आर्य नस्ल का सिद्धांत गढ़ा। आर्यन और द्रविड़ को अलग-अलग नस्लों के रूप में बताना झूठ है। सरस्वती-सिंधु सभ्यता का ऐतिहासिक सच सामने आना चाहिए। क्या हम सिंधु सभ्यता को सरस्वती सभ्यता कह सकते हैं? क्या ऐसा किया जा सकता है? राज्यपाल ने समाज सुधारक ईवी रामासामी नायकर पेरियार की किताबों का जिक्र करते हुए कहा कि पेरियार ने आर्यों को बर्बर बताया और कहा कि वे नशे में धुत होकर भारत आए थे, नाच-गाना करते थे, और उन्होंने रामायण-महाभारत की कल्पना कर ली। उक्त विचार भारतीय नहीं बल्कि सुनियोजित एजेंडा के तहत थोपे गए बाहरी विचार हैं। राज्यपाल ने इस बात पर जोर दिया कि भारतीय सभ्यता को बाहरी प्रभावों से बचाने की जरूरत है और हमें अपने इतिहास को सही परिप्रेक्ष्य में समझने का प्रयास करना चाहिए।

तमिलनाडु में एक तरफ जनसंख्या बढ़ाने की आधिकारिक अपील जारी की जा रही है तो दूसरी तरफ आरक्षण का फायदा उठाने के लिए अनुसूचित जाति का फर्जी प्रमाणपत्र अंधाधुंध तरीके से बन रहा है और बंट रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में तमिलनाडु राज्य में फर्जी जाति प्रमाण पत्र जारी करने के पीछे एक बड़े रैकेट को लेकर अंदेशा जताया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि लगता है इसके पीछे एक बड़ा रैकेट है। शीर्ष अदालत ने यह टिप्पणी तमिलनाडु में हजारों लोगों को हिंदू कोंडा रेड्डी समुदाय से संबंधित होने का प्रमाण पत्र जारी करने से संबंधित मामलों पर सुनवाई करते हुए की।शीर्ष अदालत ने कहा कि जाति प्रमाण पत्र तमिलनाडु राज्य में एक बड़ी समस्या बन गया है। ऐसा प्रतीत होता है कि हजारों ऐसे प्रमाण पत्र जारी किए गए हैं, जो लोगों को अनुसूचित जनजाति के अंतर्गत आने वाले हिंदू कोंडा रेड्डी समुदाय का सदस्य बताते हैं। कोर्ट ने कहा कि फिलहाल हम कोई आरोप नहीं लगा रहे हैं, लेकिन प्रथम दृष्टया यह एक बड़ा रैकेट प्रतीत होता है। यह बेहद खतरनाक बात है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की पीठ उन याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी, जिनमें कई लोगों को हिंदू कोंडा रेड्डी समुदाय का सदस्य बताते हुए प्रमाण पत्र जारी किए गए थे, जिन्हें अनुसूचित जनजाति घोषित किया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने एक राज्य स्तरीय जांच समिति को प्रमाण पत्रों की वास्तविकता की जांच करने तथा अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने का आदेश दिया ताकि न्यायालय इन मामलों पर निर्णय ले सके। एक मामले में प्रतिवादी ने दावा किया कि वह रेड्डी समुदाय से है और इसलिए उसने अपने बेटे के लिए जाति प्रमाण पत्र मांगा। हालांकि, राजस्व विभागीय अधिकारी (आरडीओ) द्वारा जांच किए जाने के बाद इसे अस्वीकार कर दिया गया।

मद्रास हाईकोर्ट ने प्रतिवादी की अपने बेटे को सामुदायिक प्रमाण पत्र जारी करने की याचिका को स्वीकार करते हुए निर्देश दिया कि राज्य स्तरीय जांच समिति यह जांच करेगी कि परिवार रेड्डी समुदाय से है या नहीं। इस आदेश के खिलाफ राज्य ने एसएलपी दायर की और पिछले साल अंतरिम आदेश के रूप में स्थगन दिया गया। पिछले सप्ताह कोर्ट ने अपने अंतरिम आदेश में संशोधन करते हुए यह सुनिश्चित किया कि प्रमाण-पत्रों की वास्तविकता के दावों की पुष्टि की जा सके। कोर्ट ने राज्य स्तरीय जांच समिति को इन मामलों में जारी जाति प्रमाण-पत्रों की वास्तविकता के दावों पर 6 सप्ताह के भीतर रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया है। रिपोर्ट प्रस्तुत होने के बाद न्यायालय प्रत्येक याचिका पर स्वतंत्र रूप से विचार करेगा और गुण-दोष के आधार पर निर्णय लेगा। कोर्ट ने कहा कि हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि ये प्रमाण पत्र असली हैं या नहीं। हम यह भी जानना चाहेंगे कि इलाके में हजारों लोगों ने किस तरह से जाति प्रमाण पत्र हासिल किए हैं।

वन्यजीवों की...

के अपने समर्पण को दोहराएं। हर प्रजाति की इसमें अहम भूमिका है। इन प्रजातियों के भविष्य की रक्षा करें। हमें वन्यजीवों को बचाने में भारत के योगदान पर भी गर्व होना चाहिए।

40% आबादी...

इनकी संख्या 25 करोड़ से ज्यादा है। जीईएम अधिकारियों ने इसे देखते हुए देशों को बहुभाषी शिक्षा नीतियां लागू करने की सलाह दी है। जीईएम अधिकारी ने यह भी कहा कि बीते दशक में शिक्षा का स्तर गिरा है। इसकी वजह युवाओं पर तकनीकी का प्रभाव और कोरोना महामारी रही है। इससे पढ़ने और गणित दोनों में सीखने के स्तर में तेजी से गिरावट आई है।रिपोर्ट बताती है कि ऐतिहासिक रूप से, औपनिवेशिक शासन ने कई देशों में स्थानीय भाषाओं के बजाय विदेशी भाषाओं को थोप दिया। दूसरी ओर, समृद्ध देशों में प्रवासियों की संख्या बढ़ रही है। इससे कक्षाओं में भाषाई विविधता बढ़ रही है, पर साथ ही पढ़ाने व परीक्षा लेने में कठिनाइयां भी आ रही हैं।

क्लाउड स्पेस...

ईडी के अनुसार, इस घोटाले का मास्टरमाइंड व्यूनाउ ग्रुप का सीईओ और संस्थापक सुखविंदर सिंह खरौर है। क्लाउड स्पेस बेचने और लीज बैक करने का पूरा मॉडल एक धोखा था, जिसे लोगों को ठगने के लिए बनाया गया था। इस ठगी के पैसों से इन्होंने लग्जरी कारें, सोना, हीरे खरीदे और चैनल पार्टनर्स को कमीशन दिया। इसके अलावा, सैकड़ों करोड़ रुपए फर्जी कंपनियों के जरिए अलग-अलग प्रॉपर्टी में निवेश कर छिपाए गए। ईडी इस मामले की गहराई से जांच कर रही है और आगे भी कई बड़े खुलासे हो सकते हैं।

अब अवैध...

लेकिन इसमें कई समस्याएं और कमजोरियां हैं। प्रवासी बड़ी संख्या में ग्रीस में प्रवेश कर रहे हैं, जिससे स्थानीय समुदायों पर दबाव बढ़ रहा है। एक अनुमान के अनुसार, रोज लगभग 500 अवैध प्रवासी समंदर के रास्ते ग्रीस में दाखिल हो रहे हैं। पिछले साल लगभग 60,000 अवैध प्रवासियों ने इस तरह इस देश में प्रवेश किया था जो उससे पिछले साल यानी 2023 में प्रवेश करने वाले प्रवासियों से 50 प्रतिशत ज्यादा थे।अवैध प्रवासियों को लेकर ग्रीस सरकार की नीति में खामियों के साथ ही उसके नरम रवैए ने स्थानीय नागरिकों में प्रवासियों के प्रति विरोध की भावना उत्पन्न कर दी है। अवैध प्रवासियों के प्रति बढ़ते अंसतोष ने ग्रीस की रोजमर्रा जिंदगी को बहुत प्रभावित किया है। स्थानीय नागरिकों के लिए, अवैध प्रवासियों की बढ़ती संख्या से आए दिन समस्याएं पैदा हो रही हैं। उनके लिए संसाधन कम पड़ रहे हैं क्योंकि वे उन्हें ऐसे लोगों से साझा करने पड़ रहे हैं जो देश और देश के लोगों के प्रति दुर्भावना से भरे हैं। इतना ही नहीं, नागरिकों को अपनी सुरक्षा की चिंता सताने लगी है। प्रदर्शनों की वजह से अब ग्रीस सरकार की स्थिरता पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं।

दूसरी ओर ऐसी भी कुछ आवाजें उठती रही हैं कि जो प्रवासियों की दृष्टि से आप्रवासन नीति में सुधार की बात करती हैं। उनका कहना है कि सरकार को प्रवासियों की समस्याओं के समाधान ढूंढने होंगे, उसके लिए ठोस कदम उठाने होंगे और उन्हें समाज में एकीकृत करने के उपाय करने होंगे। सिर्फ तभी ग्रीस की सरकार एक स्थिर और शांतिप्रिय समाज का निर्माण कर पाएगी, जहां प्रवासी और स्थानीय नागरिक एक साथ मिलकर रह सकेंगे।

50 लाख लेकर ...

और प्रति यात्री 30 से 50 लाख रुपए तक की मोटी रकम वसूली। पंचाल ने दुधवाडकर के साथ मिलकर यात्रियों की हवाई अड्डे से सुचारू निकासी के लिए जाली दस्तावेज पेश किए। इसके लिए दुधवाडकर को प्रति यात्री 50,000 रुपए मिलते थे। आरोप है कि दोनों आरोपी मिलकर आव्रजन प्रणाली में खामियों का फायदा उठाकर भारतीय अधिकारियों को धोखा देते थे।

Timings : 9 am to 7 pm
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, मंगलवार, 04 मार्च, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

अग्रोहा कोऑपरेटिव अर्बन बैंक की दूसरी आमसभा सम्पन्न

हैदराबाद, 03 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रोहा कोऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड की दूसरी आम सभा की बैठक घांसी बाजार स्थित बैंक परिसर में संपन्न हुई जिसमें बैंक की प्रगति की विस्तार से अंशधारकों को जानकारी दी गई।यहां अग्रोहा बैंक के चेयरमैन रतन गुप्ता ने सभी अंशधारकों का स्वागत करते हुए बैंक की आंकड़ों की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए कहा कि बैंक को वित्त वर्ष में दो आम सभाएं आयोजित करनी है और यह वित्तीय वर्ष 2024-2025 में दूसरी बैठक है। बैंक के प्रदर्शन और गतिविधियों के संबंध में बैंक में जमा और अग्रिम में अच्छी वृद्धि की है। बैंक की जमा राशि 31 मार्च 2024 के 7357.68 लाख रुपये से बढ़कर 31 दिसंबर 2024 तक 8462.29 लाख रुपये तक पहुंचाते हुए 15 प्रतिशत की वृद्धि की है। बैंक की 31 मार्च 2024 तक अग्रिम राशि 4980.31 लाख से बढ़ाकर 31 दिसंबर 2024 तक 5855.14 लाख रूपये तक

पहुंचते हुए इसमें 17.57 प्रतिशत की वृद्धि की। बैंक की शेयर पूंजी पर नजर डाले तो 31 मार्च 2024 तक शेयरधारकों की संख्या 6306 और शेयर पूंजी 412.30 लाख रुपये है जबकि 31 दिसंबर 2024 तक शेयरधारकों की संख्या 6357 और शेयर पूंजी 446.21 लाख रुपये तक पहुंचाते हुए शेयरधारकों में प्रतिशत वृद्धि 0.81 प्रतिशत और शेयर पूंजी में 8.22 प्रतिशत की वृद्धि की। 31 मार्च 2024 तक लाभ सकल लाभ 98.92 लाख रुपये और शुद्ध लाभ 74.00 लाख रुपये रहा और 31 दिसंबर 2024 तक सकल लाभ 85.94 लाख रुपये और शुद्ध लाभ 64.39 लाख रुपये रहा। बैंक ने एसएलआर और सीआरआर को बनाए रखने के मामले में कभी भी चूक नहीं की। दूसरे, हम अपने सीडी अनुपात को औसत स्तर से ऊपर बनाए रख पाए और 31 दिसंबर 2024 तक यह 69.19 प्रतिशत है जो अच्छा है। हम सीडी अनुपात और लाभप्रदता में सुधार के लिए गुणात्मक ऋण विस्तार के साथ इसे और बेहतर बनाएंगे। इस वर्ष के लिए मेसर्स अनंत राव और मालिक चार्टर्ड अकाउंटेंट्स को आरबीआई द्वारा 1 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 की अवधि के लिए वैधानिक ऑडिट करने के लिए नियुक्त किया गया है।बैंक की सामाजिक जिम्मेदारी निभाते हुए परंपरा को कायम रखते हुए हमारे बैंक ने विभिन्न संगठनों को दान के माध्यम से सहायता प्रदान की है जो जरूरतमंद व्यक्तियों के साथ-साथ विधवाओं, अनाथों, छात्रों और समाज के कमजोर वर्गों की मदद कर रहे हैं। बैंक की अन्य विकास विभिन्न तकनीकी उत्पाद उपलब्ध करा रहे हैं, जिनमे एसएमएस अलर्ट, रुपे डेबिट/एटीएम कार्ड सह विशेषाधिकार कार्ड, पीओएस मशीन, त्वरित आरटीजीएस/एनईएफटी, ईसीएस डेबिट/ क्रेडिट, आयकर चालान भुगतान, आधार सीडिंग आदि शामिल है। हमारे पास मोबाइल बैंकिंग सेवाएँ हैं जैसे फ़ोन पे, गूगल पे आदि जो हमारे मूल्यवान ग्राहकों को प्रदान की गई हैं। आपके बैंक ने आरबीआई के मानदंडों के अनुसार साइबर सुरक्षा की अवधारणा को भी लागू किया है। उन्होंने अवसर पर अंश धारकों सहित भारतीय रिजर्व बैंक और तेलंगाना राज्य सरकार के सहकारिता विभाग के प्रति उनके बहुमूल्य समर्थन, मार्गदर्शन और प्रोत्साहन के लिए आभार व्यक्त करते हैं। बैंक की वृद्धि और विकास के लिए उनके समर्पण, प्रतिबद्धता और प्रयासों के लिए निदेशक मंडल, सीईओ और स्टाफ सदस्यों की भी सराहना करते हैं।अवसर पर वाइस चेयरमैन विजय गुप्ता, निदेशक कैलाशचंद केडिया, राजेश कुमार अग्रवाल, प्रदीप कुमार अग्रवाल, श्रीमती उर्मिला अग्रवाल, सुधीर कुमार गुप्ता, सुरेन्द्र कुमार गोयल सहित अन्य उपस्थित थे।

अग्रवाल शिक्षा समिति द्वारा संचालित गणेशीलाल कनोडिया प्राइमरी स्कूल के छात्रों द्वारा समिति के सेडमल हॉल में विभिन्न साहित्यिक गतिविधियां आयोजित की गई।

बजरंग सेना तेलंगाना के अध्यक्ष ने की हैदराबाद कलेक्टर से मुलाकात

हैदराबाद, 03 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

एन आर लक्ष्मण राव, बजरंग सेना तेलंगाना के अध्यक्ष ने हैदराबाद कलेक्टर अनुदीप दुरीशेट्टी से मुलाकात की। इस दौरान फीलखाना में महादेव मंदिर की जमीन पर अतिक्रमण के लंबे समय से लंबित मुद्दे को उनके ध्यान में लाया गया। बैठक के दौरान लक्ष्मण राव ने कलेक्टर को प्रणव बिल्डर्स द्वारा मंदिर की जमीन पर अवैध निर्माण के बारे में सूचित किया, जो एक दान संपत्ति है।उन्होंने बताया कि एंडोमेंट ट्रिब्यूनल कोर्ट केस नंबर 2/2017 में, बिल्डर ने पहले ही स्वीकार किया था कि संरचना अवैध है। अवैध निर्माण में दो सेलर फ्लोर, छह अतिरिक्त फ्लोर और एक पेंटहाउस शामिल हैं। एंडोमेंट कोर्ट में मामला अभी भी विचाराधीन होने के बावजूद, बिल्डर ने पहले ही कुछ फ्लैट बेच दिए हैं, जिससे कानूनी और धार्मिक अधिकारों का उल्लंघन हुआ है।बजरंग सेना तेलंगाना ने अधिकारियों से आग्रह किया है कि वे अवैध बिक्री को रोकने और मंदिर की जमीन को वापस लेने के लिए तत्काल कार्रवाई करें। हम प्रशासन से अनुरोध करते हैं कि इस मामले को प्राथमिकता दें और मंदिर की संपत्ति की पवित्रता को बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाएं।

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान में राष्ट्रीय श्री अन्न किसान मेला एवं उद्योग सम्मेलन 2025 का आयोजन

हैदराबाद, 03 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, राजेंद्रनगर, हैदराबाद के द्वारा प्रोफेसर जयशंकर तेलंगाना कृषि विश्वविद्यालय सभागार में अनुसूचित जाति तथा जनजाति परियोजना के अंतर्गत विकसित भारत हेतु श्री अन्न विषय पर आज 3 मार्च 2025 को राष्ट्रीय श्री अन्न किसान मेला एवं उद्योग सम्मेलन 2025 का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्री भागीरथ चौधरी, माननीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री, भारत सरकार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इनके साथ डॉ. अल्दास जानय्या, कुलपति, पीजीटीएयू, डॉ. राजी रेड्डी, कुलपति, एसकेएलटीएचयू, डॉ. जी नरेन्द्र कुमार, महानिदेशक, एनआईआरडीपीआर, डॉ. सुंचु ग्लोरी स्वरूपा, महानिदेशक, निम्समे, डॉ. तारा शर्मा, निदेशक, एनएआईबी, डॉ. शेख एन मीरा, निदेशक, भाकृअनुप-अटारी, डॉ. आर के माथुर, निदेशक, भाकृअनुप-भातिअनुसं, डॉ. एस बी बारबुद्धे, निदेशक, भाकृअनुप-रामांअनुसं, आर पी नायुडु, क्षेत्रीय प्रमुख, एपीडा, हैदराबाद, डॉ. (श्रीमती) सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाश्रीअनुसं एवं डॉ. ए कलैसेकर, अध्यक्ष, एससीएसपी एवं टीएसपी भी मंच पर उपस्थित थे। श्री भागीरथ चौधरी एवं अन्य गणमान्य लोगों के द्वारा दीप प्रज्ज्वलन करके इस मेले का उद्धाटन किया गया।

डॉ. सी तारा सत्यवती ने स्वागत संबोधन प्रस्तुत करते हुए किसान मेले के प्रयोजन के बारे में जानकारी प्रदान की। इसके अलावा मंच पर उपस्थित सभी गणमान्य लोगों का पुष्पगुच्छ से सम्मान किया गया। मंच पर उप-स्थित विद्वजनों ने अपने-अपने संबोधन में श्री अन्न व अन्य फसलों के अनुसंधान व विकास के बारे में जानकारी प्रदान करते हुए विकसित भारत में श्री अन्न के योगदान पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर गणमान्य विद्वानों के द्वारा संस्थान के विभिन्न प्रकाशनों (हिंदी, तेलुगु, कन्नड, ओड़िया, तमिल, मलयालम अंग्रेजी आदि भाषाओं में पुस्तक, पुस्तिका, पैंपलेट) का विमोचन किया गया। तत्पश्चात सुश्री लहरी बाई, भारत के श्री अन्न राजदूत, सुश्री रायमती घिउरिया, भारत की मिलेट क्वीन एवं श्री अन्न के विविध क्षेत्रों में योगदान करने वाले किसानों का सम्मान किया गया।

श्री भागीरथ चौधरी जी ने अपने संबोधन में कहा कि हमारे देश में कृषि रोजगार सृजन का प्रमुख साधन है। श्री अन्न ऐसी फसलें हैं जो मानव के साथ-साथ पशु व पक्षियों को भी पौष्टिक आहार प्रदान करती है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में इन फसलों को बहुत महत्व दिया जा रहा है। विकसित भारत की संकल्पना किसान की खुशहाली पर निर्भर है, अतः हमें किसान को समृद्ध बनाने हेतु कार्यों में तेजी लाना होगा। इसके अलावा उन्होंने किसानों से आग्रह किया कि वे मृदा स्वास्थ्य परीक्षण के बाद ही खेतों में उर्वरकों व पीड़कनाशकों का उपयोग करें ताकि उत्पादन लागत कम आए और फसल भी ज्यादा मिले जिससे आय भी बढ़े। उन्होंने बताया कि किसानों को अपने उत्पादों का उचित मूल्य न मिलना तथा उपभोक्ताओं को वे उत्पाद ज्यादा मूल्य में मिलना, जैसी समस्याओं का समाधान किया जा रहा है और इसी कड़ी में किसान उत्पादों का परिवहन खर्च आधा केंद्र सरकार तथा आधा राज्य सरकार द्वारा वहन किए जाने संबंधी योजना विचाराधीन है और इसे शीघ्र ही लागू किया जाएगा। वैज्ञानिकों का दायित्व है कि वे किसानों को सशक्त बनाएं, धरती खराब होने से बचाएं ताकि देश को समृद्ध बनाया जा सके। अंत में उन्होंने कहा कि आने वाला समय कृषि उद्योग का ही होगा।

डॉ. ए कलैसेकर के द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव तत्पश्चात राष्ट्रगान के साथ उद्घाटन कार्यक्रम संपन्न हुआ। तत्पश्चात श्री भागीरथ चौधरी ने इस अवसर पर लगाई गई प्रदर्शनी का उद्घाटन किया तथा विविध स्टालों का निरीक्षण भी किया।श्री भागीरथ चौधरी जी ने हैदराबाद आगमन पर सर्वप्रथम भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान का दौरा किया तथा किसान उत्पादक संगठनों हेतु नव-निर्मित श्री अन्न प्रसंस्करण एवं प्रशिक्षण इकाई का उद्घाटन किया। तत्पश्चात कृषि मंत्री जी ने संस्थान में स्थापित विभिन्न सुविधाओं (प्रयोगशालाओं, निर्माणाधीन वैश्विक श्री अन्न उत्कृष्टता केन्द्र, न्यूट्रीहब, उत्कृष्टता केंद्र) तथा श्री अन्न खेतों का निरीक्षण किया जहां उन्हें विषय-विशेषज्ञों के द्वारा संबंधित गतिविधियों तथा फसल की विशेषताओं के बारे में जानकारी प्रदान की गई। माननीय मंत्री जी ने संस्थान के द्वारा श्री अन्न संवर्धन हेतु जारी विविध गतिविधियों की सराहना की।

इस सम्मेलन में प्रदर्शनी स्टॉल, उत्पादक-खरीदार बैठकें, व्यवसाय- व्यवसाय बैठकें, पैनल चर्चा आदि शामिल थी। इस मेले में देशभर के लगभग 2,000 से ज्यादा किसानों, श्री अन्न किसान उत्पादक संगठनों, स्वयं सहायता समूहों, महिला किसानों, प्रद्योगविदों, शोध संस्थानों, नीति निर्माताओं, कृषि-व्यवसाय विशेषज्ञों, स्टार्टअप्स, उद्योगपतियों तथा अन्य सभी श्री अन्न हितधारकों ने भाग लिया।

श्री रामदेव जी महाराज का भव्य जम्मा जागरण सम्पन्न

हैदराबाद, 03 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री रामाधनी खम्माघनी सेवा समिति, अत्तापुर के तत्वावधान में श्री रामदेव जी महाराज का विशाल जम्मा जागरण बड़े ही हर्षोल्लास और धूम धाम के साथ श्री राम मंदिर, अत्तापुर में संपन्न हुआ ।।आज यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति में कार्यक्रम संयोजक श्रीकांत जोशी ने बताया कि आज श्री रामदेव जी महाराज के पूजन एवं जागृत ज्योत प्रज्वलन से आयोजन का शुभारंभ हुआ । इस अवसर पर श्री रामदेव जी महाराज का जन्म वृत्तांत, रामदेव जी महाराज के पर्चे, रामदेव जी महाराज का ब्यावला एवं कई अन्य सुमधुर भजनों की प्रस्तुति श्री रामदेव भक्त संगम के प्रमुख भजन गायक सुशील गोपाल जी बजाज ने की ।कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण श्री रामदेव की महाराज की जन्म झांकी, बड़े भाई श्री वीरमदेव जी की जन्म झांकी तथा श्री रामदेव जी और रानी नेतल जी के विवाह की अलौकिक झांकियां, अखंड ज्योत एवं महाप्रसाद आयोजन था ।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में अत्तापुर राजेंद्र नगर क्षेत्र के विधायक श्री टी. प्रकाश गौड़, अत्तापुर पुलिस स्टेशन के सी आई श्री नागेश्वर राव, एस आई श्री सी एच श्रीनू एवं समाज सेवी प्रवीण नावंदर का शाल, माला एवं स्मृतिचिन्ह द्वारा स्वागत समिति के सदस्यों द्वारा किया गया । इसके अलावा विभिन्न सामाजिक संस्थाओं से पधारे विशिष्टजनो, पदाधिकारियों एवं सहयोग कर्ताओं का सम्मान किया गया ।

कार्यक्रम में श्री रामाधनी खम्माघनी सेवा समिति के सदस्यगण श्रीकांत जोशी, बाबूलाल जोशी, सुरेश कुमार मोदी, नरेश डोबा, जयप्रकाश जोशी, अशोक शर्मा, पन्नालाल शर्मा, प्रकाश जोशी, मनमोहन काबरा, प्रेमकुमार तोषनीवाल , हेमंत कुमार चांडक, श्रीगोपाल सारडा, विजय कुमार व्यास, संतोष कुमार दरगड़, राजगोपाल जोशी, सुमित जोशी, रमेश कुमार लद्दड, राजेंद्र अग्रवाल, प्रहलाद सारडा, आनंद व्यास, नर्सिंगदास सारडा, दिनेश चांडक, बाबूलाल शर्मा, जुगल किशोर शर्मा, जय चांडक, रामदेव राठी, विशाल जोशी, आनंदराज राठी, पंकज बियाणी , गणपत राजपुरोहित, प्रकाश राजपुरोहित , ओमप्रकाश बंग, रघुनाथ करवा, पूरणमल कुमावत, सुनील तिवारी, जगदीशप्रसाद तिवारी, महेंद्र सारडा, संजय पंचारिया, चांदरतन उपाध्याय, गोपाल तिवारी, रामप्रकाश दरक, कमल किशोर भूतड़ा, विष्णु प्रकाश राठी, रतनलाल नाहटा, सुबोध धुत, लक्ष्मीकांत जोशी, रमेश राजपुरोहित, राजेंद्र बहवाल, प्रशांत सारडा, संजय गुप्ता, प्रवीण चौकड़ा, जितेन्द्र जोशी, हरीश उपाध्याय, संकेत सोनी, गोपाल जाजू, गिरिराज करवा, राजेश शर्मा, जितेन्द्र लाल उपाध्याय, पुरूषोतम कड़ेल (सोनी) , प्रेम मूंदड़ा एवं अन्य की सहपरिवार उपस्थिति रही । इस अवसर पर श्रवण कुमार व्यास, कमल डोबा, दीपक जोशी, पवन जोशी, अनिकेत जोशी, आकाश जोशी, आशीष जोशी, कार्तिक सारडा, रामदेव जोशी, पवन तोषनीवाल, वरुण तिवारी, भरत सारडा, खुशी दरक, सताक्षी जोशी, नैना जोशी, का विशेष सहयोग रहा ।।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्री रामदेव जी महाराज के भक्तों ने भाग लिया एवं भव्य अलौकिक झांकियां, जागृत ज्योत के दर्शन कर महाप्रसाद का आनंद लिया ।

तीनों आरतियो के पश्चात कार्यक्रम के अंत में श्री सुशील जी गोपाल जी बजाज ने पिछले तीन वर्षों की तरह चौथी बार भी इतना भव्य जम्मा जागरण आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न करने पर श्री रामाधनी खम्माघनी सेवा समिति के सभी सदस्यों का हार्दिक आभार एवं धन्यवाद प्रकट किया ।

शिक्षक एमएलसी चुनाव में भाजपा उम्मीदवार मल्का कोमुरय्या और पीआरटीयू उम्मीदवार श्रीपाल रेड्डी विजयी

हैदराबाद, 03 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

करीमनगर-मेदक-आदिलाबाद-निजामाबाद शिक्षक कोटा एमएलसी चुनाव में भाजपा उम्मीदवार मल्का कोमुरय्या विजयी हुए है। कोमुरय्या प्रथम प्राथमिकता वोट से विजयी हुए। भाजपा उम्मीदवार कोमुरय्या को 12,959 वोट मिले, वही, वंगा महेंद्र रेड्डी को 7182 वोट मिले, अशोक कुमार को 2621 वोट मिले और कुरा राघोत्तम रेड्डी को 428 वोट मिले है।

बीजेपी कार्यकर्ता मल्का कोमुरय्या की जीत पर जश्न मना रहे हैं।

दूसरी ओर, पीआरटीयू उम्मीदवार श्रीपाल रेड्डी ने नलगोंडा-वरंगल-खम्मम शिक्षक एमएलसी के रूप में जीत हासिल की। वह द्वितीय वरीयता के वोटों से जीते है। यह चुनाव तनाव से भरे रहे है। क्योंकि कुल 2,50,000 मतों में से 40,000 से अधिक मत अवैध पाये गये। ज्ञातव्य है कि तेलंगाना में दो शिक्षक और एक स्नातक एमएलसी सीट के लिए 27 फरवरी को मतदान हुआ था। बीआरएस इन एमएलसी चुनावों से दूर रह रही है।

श्रीपाल रेड्डी ने कांटे की टक्कर वाली मतगणना में यूटीएफ उम्मीदवार और वर्तमान एमएलसी अलुगुबेली नरसी रेड्डी पर द्वितीय वरीयता के मतों से जीत हासिल की। मतगणना शुरू होने के बाद से ही श्रीपाल रेड्डी आगे चल रहे हैं। हालाँकि, किसी भी उम्मीदवार को प्रथम प्राथमिकता की मतगणना में जीतने के लिए आवश्यक मत नहीं मिले, इसलिए द्वितीय प्राथमिकता की मतगणना कराई गई।

महिला दिवस के उपलक्ष्य में लव फ़ॉर काऊ फ़ाउण्डेशन द्वारा गुजराती स्कूल में आयोजित सम्मान समारोह में श्री रामनाम आराधना महिला मंडल की अध्यक्ष सरस्वती बाई राठी को गौरव पुरस्कार प्रदान किया गया। यह पुरस्कार उन्हें उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्का की पत्नी नंदिनी भट्टी विक्रमार्का एवं अन्य ने प्रदान किया।

वरिष्ठ समाज सेवी श्रीवल्लभ मालाणी के 87वें जन्मदिवस एवं अ. भा. माहेश्वरी महासभा के पूर्व उपसभापति नथमल डालिया के 88वें जन्मदिवस पर बधाई देते हुए महेश बैंक के चेयरमैन रमेश कुमार, रामदयाल राठी, मनोज कुमार बाहेती, लक्ष्मीनारायण लाहोटी, ब्रिजगोपाल असावा, धनराज सोनी, रंगनाथ काबरा, ओमप्रकाश करवा, कैलाश डालिया, सुनील मालाणी, जुगल सारडा, बद्रीविशाल राठी, हनुमानदास राठी एवं अन्य ।

तेलंगाना, आंध्र में 10 एमएलसी सीटों के लिए चुनाव की अधिसूचना जारी

हैदराबाद/अमरावती: भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) ने सोमवार को तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में पांच-पांच विधान परिषद सीटों के लिए द्विवार्षिक चुनावों के लिए अधिसूचना जारी की। दोनों तेलुगु राज्यों में विधान सभा के सदस्य 20 मार्च को एमएलसी का चुनाव करेंगे। ईसीआई द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार, 10 मार्च तक नामांकन दाखिल किए जा सकते हैं, जबकि नामांकन की जांच 11 मार्च को की जाएगी। नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि 13 मार्च है। 10 एमएलसी 29 मार्च को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। तेलंगाना में सेवानिवृत्त होने वाले एमएलसी में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के महमूद अली, सत्यवती राठौड़ और सेरी सुभाष रेड्डी, पिछले साल बीआरएस से कांग्रेस में शामिल हुए मल्लेशम येग्गे और ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के मिर्जा रियाजुल हसन इफेंडी शामिल हैं। सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी को तीन सीटें मिलने की संभावना है, जबकि शेष दो सीटें मुख्य विपक्षी दल बीआरएस को मिल सकती हैं। यह देखना बाकी है कि कांग्रेस एआईएमआईएम के लिए एक सीट छोड़ती है या नहीं, जो नवंबर 2023 में कांग्रेस द्वारा बीआरएस से सत्ता छीनने के बाद एक मित्र पार्टी बन गई थी।

एआईएमआईएम के पास सात सीटें हैं, जबकि कांग्रेस की सहयोगी सीपीआई के पास एक सीट है और उनका समर्थन सत्तारूढ़ पार्टी के लिए महत्वपूर्ण होगा।

बीआरएस, जिसके पास 28 विधायक हैं, पूर्व मंत्री सत्यवती राठौड़ को बनाए रखने और अन्य सीट के लिए एक नए चेहरे का नाम देने की संभावना है। तेलंगाना विधानसभा में भाजपा के सात सदस्य हैं।

आंध्र प्रदेश में, तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के दुवरापु रामा राव, परुचुरी अशोक बाबू, बी. तिरुमाला नायडू और यनमाला राम कृष्णुडू 29 मार्च को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। जंगा कृष्ण मूर्ति की सीट 15 मई, 2024 से खाली है, जब वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के खिलाफ विद्रोह के बाद परिषद के अध्यक्ष द्वारा उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया था।

आंध्र प्रदेश में टीडीपी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के 175 सदस्यीय विधानसभा में भारी बहुमत के कारण चुनावों में भारी जीत मिलने की संभावना है। 164 विधायकों के साथ गठबंधन सभी पांच सीटों पर कब्जा करने के लिए तैयार है। टीडीपी अपने सहयोगियों के लिए तीन सीटें छोड़ सकती है - दो सीटें जन सेना के लिए और एक भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लिए। एनडीए से एमएलसी टिकट के प्रमुख उम्मीदवारों में अभिनेता नागेंद्र बाबू भी शामिल हैं, जो उपमुख्यमंत्री और जन सेना अध्यक्ष पवन कल्याण के भाई हैं। मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू पहले ही घोषणा कर चुके हैं कि नागा बाबू, जैसा कि नागेंद्र बाबू लोकप्रिय रूप से जाने जाते हैं, को मंत्रिमंडल में शामिल किया जाएगा। टीडीपी गठबंधन सहयोगियों के उम्मीदवारों के लिए पिछले साल विधानसभा चुनाव से हटने वाले दो नेताओं को नामित कर सकती है। एसवीएसएन वर्मा, जिन्होंने पवन कल्याण के लिए पीथापुरम निर्वाचन क्षेत्र से अपना नाम वापस ले लिया था, को चंद्रबाबू नायडू द्वारा किए गए वादे के अनुसार परिषद में नामित किए जाने की संभावना है। टीडीपी वरिष्ठ नेता पूर्व मंत्री देवीनेनी उमामहेश्वर राव को भी पुरस्कृत कर सकती है, जिन्होंने वी.वी. कृष्ण प्रसाद के पक्ष में मायलावरम निर्वाचन क्षेत्र से अपना नाम वापस ले लिया था, जो वाईएसआरसीपी से टीडीपी में शामिल हुए थे।

अग्रवाल समाज ऐर्रागड्डा युवा शाखा की कार्यकारिणी सभा महेश अग्रवाल के निवास स्थान पर सम्पन्न हुआ। सभा में होली मिलन समारोह पर विचार-विमर्श किया गया। सभी ने आगामी 23 मार्च, 2025 को करने का विचार व्यक्त किया। सभा में रौनक खेतान, योगेश अग्रवाल, अभिषेक अग्रवाल, चिराग अग्रवाल, अंकुश अग्रवाल, महेश अग्रवाल, चंद्रप्रकाश अग्रवाल व अन्य उपस्थित थे।

श्री श्याम प्रेमी हैदराबाद द्वारा फाल्गुन सुदी एकादशी के उपलक्ष मेह रण बी रंगी श्री श्याम निशान शोभा यात्रा श्री दुर्गा माता मंदिर मुख्तियार गुंज सिद्दियंबर बाजार से श्री श्याम मंदिर काचीगुड़ा तक निकली गई। जिसमें भजन गायक सुनील शर्मा एवं चेतन दाहिमा एवं मंडल के सदस्यों मनोज चौधरी, बालमुकुमद अग्रवाल, योगेश टिबरेवाल, मनोज अग्रवाल गौशालावाला एवं अन्य भगतजन उपस्थित रहे।

अग्र महिला मंच तेलंगाना का रंग उड़ाए पिचकारी होली का कार्यक्रम 6 को

हैदराबाद, 03 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्र महिला मंच तेलंगाना के कार्यकारिणी सदस्यों की मीटिंग हिमायतनगर स्थित होटल मसाला में सम्पन्न हुई। सभी पदाधिकारीयों की सर्वसम्मति से मंच द्वारा होली उत्सव मनाने का निर्णय लिया गया।

प्रेस विज्ञप्ति में मंच की अध्यक्षा दीपा गर्ग ने बताया कि 6 मार्च को मध्याह्न 1.30 बजे से 4 बजे तक आदित्य हॉस्पिटल, रामकोट के समीप हैदराबाद क्लब में मंच द्वारा होली हुड़दंग रंग उड़ाए पिचकारी,रंग जाए उसमें महिला सारीमस्ती भरा कार्यक्रम रखा गया है।इसके अंतर्गत होली के मनोरंजक गेम्स,होली से संबंधित तंबोला के साथ ही वेलकम ड्रिंक, स्वादिष्ट भोजन की व्यवस्था भी की गई है।समय पर आगमन गेम भी रहेगा।मुख्य आकर्षण में राधा कृष्णा के वेशभूषा प्रतियोगिता में विजेता को पुरस्कार दिया जाएगा। मुख्य संयोजिकाएं दीपा गर्ग मंत्राणी अंजू गोयल ने सभी को समय पर आकर सहयोग देने के लिए निवेदन किया है।इस सभा में सरला अग्रवाल, सीमा पंसारी, सीमा गर्ग, मंजू केजरीवाल, सपना अग्रवाल, संगीता देवड़ा, सरला जिंदल, अमिता बगेड़िया, प्रभावती अग्रवाल, मीना कुँचल, मीता पंसारी, सुनीता (आगरा), मधु गोयल की उपस्थिति रही।

तेलंगाना सुरंग बचाव कार्य का 10वां दिन

एससीआर टीम ने टीबीएम के ढहे हुए प्लेटफॉर्म को काटकर मलबा हटाने का काम तेज किया

नागरकर्नूल, 03 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

एक बड़ी सफलता के रूप में, दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) की मैकेनिकल इंजीनियरिंग टीम ने रविवार (2 मार्च, 2025) की देर रात ढह गई श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल (एसएलबीसी) सुरंग के अंदर क्षतिग्रस्त टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) के प्लेटफॉर्म को काटने में कामयाबी हासिल की, जिससे धातु के मलबे को तेजी से हटाने में मदद मिली।एससीआर द्वारा कमीशन किए गए तीन अल्ट्रा थर्मिक कटर ने धातु काटने के काम को तेज कर दिया है और टीबीएम के प्लेटफॉर्म को काट दिया गया है। सोमवार (3 मार्च, 2025) को एक शीर्ष सरकारी अधिकारी ने कहा, धातु के मलबे को युद्ध स्तर पर हटाया जा रहा है। आठ कर्मियों के फंसे हुए शवों का पता लगाने के प्रयास पूरे जोरों पर चल रहे हैं।

एसएलबीसी सुरंग का एक हिस्सा ढहने के 10 दिन हो चुके हैं, जिसके कारण सुरंग के अंदर काम कर रहे आठ लोग फंस गए हैं, तथा उनका कोई पता नहीं चल पाया है।बचाव अभियान की निगरानी कर रहे शीर्ष अधिकारी ने द हिंदू को बताया, एक बार साइट साफ हो जाने के बाद, बॉबकैट और छोटे उत्खननकर्ता जैसी छोटी मशीनों को काम पर लगाया जाएगा, जो टीबीएम के अंतिम छोर तक जा सकती हैं और इससे गाद को तेजी से हटाने में मदद मिलेगी। रविवार को शीर्ष मंत्रिस्तरीय टीम के साथ मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के दौरे के बाद, जहां उन्होंने बचाव प्रयासों की समीक्षा की , काम में तेजी आई है।बताया गया कि कन्वेयर बेल्ट को मंगलवार सुबह तक चालू कर दिया जाएगा। अभी तक मुख्य बचाव दल में सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड के 80 कर्मचारी, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और रेलवे के 20 कर्मचारी शामिल हैं। नेशनल जियोफिजिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट (एनजीआरआई) की एक इकाई ग्राउंड प्रोबिंग रडार (जीपीआर) इकाई की मदद से जरूरत पड़ने पर परीक्षण करने के लिए तैनात है।सूत्रों ने बताया कि सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के कर्नल परीक्षित मेहरा सिंचाई विभाग की इंजीनियरिंग टीम और कार्यान्वयन एजेंसी के प्रतिनिधियों के साथ-साथ एनजीआरआई के साथ मिलकर क्षतिग्रस्त सुरंग के संवेदनशील हिस्से से बचते हुए दो छोटे व्यास वाली सुरंगों की संभावना तलाश कर मध्यम/दीर्घकालिक समाधान निकालने के लिए बैठक करेंगे।बचाव अभियान को गति देने के लिए, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र की एक टीम अपने उपकरणों के साथ मंगलवार (4 मार्च, 2025) को नागरकुरनूल जिले के डोमलपेंटा में एसएलबीसी स्थल पर पहुंचेगी।उल्लेखनीय है कि तेलंगाना के विशेष मुख्य सचिव (आपदा प्रबंधन) अरविंद कुमार ने पिछले सप्ताह पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय को लिखे पत्र में कहा था कि एसएलबीसी सुरंग के निर्माण कार्य का एक हिस्सा प्रारंभिक बिंदु से 13.9 किलोमीटर दूर लगभग 200 मीटर तक ढह गया, जिससे आठ श्रमिक अंदर फंस गए।सरकार ने एनसीएस की एक टीम से अनुरोध किया था कि वह दरारों की मात्रा और प्रभावित क्षेत्र में जल संतृप्ति की सीमा का आकलन करने के लिए भूकंपीय अध्ययन करे।

राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के अंतर्गत सोमवार को नामपल्ली स्थित पाब्लिक गार्डन, पिलर नं. ए1265 के समीप जरूरतमंद लोगों में अल्पाहार सेवा की गई। इस अवसर राधे राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित थे।

नरसिंगी में तेज रफ्तार कार ने पैदल यात्री को कुचला

हैदराबाद, 03 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

रविवार मध्य रात्रि को शहर के उपनगर नरसिंगी में एक तेज रफ्तार कार की टक्कर से एक पैदल यात्री की मौत हो गई।पीड़ित की पहचान आंध्र प्रदेश के मूल निवासी के. श्रीनिवास (30) के रूप में हुई है, जो काम के लिए शहर आया था और दुर्घटना के समय वह सड़क पार कर रहा था।टाटा हैरियर नाम की एक कार, जिसे उसके चालक ने लापरवाही से चलाया था, ने उसे कुचल दिया। श्रीनिवास को गंभीर चोटें आईं और उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

CHANGE OF NAME
I, No. JC 732044X Sub BULU SETHI of Aoc Records, Aoc Centre, Secunderabad, TS that my mother Name is changed from PADMMA SETHI to PADMA SETHI

रणजी ट्रॉफी विजेता विदर्भ को मिले पांच करोड़ रुपए चैम्पियंस ट्रॉफी सेमीफाइनल की इनामी राशि के है बराबर

मुम्बई, 03 मार्च (एजेंसियां)। इस बार रणजी ट्रॉफी विजेता रही विदर्भ को पांच करोड़ की इनामी राशि मिली है जबकि पिछले सत्र में ये 2 करोड़ रुपये थी। ये चैम्पियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल तक पहुंचने वाली टीम को मिलने वाली राशि के बराबर है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने घरेलू क्रिकेट को प्रौत्साहित करने के लिए राशि को बढ़ाया है।

बीसीसीआई सचिव जय शाह ने ट्वीट कर इस बदलाव की जानकारी दी थी, जिसका लक्ष्य घरेलू क्रिकेट को और प्रोत्साहित करना है।

यह राशि घरेलू क्रिकेट को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के करीबी लाने की बोर्ड की पहल का हिस्सा है। जहां चैंपियंस ट्रॉफी में दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमें हिस्सा लेती हैं, वहीं रणजी ट्रॉफी भारत का शीर्ष स्तर का घरेलू टूर्नामेंट है। इससे पता चलता है कि भारत में क्रिकेट घरेलू स्तर पर अब पहले से कहीं ज्यादा सम्मान और महत्व हासिल कर रहा है। इस प्रकार चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में पहुंचना और रणजी ट्रॉफी जीतना इनाम राशि के मामले में तकरीबन बराबर हो गया है।

इसके पीछे बीसीसीआई का घरेलू क्रिकेट को मजबूत करने का लक्ष्य है। है। इसी के तहत नई इनामी राशि के तहत रणजी ट्रॉफी विजेता का इनाम 2 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 5 करोड़ रुपये कर दिया गया। वहीं उपविजेता को भी अब 3 करोड़ रुपये मिले हैं जबकि पहले ये 1 करोड़ रुपये थे। वहीं अन्य टूर्नामेंट्स में भी बढ़ोतरी हुई है, जैसे दलीप ट्रॉफी विजेता को अब 1 करोड़ रुपये जबकि पहले 40 लाख रुपये मिलते थे। वहीं विजय हजारे ट्रॉफी के विजेता को भी 30 लाख रुपये की जगह 1 करोड़ रुपये और सीनियर विमेंस वनडे ट्रॉफी विजेता को 50 लाख रुपये मिल रहे हैं जबकि पहले 6 लाख रुपये मिलते थे। बीसीसीआई का यह कदम घरेलू खिलाड़ियों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक बड़ा प्रयास है।

वहीं, चैंपियंस ट्रॉफी के इस सत्र में कुल इनामी राशि 6.9 मिलियन डॉलर है। ये साल 2017 के संस्करण से 53 फीसदी अधिक है। इसमें विजेता को 2.24 मिलियन डॉलर (लगभग 19.5 करोड़ रुपये) और उपविजेता को 1.12 मिलियन डॉलर (लगभग 9.78 करोड़ रुपये) मिलेंगे। वहीं सेमीफाइनल में हारने वाली टीम को 560,000 डॉलर यानी करीब 4.89 करोड़ रुपये की राशि मिलेगी।

न्यूज ब्रीफ

वरुण ने स्टुअर्ट बिन्नी का रिकॉर्ड तोड़ा

दुबई। भारतीय टीम के स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी के पहले ही मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच विकेट लेकर एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। इसी के साथ ही वरुण भारतीय टीम की ओर से अपने दूसरे ही एकदिवसीय में पांच विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बने हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड स्टुअर्ट बिन्नी के नाम पर था। स्टुअर्ट ने साल 2014 में अपने तीसरे ही एकदिवसीय मुकाबले में बांग्लादेश के खिलाफ 6 रन देकर 4 विकेट लिए थे। वहीं अब वरुण एकदिवसीय करियर में सबसे कम मैचों के अंदर पांच या उससे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज बन गए हैं। चैंपियंस ट्रॉफी में इससे पहले भारतीय टीम की ओर से रविन्द जडेजा ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 36 रन देकर पांच विकेट लिए थे। वरुण ने रिकॉर्ड बनाने के बाद कहा कि सबसे पहले तो मुझे शुरुआती दौर में घबराहट महसूस हुई। मैंने एकदिवसीय प्रारूप में भारत के लिए ज्यादा मैच नहीं खेले हैं पर जैसे-जैसे खेल आगे बढ़ा, मुझे बेहतर महसूस हुआ।

कृष्णा जयशंकर ने तोड़ा राष्ट्रीय रिकॉर्ड, माउंटेन वेस्ट इंडोर चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता

नई दिल्ली। भारत की कृष्णा जयशंकर ने माउंटेन वेस्ट इंडोर ट्रैक एंड फील्ड चैंपियनशिप में शानदार

प्रदर्शन करते हुए महिलाओं की शॉट पुट स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। 22 वर्षीय कृष्णा ने 16.03 मीटर के प्रयास के साथ न केवल पोडियम पर जगह बनाई, बल्कि भारतीय इनडोर राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। नेवादा विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व कर रही कृष्णा ने शनिवार को हुए फाइनल में अपने अंतिम प्रयास में 16.03 मीटर का थ्रो फेंका, जिससे उन्होंने 2023 में महाराष्ट्र के पूर्णाराव राणे द्वारा स्थापित 15.54 मीटर के पिछले राष्ट्रीय रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। इस प्रतियोगिता में कोलोराडो विश्वविद्यालय की मैया लेंसर ने 19.02 मीटर के प्रयास के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि उनके साथी गैबी मोर्न्स ने 17.09 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक पर कब्जा जमाया। न्यू मैक्सिको राज्य के अल्बुकर्क में आयोजित इस प्रतिष्ठित इनडोर प्रतियोगिता में कृष्णा के शानदार प्रदर्शन ने भारतीय एथलेटिक्स में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है।

जोशुआ चेप्टेगी ने 2025 विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप के लिए किया क्वालीफाई

नई दिल्ली। युगांडा के दिग्गज धावक जोशुआ चेप्टेगी ने जापान के टोक्यो में आयोजित मैराथन में शानदार

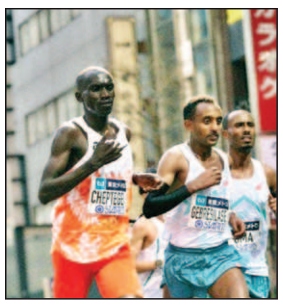

प्रदर्शन करते हुए 2025 विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप के लिए क्वालीफाई कर लिया है। दो बार के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता चेप्टेगी ने रविवार को टोक्यो मैराथन में 2 घंटे 5 मिनट 59 सेकंड का समय निकालते हुए नौवां स्थान हासिल किया और विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप के लिए निर्धारित 2:06:30 के क्वालीफाइंग समय को पार कर लिया। इस रेस में इथियोपिया के टाडेस ताकेले ने पहला स्थान प्राप्त किया। चेप्टेगी ने क्वालीफाई करने पर खुशी जताते हुए कहा, मैं बहुत उत्साहित हूं कि मैं अपनी दूसरी मैराथन में शीर्ष 10 में जगह बना सका। ट्रैक से मैराथन में आने के बाद से मैं अभी भी सीखने की प्रक्रिया में हूं। युगांडा के ही एक अन्य धावक, स्टीफन किस्सा, 25वें स्थान पर रहे लेकिन क्वालीफाइंग समय को पार करने में असफल रहे। गौरतलब है कि चेप्टेगी ने पिछले साल 42 किमी मैराथन पर ध्यान केंद्रित करने के लिए 5,000 मीटर और 10,000 मीटर की दौड़ से हटने की घोषणा की थी। उन्होंने 2023 में वालेंसिया मैराथन में अपना डेब्यू किया था, जहां वे 37वें स्थान पर रहे थे।

संशोधित- चैंपियंस ट्रॉफी : सेमीफाइनल में भारत-ऑस्ट्रेलिया की टक्कर, न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका आमने-सामने

नई दिल्ली, 03 मार्च (एजेंसियां)। भारत मंगलवार को दुबई में खेले जाने वाले चैंपियंस ट्रॉफी के पहले सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगा। भारत ने रविवार को अपने अंतिम ग्रुप-स्टेज मुकाबले में न्यूजीलैंड को 44 रनों से हराकर अंतिम चार में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबले की पटकथा लिखी थी। वहीं, न्यूजीलैंड बुधवार को लाहौर में खेले जाने वाले दूसरे सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका का सामना करेगा।

पेचीदा शेड्यूलिंग का असर

टूर्नामेंट के शेड्यूलिंग फैसलों के कारण ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका दोनों पहले ही दुबई पहुंच चुके थे। आईसीसी के एक अधिकारी ने बताया कि 4 मार्च को दुबई में सेमीफाइनल खेलने वाली टीम (ऑस्ट्रेलिया) को तैयारी के लिए अधिकतम समय देने का निर्णय लिया गया था। हालांकि, इससे दक्षिण अफ्रीकी टीम को असुविधा हुई, क्योंकि उन्हें दुबई से पाकिस्तान लौटना पड़ेगा।

न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका की यात्रा

न्यूजीलैंड सोमवार को दुबई से लाहौर के लिए उड़ान भरेगा, जबकि दक्षिण अफ्रीका लगभग 36 घंटे दुबई में बिताने के बाद पाकिस्तान लौटेगा। न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सेंटनर ने कहा, हम 12.30 या 1 बजे (दुबई) से निकलेंगे। हम वहां पहुंचकर आराम करेंगे, प्रशिक्षण लेंगे और पूरी तरह तैयार होंगे।

सेमीफाइनल को लेकर रोहित शर्मा का उत्साह भारतीय कप्तान रोहित शर्मा टीम के प्रदर्शन से संतुष्ट नजर आए। भारत चैंपियंस ट्रॉफी के ग्रुप चरण में अपने सभी मैच जीतने वाली एकमात्र टीम रहा। न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत के बाद रोहित ने कहा, इतने छोटे टूर्नामेंट में गति बनाए रखना बहुत महत्वपूर्ण है। हम हर मैच जीतने की कोशिश कर रहे हैं और गलतियों को जल्दी सुधारना ही सफलता की कुंजी है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले सेमीफाइनल को लेकर उन्होंने कहा, यह एक बड़ा मुकाबला होने जा रहा है। हम जानते हैं कि ऑस्ट्रेलिया का आईसीसी टूर्नामेंट में शानदार रिकॉर्ड रहा है। यह हमारे लिए अपनी रणनीति सही तरीके से लागू करने का अवसर है। हमें इस मुकाबले का इंतजार है और उम्मीद है कि हम एक और जीत दर्ज कर सकेंगे।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025: चोटिल मैट शॉर्ट की जगह कूपर कोनोली ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल

दुबई, 03 मार्च (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया ने सेमीफाइनल से पहले अपनी चैंपियंस ट्रॉफी टीम में बदलाव किया है। ऑलराउंडर मैट शॉर्ट के चोट के कारण बाहर होने के बाद युवा बाएं हाथ के बल्लेबाज और स्पिनर कूपर कोनोली को टीम में शामिल किया गया है।

शॉर्ट को अफगानिस्तान के खिलाफ मुकाबले के दौरान चोट लगी थी, जिससे वे नॉकआउट मुकाबलों के लिए फिट नहीं हो सके। 21 वर्षीय कोनोली पहले से ही टीम के साथ यात्रा रिजर्व के रूप में मौजूद थे, जिससे वे तुरंत चयन के लिए उपलब्ध हो गए हैं।

सेमीफाइनल में भारत से मुकाबला, टीम संयोजन पर विचार

ऑस्ट्रेलिया मंगलवार को दुबई में खेले जाने वाले सेमीफाइनल में भारत का सामना करेगा। न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत के बाद भारत सेमीफाइनल में पहुंचा है।

टीम प्रबंधन अब यह तय करेगा कि कोनोली को सीधे प्लेइंग इलेवन में शामिल किया जाए या फिर विकल्पों पर विचार किया जाए। यदि चयनकर्ता शीर्ष क्रम में बदलाव करना चाहते हैं, तो जेक फ्रेजर-मैकगर्क को मौका दिया जा सकता है। वहीं, यदि टीम एक अतिरिक्त स्पिनर चाहती है, तो तनवीर संघा के चयन पर विचार किया जा सकता है।

स्पिनरों की भूमिका अहम, ज़म्पा ने दी प्रतिक्रिया

दुबई की पिच को देखते हुए स्पिनरों की अहम भूमिका होगी। भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले में 37.3 ओवर की स्पिन गेंदबाजी कराई थी, जिसमें वरुण चक्रवर्ती ने 42 रन देकर 5 विकेट झटके थे।

ऑस्ट्रेलियाई लेग स्पिनर एडम ज़म्पा क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के हवाले से कहा, टूर्नामेंट की प्रकृति को देखते हुए हमें अलग-अलग परिस्थितियों में खेलना पड़ा है। पाकिस्तान और दुबई की परिस्थितियों में थोड़ा अंतर है। पिच धीमी हो सकती है, जिससे विकेट लेने के और मौके बन सकते हैं। उन्होंने आगे कहा, मुझे नहीं लगता कि मैं अपनी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी कर रहा हूं, लेकिन इसके बावजूद टीम के लिए योगदान देना और अहम विकेट लेना मेरे लिए महत्वपूर्ण है।

वर्ल्ड एरिना पोलो चैंपियनशिप 2025

तेलंगाना टूरिज्म कप पर फ्रांस का कब्जा

हैदराबाद, 3 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद पोलो एंड राइडिंग क्लब द्वारा आयोजित वर्ल्ड एरिना पोलो चैंपियनशिप 2025 - तेलंगाना टूरिज्म कप के बहुप्रतीक्षित फाइनल में फ्रांस और इंडिया के बीच जोरदार मुकाबला हुआ। चार चक्कर तक चले इस मुकाबले में प्रशंसक अपनी सीटों से चिपके रहे।

फ्रांस ने शुरुआती चक्कर से ही बढ़त हासिल कर ली और तेजी से चार गोल दागकर भारत पर दबाव बनाया। भारत ने दो गोल दागकर जोरदार जवाब दिया, हालांकि पहले हाफ में फ्रांसीसी टीम बेहतर थी।

भारत द्वारा एक गोल दागने और दूसरे चक्कर में फ्रांस द्वारा दो और गोल दागने के बाद परिणाम 6-3 से फ्रांस के पक्ष में रहा।

फ्रांस ने तीसरे चक्कर में अपना दबदबा बनाए रखा और दो और गोल दागे, जबकि भारत को बराबरी बनाए रखना मुश्किल लगा और वह सिर्फ एक गोल ही कर सका। तीसरे चक्कर के पूरा होने पर भी फ्रांस आगे था।टीम इंडिया ने दो तेज़ गोल करके स्कोर को 8-8 से बराबर कर दिया, जिससे अंतिम चक्कर रोमांचक हो गया। फ्रांस ने दो तेज़ गोल करके 10-8 से जीत हासिल की और वर्ल्ड एरिना पोलो चैंपियनशिप 2025 का खिताब जीता।

खेल को देखने के लिए उत्साही दर्शक उमड़ पड़े और दोनों पक्षों के प्रशंसकों ने एक रोमांचक माहौल बनाया। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में टीम फ्रांस की जीत पोलो की एक बड़ी उपलब्धि है।

सुरेश खंडेलवाल गैलेक्सी इम्पेक्स के मालिक और अध्यक्ष ने फ्रेंच टीम को ट्रॉफी प्रदान की। इस अवसर पर एचपीआरसी के अध्यक्ष चैतन्य कुमार, एड आर्मस्ट्रांग एवं अन्य गणमान्य उपस्थित थे।वर्ल्ड एरिना पोलो चैंपियनशिप 2025 समापन के बाद भव्य रैम्प वॉक का आयोजन किया गया जिसमें पोलो खिलाड़ी, स्नैप इंडिया के संपादक शम्सुद्दीन एवं अन्य उपस्थित थे। अंतरराष्ट्रीय डिजाइनर जोइता सेन द्वारा आयोजित शानदार फैशन शो में रैंप पर महिला मॉडलों ने अपना जलवा बिखेरा।

फीफा ने पाकिस्तान फुटबॉल महासंघ से हटाया प्रतिबंध, अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में खेलने का रास्ता साफ

नई दिल्ली, 03 मार्च (एजेंसियां)। फुटबॉल की विश्व नियामक संस्था फीफा ने पाकिस्तान फुटबॉल महासंघ (पीएफएफ) पर लगे निलंबन को हटा लिया है। यह फैसला पीएफएफ असाधारण कांग्रेस द्वारा सुझाए गए संवैधानिक परिवर्तनों को मंजूरी मिलने के बाद लिया गया।

पीएफएफ ने एक आधिकारिक बयान में कहा, 27 फरवरी को पीएफएफ असाधारण कांग्रेस के सफल नतीजे के बाद फीफा ने पाकिस्तान फुटबॉल महासंघ पर से निलंबन हटा दिया है और उसके पूर्ण सदस्यता अधिकार बहाल कर दिए हैं।

संस्था ने आगे कहा कि वह फीफा और एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) के निरंतर समर्थन के लिए आभार व्यक्त करता है और पाकिस्तान फुटबॉल समुदाय को बधाई देता है।

तीसरी बार लगा था प्रतिबंध

फीफा ने 2017 और 2021 में तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप के कारण पाकिस्तान पर दो बार प्रतिबंध लगाया था। 2019 में, संगठन ने पीएफएफ के संचालन और चुनावों की निगरानी के लिए एक सामान्यीकरण समिति गठित की थी। हाल ही में, 7 फरवरी 2025 को फीफा ने निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने वाले संविधान को न अपनाने के कारण पाकिस्तान पर तीसरी बार प्रतिबंध लगाया था। लेकिन अब फीफा द्वारा अनुमोदित संविधान में बदलाव के बाद पीएफएफ को अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में हिस्सा लेने की अनुमति मिल गई है।

अंतरराष्ट्रीय मंच पर पाकिस्तान की स्थिति पाकिस्तान फुटबॉल टीम का प्रदर्शन बीते वर्षों में निराशाजनक रहा है। टीम 1962 मर्डेका कप और 1997 सैफ चैंपियनशिप में उपविजेता रही थी। हाल ही में, पाकिस्तान ने 2026 फीफा विश्व कप क्वालीफायर में हिस्सा लिया, लेकिन सबसे निचले स्थान पर रहा। उसका आखिरी अंतरराष्ट्रीय मुकाबला ताजिकिस्तान के खिलाफ था, जिसमें उसे 0-3 से हार मिली थी। फीफा की ताजा रैंकिंग में पाकिस्तान 198वें स्थान पर है। अब टीम अगले 2027 एएफसी एशियाई कप क्वालीफायर के तीसरे दौर में खेलेगी, जहां उसे सीरिया, म्यांमार और अफगानिस्तान के साथ मुकाबला करना है। पाकिस्तान 25 मार्च को सीरिया के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री से मुलाकात की

राज्य के जल अधिकारों की रक्षा का आग्रह किया

नई दिल्ली/हैदराबाद, 03 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने दिल्ली में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल से मुलाकात की और केंद्र सरकार से कृष्णा और गोदावरी नदी के पानी में तेलंगाना के उचित हिस्से की सुरक्षा करने का आग्रह किया।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि राज्य अपने जल अधिकारों पर कोई समझौता नहीं करेगा तथा कृष्णा नदी के जल का उचित आवंटन किए जाने की मांग की, साथ ही यह भी सुनिश्चित किया कि आंध्र प्रदेश अपने हिस्से से अधिक जल का उपयोग न करे।

कृष्णा जल का उचित हिस्सा: सीएम रेवंत रेड्डी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कृष्णा नदी बेसिन का 70% हिस्सा तेलंगाना में है, फिर भी कृष्णा नदी प्रबंधन बोर्ड ने आंध्र प्रदेश को 66% पानी और तेलंगाना को केवल 34% पानी आवंटित किया है। उन्होंने बेसिन क्षेत्र के अनुपात में तेलंगाना के लिए 70% हिस्सेदारी की मांग की।

आंध्र प्रदेश के अत्यधिक उपयोग को रोकें: मुख्यमंत्री ने बताया कि आंध्र प्रदेश कृष्णा नदी के पानी को अपने आवंटित कोटे से ज़्यादा मोड़ रहा है। इसे रोकने के लिए, उन्होंने कृष्णा नदी पर परियोजनाओं से पानी छोड़ने की निगरानी के लिए तुरंत टेलीमेट्री सिस्टम लगाने का आग्रह किया । यदि आवश्यक हो तो तेलंगाना लागत वहन करने के लिए तैयार है।

पलामुरु-रंगारेड्डी लिफ्ट सिंचाई परियोजना: यद्यपि डीपीआर 2022 में प्रस्तुत की गई थी, लेकिन अनुमोदन में देरी हो रही है।सीताराम और सम्मक्का सागर बैराज: आवश्यक परियोजनाएं होने के बावजूद, इन्हें भी मंजूरी नहीं मिली है।उन्होंने केन्द्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) और तकनीकी सलाहकार समिति (टीएसी) से तत्काल मंजूरी की मांग की।

आंध्र प्रदेश की अस्वीकृत परियोजनाओं को रोकें: तेलंगाना ने गोदावरी-पेन्ना (बनकाचर्ला) लिंक परियोजना का कड़ा विरोध किया, जिसे आंध्र प्रदेश ने सीडब्ल्यूसी, केआरएमबी या जीआरएमबी से मंजूरी के बिना शुरू किया था । सीएम ने मांग की कि इस परियोजना को तुरंत रोका जाए।

गोदावरी में शुद्ध जल हिस्सेदारी को अंतिम रूप देना: तेलंगाना ने जोर देकर कहा कि आंध्र प्रदेश को नई परियोजनाओं के साथ आगे बढ़ने की अनुमति देने से पहले गोदावरी जल में उसका शुद्ध हिस्सा निर्धारित किया जाना चाहिए ।

मुख्यमंत्री ने तेलंगाना के सिंचाई बुनियादी ढांचे को समर्थन देने के लिए 50 वर्षों के लिए ब्याज मुक्त ऋण का भी अनुरोध किया।

प्रणहिता-चेवेल्ला परियोजना की स्वीकृति: तेलंगाना इस परियोजना के तहत तुम्मिडीहट्टी जलाशय बनाने का इच्छुक है, लेकिन महाराष्ट्र की मंजूरी लंबित है।

मुख्यमंत्री ने केंद्र से हस्तक्षेप करने और मंजूरी सुरक्षित करने का आग्रह किया।

बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए सीएम रेवंत रेड्डी ने साफ किया कि तेलंगाना अपने जल अधिकारों पर कोई समझौता नहीं करेगा। उन्होंने दोहराया कि राज्य सिंचाई हितों के उचित आवंटन और संरक्षण के लिए लड़ाई जारी रखेगा।

बैठक में तेलंगाना के सिंचाई मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी, नलगोंडा के सांसद कुंदुरू राघवेंद्र, सिंचाई सचिव राहुल बोज्जा और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

हाइड्रा ने अतिक्रमण पर शिकंजा कसा-तत्काल जांच के आदेश

हैदराबाद, 03 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। पुराने लेआउट पर अतिक्रमण एक बढ़ती हुई चिंता का विषय बन गया है, कई लोगों ने अनधिकृत भूमि हड़पने के बारे में हाइड्रा प्रजावाणी में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायतकर्ताओं ने आरोप लगाया कि उनके लेआउट में निर्दिष्ट पार्क, सड़कें और सार्वजनिक स्थानों पर अवैध रूप से कब्जा किया जा रहा है।

कई निवासियों ने अपनी निराशा व्यक्त करते हुए कहा कि 1980 और 1990 के दशक के दौरान स्थापित लेआउट को अभिलेखों से मिटा दिया जा रहा है , जिससे भूस्वामियों को पूरे भूखंड को अपनी निजी संपत्ति के रूप में दावा करने का मौका मिल गया है।

सोमवार को आयोजित हाइड्रा प्रजावाणी शिकायत सत्र में यह मुद्दा उठाया गया , जहां कुल 49 शिकायतें दर्ज की गईं, जो मुख्य रूप से शहर के बाहरी इलाकों से संबंधित थीं ।

जमीन की बढ़ती कीमतों के साथ , कुछ पुराने भूस्वामी जिन्होंने पहले प्लॉट बेचे थे, कथित तौर पर अवैध रूप से जमीन पर कब्जा करने के लिए वापस आ रहे हैं । कई शिकायतों में यह भी बताया गया कि पंचायत द्वारा स्वीकृत लेआउट को निजी उपयोग के लिए कृषि भूमि में परिवर्तित किया जा रहा है ।

अधिकारियों ने शिकायतकर्ताओं की मौजूदगी में गूगल मैप्स और सर्वे ऑफ इंडिया के मानचित्रों का उपयोग करके शिकायतों का तुरंत सत्यापन किया। अनियमितताएं पाए जाने पर अधिकारियों को गहन जांच करने के निर्देश दिए गए , जिससे प्रभावित निवासियों को राहत मिली।

जवाब में आयुक्त ने आश्वासन दिया कि अतिक्रमण किए गए सार्वजनिक स्थलों को संरक्षित किया जाएगा । उन्होंने संबंधित अधिकारियों को शिकायतें भी सौंपीं और सार्वजनिक उपयोग के लिए बने क्षेत्रों की सुरक्षा के लिए तत्काल कार्रवाई का वादा किया।

इस आश्वासन पर कई शिकायतकर्ताओं ने संतोष व्यक्त किया तथा अपनी शिकायतों के शीघ्र समाधान की आशा व्यक्त की।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.